हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

6 मार्च, 1979

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 6 मार्च 1979

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर (5) 1

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर (5) 28

अतारांकित प्र न उत्तर (5) 29

ध्यानाकर्शण सूचनाएं–

(i) उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि संबंधी (5) 31

(ii) हरियाणा के डाकखानों मे बेनामी जमा रि ायों संबंधी (5) 31

(iii) टपरीवासियों तथा विमुक्त जातियों को अनुसूचित

जनजातियों की सूची में भाामिल करने संबंधी (5) 32

सदन की मेज पर रखे गये कागज पत्र (5) 33

सदन की मेज पर पुनः रखे गये कागज–पत्र (5) 34

वर्श 1978–79 के लिए अनुमान (तीसरी किस्त)

पे ा करना (5) 34

वर्श 1978–79 के लिए अनुपूरक अनुमान (तीसरी किस्त)

पर ऐस्टीमेटस कमेटी की रिपोर्ट (5) 34

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) तथा

धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (5) 35

औचित्य प्र न (5) 39

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) तथा

धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (5) 40–80

हरियाणा विधान सभा

मंगलवारर, 6 मार्च 1979

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर – 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 14:00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न उत्तर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होगे।

Permanent Anti-floods measures in the state

***903. Swami Adityavesh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) Whether there is any scheme under consideration of the Government

(b) If so, the time by which the aforesaid scheme is likely to be finalised?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह):

(क) जी, हां

(ख) 138.32 करोड़ रूपये की लागत का एक मास्टर प्लान बनाया है। कुछ एक योजनाओं पर कार्य भाुरू कर दिया है। बाढ़ से अधिक प्रभावित क्षेत्रों को पर्याप्त मात्रा में राहत देने क लिए इन योजनाओं का पहला चरण जिसकी लागत लगभग 50.00 करोड़ रूपये है, तीन साल तक पूर्ण करने प्रस्ताव है। सारे मास्टर प्लान का पूरा करना धन की उपलब्धि पर निर्भर होगा।

स्वामी आदित्य दे ाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मारफत मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि वह मास्टर प्लान क्या है तथा उसके लिए अब तक कितना धन प्राप्त कर लिया गया है?

श्री वीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मास्टर प्लान के तहत काफी प्रोजैक्टस है। जो जरूरी और बड़े कार्य है, उनके नाम में बता देता हूं, जो इस प्रकार हैः—

Ujina Diversion Drain.

Chhudani Bahagurgarh Complex

Pundri Drain complex

Increasing capacity of Gounchi Drain.

Raising and strengthening left bank of outfall drain No. 8

Deepening bed of diversion Drain No. 8

Remodeling bed of diversion Drain No. 8

Remodeling bed of diversion Drain No. 8

Jhajjar Ring Bund with outfall Drain.

Constructing link drain for karnal, Rohtak an Sonepat Distt.

Construction Ring Bunds in Guragon Distt.

Construction Masani Barrage of Sahibi Nadi

Kotla Storage Project.

Bhindawas Lake Storage Project

Bhindawas Lake Storage Project

Raising Pond Level of Ghaggar.

Village tanks to be deepened for flow marooned villages

Ring Bunds around villages likely to be marooned.

स्वामी आदित्य वे ाः अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे प्र न का उत्तर नही आया है। मै मुत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि मास्टर प्लान के लिए कितना धन उपलब्ध हो चुका है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जितना धन एक साल के लिए निर्धारित किया जाता है वह सारा ही खर्च किया जाता है। इन तीन सालों के अन्दरर 50 करोड़ रूपये खर्च करने की सम्भावना हैं

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि कुछ एरियाज ऐसे है जहां पर न तो ड्रेन

खोदी गई है और न ही कोई लिक ड्रैन्ज खोदी गई ललेकिन वहां पर वाटर लोगिग और सीपेज ने फ्लड का रूप ले लिया है। क्या उसको रोकने के लिए सरकार कोई कदम उठाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, नहर पक्की बनाने का प्रोग्राम चालू है और जिन एरियाज मैं सीपेज और वाटर लोगिग की वजह से फ्लड आता है, यह प्रोब्लम नहरें पक्की हो जाने से दूर हो जाएगी।

सरदार तारा सिंहः अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र जिले में मारकण्डा का पानी काफी नुक्सान कर रहा है। मंत्री महोदय बताएंगे कि क्या सरकार का इसकी रोकथाम के लिए कोई प्रबन्ध करने का ख्याल है।

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यमुना नही का 2 साल से इतना प्रकोप हो रहा है। जिससे लोगों को काफी परे ाानी हैं क्या इस नदी का नाम भी इस मास्टर प्लान में है या मास्टर प्लान से बाहर है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष, मास्टर प्लान के तहत जिन प्राजैक्ट्स का नाम मैने अभी लिया है उनके मोटे–मोटे काम भाुरू हो गए हैं समुना का प्रकोप, कंवर साहब के एरिया और बाकी लोगों के एरियाज पर है, वहां पर भी काम किया जाएगा।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इस बार यमुना के अन्दर जो फ्लड

आया है उससे ज्यादा नुक्सान हरियाणा को हुआ है और यू०पी० के अन्दर एम्बैकमैट्स का काम अच्छा है इसलिए हरियाणा में ज्यादा नुक्सान हुआ है। क्या यू०पी० गवर्नमैंट के साथ हमारी सरकार ने इस बारें में कोई मीटिंग की है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः एक कमेटी बनी हुई है। यू०पी० गवर्नमैंट को इससे कोई ताल्लुक नही हैं हम उस कमेटी से वक्तन फक्तन रिक्वैस्ट करते रहत`है और हम यह चाहते है कि यह काम किया जाए जिससे हमारे इलाके को फायदा पहुंचे।

चौधरी पीर चन्दः मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जाखल के साथ गांव 18 गांव है और वहां एक रंगोई लाना हैं उस नाले को खुदवाने के लिए पिछले सै ान में भी वि वास दिलाया गया था लेकिन उसका नाम इन प्राजैक्टस मे ंनही है। क्या उन गांवां को बचाने के लिए उस नालेको खुदवाया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने पिछले सै ान में माननीय सदस्य को वि वा भी दिलाया था और बड़ी खु ाी की बात है रंगोई नाले के लिए हमारे मुख्य मंत्री दजी ने स्वयं आदे ा भी दे दिया है। उस पर कार्यवाही जरूरी होगी पर हर आईटम का नाम बताना मु कल है।

चौधरी राम कि ानः स्पीकर साहब, पिछले सै ान में मंत्री महोदय ने वि वास दिलाया था कि सफीदों के 65 गांवों में से 47 गांव जो बाढ़ की लपेट में आते है वहां उसकी रोकथाम की

जाएगी। यहां एक भम्भेवा गांव है जहां एक मंजूर ाुदा ड्रैन है। वह सारी इनकम्पलीट है। क्या मंत्री महोदय आ वासन देगें कि आगे आने वाले वर्श से पहले–पहले इस ड्रैन को कम्पलीट करवा दिया जाएगा ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय एरिया की जो ड्रेन्ज है। उनका इस मास्टर प्लान में कुछ झगड़ा है। मै इनको यह वि वास दिला दूं कि 30 जून, 1979 तक जो काम करने है वह पूरे हो जाएंगे।

डा० बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि अम्बाला जिले को इस मास्टर प्लान से बाहर निकाला हुआ है? अम्बाला जिले में एक पिजोरा ड्रेन है, वह बहुत तबाही मचाती है। क्या इस मास्टर प्लान में वह नदी भाामिल की जाएगी या नही?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस मास्टर प्लान के अन्दर तमात हरियाणा के एक एरियाज भाामिल किए गए है जहां पर फ्लडज आने की सम्भावना हैं यह मै पहले भी अर्ज कर चुका हूं कि सब के नाम लेना असम्भव है।

चौधरी जिले सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे हल्के में फ्लड की कोई बात नही है। हमारे यहां जो नहर निकाली जा रही है वह गलत निकाली जा रही है।

(इस प्र न का कोई उत्तर नही दिया गया)

मास्टर ि ाव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि घग्गर नदी में बाढ़ न आने की वजह से इस बार तो अम्बाला जिले के गांव बाढग्रस्त नही हुए लेकिन भविश्य में बचाव के लिए पंजाब ने तो अपनी ओर बांध बांध लिया है तो क्या हरियाणा सरकार को भी उस नदी पर कोई बाध बांधन की येाजना है? यदि है तो उसे कब तक अमलीजामा पहनाया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा की बात इसी सवाल में पूछने लग गए तो फिर मै यही कहूंगा कि इसलिए एक सैपरेट नोटिस दिया जाए।

श्री अध्यक्षः यह बड़ा जरनल सवाल है और इस वक्त हर एक चीज के बारें में पर्टीकुलर जवाब मंत्री जी के पास नही है। आप सप्लीमैटरी थोड़ा जनरल न रखे और ड्रेन्ज के बारें में ही सवाल करें।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि पहले चरण का काम भाुरू हो गया हैं मै पूछना चाहता हूं कि क्या सभी जगह काम भाुरू कर दिया गया है या कि कुछ इलाकों में किया गया है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जहां फ्लडज ज्यादा आता रहा है, वहां पर प्रायर्टी से काम भाुरू किया गया है।

श्रीमती भाान्ति देवीः अध्यक्ष महोदय, जिला सोनीपत में काम बड़ा सुस्ती के साथ हो रहा है और अप्रैल महीने से कटाई

का काम भी भाुरू हो जाएगा और उस वक्त मजदूरों की समस्या भी हो जाएगी। क्या सरकार ऐसे आदे ा जारी करेगी कि जिला सोनीपत में भी एक ड्रेन खोदी जाए?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अब काम चुस्ती से करवाया जाएगा।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, सिरसा में घग्गर नाले पर जो बांध बांधा जा रहा था, वह कम्पीट नही हुआ है। उसका काफी काम बाकी है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि बाकी काम को पूरा करके इस बांध को कब तक कम्पलीट करवाया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः कामरेड भांकर लाल ने कल 10–12 जगहों का नाम दिया था, वह मैने नोट कर लिया है, अगर आव यक होगा तो जरूर बांध बांधा जाएगा।

चौधरी लाल सिंहः मै अपने पापुलर मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि नारायणगढ़ के एरिये से सारी नदियां निकलती है। क्या उस एरिये को नदियों द्वारा की गई तबाही से बचाया जाएगा?

(इस प्र न को कोई उत्तर नही दिया गया)

Construction of Sutlej Yamuna Link Canal

***881. Sh. Shamsher Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) The expenditure incurred by the Haryana Government on the construction of S.Y.L. so far;

(b) The amount of loss being suffered by the state by way of interest on expenditure incurred on construction and on account of machines, tools establishment etc. lying idle due to non-completion of above referred to canal;

(c) The time by which the S.Y.L. canal is likely to be completed;

(d) Whether the S.Y.L. canal is likely to be completed within the scheduled period; if not, how much time beyond the scheduled period is likely to be taken;

(e) Whether the Government has assessed the loss in terms of water and crops; if so, the details thereof; ; and

(f) The steps taken or proposed to be taken to get the work of S.Y.L. canal executed in the Punjab territory?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह):

(क) सतलुज यमुना लिंक परियोजना पर नवम्बर, 1978 तक का खर्च रूपये 23.96 करोड़ हुआ है।

(ख) कैपिटल एक्सपैन्डीचर पर लगभग 1.50 करोड़ रूपये सालाना का ब्याज जो आयेगा इसमें सरकार को म ीन टूल्ज तथा एसटैबलि ामैंट पर कोई हानि नही हुई क्यांकि यह म ीन वगैरा परियोजना की पूर्ति पर दूसरे कार्यो के लिय तबदील की जाएगी।

(ग) इस नहर का हरियाणा में स्थित भाग 30–6–79 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

(घ) हां

(ड़) पानी और फसलों की हानि का अनुमान इस नहर क हरियाणा के हिस्से की नि चत तारीख पर पूर्ण होने पर ही लगाया जा सकेगा। पंजाब सरकार की सहमति न होने के कारण यह मामला प्रधान मंत्री महोदय, के सम्मुख तीव्रता के साथ रखा गया। इस विशय में चार बैठके 26–8–78, 2–9–78, 8–9–78 तथा 20–9–78 को हुई आखरी तारीख पर प्रधान मंत्री महोदय, ने अपने विचार स्पश्टता से व्यक्त किये परन्तु पंजाब सरकार ने इसका पालन अभी तक नही किया। इस सम्बन्ध में हरियाणा सरकार ने प्रधान मंत्री महोदय को अवगत करा दिया है।

श्री भाम ोर सिंहः मै मंत्री महोदय का ध्यान इंडियन एक्सप्रैस न्यूज पेपर में छपी एक न्यूज आइटम की तरह दिलाना चाहता हूं। इसमें लिखा है कि कल पंजाब के फाइनैस मिनिस्टर ने पंजाब असैम्बली में यह बात कही कि प्राइम मिनिस्टर ने एस०वाई०एल० के पानी के मामले को दोबारा सुनने के लिए केस री–ओपन कर दिया है। क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि यह बात कहां तक ठीक है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, एस०वाई०एल० के पानी के बारें में एक प्राइवेट मैम्बर्ज रैजोल्यूान आया हुआ है और

इसको चौधरी साहब ने ही मूव किया हुआ है और इस पर 8 तारीख को भी बहस होनी मुकर्रर हुई है। उस दिन मुझे इसका जवाद देना है। अगर सदस्य चाहे तो उस दिन वृत्तान्त से इस विशय पर जवाब दे दूंगा। जवाब तो मेरे पास इस वक्त मौजूद है, अगर अब चाहे तो अब दे सकता हूं।

Mr. Speaker: I think, it will be very fair that on the 8th March he gives a very detailed reply.

Mandi at Nathusri

***889. Ch. Jagdish Kumar Beniwal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal to set up a Mandi at Nathusri Chopta in Sirsa District; if so, the time by which it is likely to be set up?

कृशि मंत्री (बिग्रेडियर रण सिंह): हरियाणा मार्केटिग बोर्ड सर्वे हो चुका है और उम्मदी है कि नाथूसरी चौपटा में मण्डी बना दी जाएगी।

*1007. **Sh. Devender Sharma: Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) The total number of Harijan Chaupals constructed upto 31st January, 1979; and

(b) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct houses for Harijans in the rural areas; if so, the district wise break-up thereof?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह):

(क) 31–1–79 तक 141 हरिजन चौपालों का निर्माण हो चुका है।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन नही है जिसके अधीन ग्रामीण क्षेत्रों में हरिजनों के मकान बनाए जाने हों। अपितु यह विभाग हरिजनों को चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र में रहते हो या भाहरी क्षेत्र मे, मकान बनाने के लिए 2,000 रूपये का अनुदान देता है।

श्री जगन नाथ: क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि एक चौपाल बनाने के लिए कितनी धनरा ि दी जाएगी और अगर किसी गांव में लोग दो दो, तीन तीन चौपाले बनाना चाहे और अपना हिस्सा देने के लिए तैयार हो तो उनकों सरकार ज्यादा से ज्यादा कितनी कितनी ग्रांट दे सकती है? इसके इलावा मै यह भी जानना चाहता हूं कि जहां हरिजनों को चौपाले बनाने के लिए यह धनरा ि दी जा रही है वहां बैकवर्ड क्लासिज को भी चौपाले बनाने के लिए धनरा ि दी जाएगी?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, सरकार चाहती है कि हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लिए जयादा से ज्यादा चौपाल बनाई जाएं, लेकिन यह कोई तय ुदा पालिसी नही है कि एक गांव में एक ही चौपाल बनाई जाएगी या गांवों में ही चौपाले बनाई जाए, भाहरों में न बनाई जाएं। भाहरों मूं भी

हरिजन लोग रहते है ओर भाहर के आस–पड़ोस के लोग खुद कंट्रिव्यू ान करके श्रमदान देगे तो हम भाहरों मे ंभी बनाने के लिए तैयार है। अगर दो मुहलले एक दूसरे से काफी दूरी पर बसे हुए है तो वहां पर दो चौपाल की सहूलियत मिले। बैकवर्ड क्लासिज के लिए जहां तक मै समझता हूं, काफी दिक्कत है और आस–पास के लोगों की बाराते ठहरने के लिए कोई जगह नही है। अगर गांव की पंचायते मुनासिब समझे गांव वाले कंट्रिव्यू ान करें और इसके साथ ही साथ अपोजी ान पार्टी के सदस्य यजैसे राव साहब है, ये मुखालफत न करें तो बैकवर्ड क्लासिज की चौपाले बनाने के लिए हम पैसा देगे।

श्री देवी दासः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि भाहरों में भी चौपाले बनाने का सरकार का कोई प्रोग्राम है, जैसे देहातों में बनाने को प्रोग्राम है?

श्री अध्यक्षः इस सवाल का जवाब आ चुका है।

कामरेड़ भांकर लालः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि अब तक किस किस भाहर मे कितनी कितनी चौपालें बनाई गई है?

चौधरी देवी लालः मेरे ख्याल में रोहतक मं बन चुकी होगी।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने सवाल का जवाद देते हुए एक हमला सा कर दिया.....

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछे।

राव बीरेन्द्र सिंहः मेरा सवाल यह है कि बैकवर्ड क्लासिज के लिए चौपाले बनाने की नीति का अब तक तो सरकार ने एलान नही किया था, आज किया है, मै इसका स्वागत करता हूं। मै पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार यह नही समझती कि हरिजनों के नाम पर चौपाले बनाने से गांवों में छुआछूत ज्यादा फैलेगी? अगर इस तरह से अनटचेबिलिटी परपैचएअ होबी तो बेहतर नही होगा। सरकार के द्वारा गांवों में जो चौपाले बनाई जा रही है वह हरिजनों के लिए ही नही, सब के इस्तेमाल के लिए होनी चाहिए ताकि सारा गांव मिलकर उससे फायदा उठाए.....
.....

डा० मंगल सैनः क्या गरीबों के लिए न हों? (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंहः क्या आप कौम के हिसाब से चौपाले बनाना चाहते है, क्या गांव की आबादी को कौमियत में डिवाईड करना चाहते है? (व्यवधान)

चौधरी देवी लालः जात–पात फैलाने और गांव की आबादी को डिवाईड करने का जहां तक ताल्लुक है, यह काम तो राव साहब और उनकी पार्टी का है, हमारा नही है। हम गरीबों की सहूलतों को देख रहे है और जहां तक जरूरी समझते है इन लोगों के लिए चौपाले बनवाई जा रही है और इनका फायदा

बैकवर्ड क्लास वाले भी उठा सकते है और स्वर्ण जाति क लोग भी उठा सकते है।

स्वामी अग्निवे ाः जैसे कि मंत्री जी ने बताया कि चौपाले बनाई जा रही है और जितना धन गांव वाले इकट्ठा करेगे उतना अनुदान सरकार देगी, लेकिन मैने देखा है, कही कही पर आबादी दो हिस्सों में बंट जाती हे, एह हरिजन अलग चौपाल बनाना चाहते है तो दूसरें बालमीकि अलग बनाना चाहते हैं इनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नही है कि वह धन इकट्ठा करके दे सकें। इस प्रकार की कई जातियां है, जैसे सिकलीगर, बाजीगर.....

श्री अध्यक्षः बैकवर्ड क्लास के बारें में जवाब दे चुके हैं। (व्यवधान)

स्वामी अग्निवे ाः मै जानना चाहता हूं कि अगर 10 हजार ये लोग इकट्ठा करें तो 10 हजार सरकार देगी, इस कंडी ान को वेव करने के लिए सरकार तैयार है?

श्री प्रीत सिंहः स्पीकर साहब, ऐसा है कि जहां पर कोई जाति धन न देकर श्रमदान देती है वहां पर श्रमदान की इवैल्यूए ान कराके ग्रांअ दी जाती है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, चौपाल के लिए 10 हजार रूपये की रा ि ा फिक्स की गई है। लेकिन मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यदि कोई हरिजन दस हजार रूपये से ज्यादा डिपोजिट करा दें तो क्या सरकार भी उतनी ही रा ि ा दे देगी?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, केवल हरिजनों के लिए ही नही बल्कि यदि कोई बड़े–बड़े सेठ, साहूकार और बड़े–बड़े मालिकान जो जमीन के है, जो अपने आप को बहुत बड़ा आदमी समझते है, वे भी भलाई के काम के लिए दस हजार से बढ़ कर दस लाख भी दे तो सरकार की ओर से मैचिग ग्रांट दस लाख की दी जाएगी। (तालिया) स्पीकर साहब, राव साहब की इत्तलाह के लिए मै यह भी बता देना चाहता हूं कि कि यह केवल वायदा ही नही है बल्कि असलियत है। अभी कल ही एक सेठ ने जगाधारी में किसी देहात में पौलिटैकनिक खोलने के लिए पांच लाख रूपये देने का एलान किया था। उसे लिए मैने भी पांच लाख रूपये देने के लिए कहां हैं उन्होने यह भी कहा था कि वे पांच लाख रूपये का और इन्तजम करेंगे। उसके जवाब में मैने भी यही कहा था कि यदि वे और पांच लाख का प्रबन्ध करेंगे तो सरकार भी करेगी।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि अभी कुछ डी०सीज० ने जो सर्कुलर जारी किया है कि जिन गांव में हरिजनों की एक चौपाल पहली ही है, वहां, दूसरी चौपाल नही बनाई जाएगी वह क्या सरकार की हिदायतों के तहत जारी किया गया है जबकि बहुत से गांव के हरिजनों ने पहले ही पैसे जमा करवा दिए है?

श्री प्रीत सिंहः हरेक केस को फैक्टस के आधार पर देखा जाएगा। अगर एम०एल०ए० साहब के नोटिस में ऐसा कोई

केस है, जहां दूसरी चौपाल की बहुत जरूरत है तो वे हमारे नोटिस में लाए, वहां दूसरी चौपाल बनाने की जरूर इजाजत दी जाएगी।

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मैचिग ग्रांट आदि सहित इकट्ठे हुए पैसे को खर्च करने के लिए क्या कोई हरिजनों की कमेटी बनाई जाती है या पंचायत खर्च करती है? (विध्न)

श्री प्रीत सिंहः एक कमेटी बनाई जाती है जिसमें बी०डी०ओ०, सरपंच और पंचायत का एक हरिजन मैम्बर भाामिल होता है।

श्री सुमेर चन्द भट्टः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने मैचिग ग्रांट के बारे में अभी जो ब्लैकट अ योरैंस दी है उसके बारें में उनसे मै यह जानना चाहता हूं कि उसका सम्बन्ध क्या हरिजनों की चौपाल से ही है या गांव के दूसरे भलाई के कामों से भी है?

चौधरी देवी लालः मै यह बात पहले ही साफ कर चुका हूं। मैने अपने जवाब में पौलीटैकनिग का रैफरैंस भी दिया था लेकिन फिर भी मै कह देता हूं कि हर किसी काम के लिए जो लोागें की भलाई के लिए हो, सरकार मैचिग ग्रांट देगी।

राव बीरेन्द्र सिंहः क्या मुख्य मंत्री जी बतायेगे कि इन हरिजन चौपालों की देखभाल के लिए चेयरमैन मुकर्रर किए जाएंगे?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, हरिजनों की चौपाल का फाउंडे ान स्टोन रखने की डयूटी एम०एल०एज० की लगाई गई थी लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस डयूटी को भी राव बीरेन्द्र सिंह जी ने कबूल नही किया।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आन ए पर्सनल एक्सप्लेने ान, मै एक बात अर्ज करना चाहता हूं। (विध्न)

चौधरी खुर ीद अहमदः इस समय नही। This can be done after the question Hour.

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैने पूरा सहयोग दिया है लेकिन चीफ मिनिस्अर साहब के नाम का पत्थर नही रखा, यह कसूर जरूर है।

चौधरी देवी लालः यह राव साहब की बद–किस्मती है कि लोगों ने देवी लाल के नाम से पत्थर रख दिया, यह मेरे अख्तियार की बात नही है।

तारांकित प्र न संख्या 942

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य, चौधरी जगजीत सिंह पोहलू, इस समय सदन मं उपस्थित नही थे।

Sarsa Bridge

***950. Sarder Tara Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the date on which the construction of Sarsa Bridge in Kurushetra District was sanctioned and the time by which it is likely to be completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): सारसा ड्रिस्ट्रीव्यूटरी की बुर्जी नं० 23700 पर पुल भवन तथा सड़कें विभाग, हरियाणा द्वारा बनाया जाना है और इसी वर्श में पूर्ण किया जाना है। सरस्वती फीडर की बुर्जी नं० 36225 पर एक पुल 1975 से 10 साला फेजड प्रोग्राम के अन्तर्गत स्वीकृत है और सिंचाई विभाग द्वारा 31–7–79 तक पूर्ण किया जाना है।

Declaration of Backward area

***979. Sh. Mool Chand Mangla:** Will the Minister for Revenue be pleased to state wheter there is any proposal under consideration of the government of declare the tehsills of Palwal, Nuh and Ferozepur Jhirka in District Gurgaon as backward areas?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह): तहसील नूंह, फिरोजपुर झिरका तथा पलवल तहसील के 21 गांवों को पहले ही पिछड़ा क्षेत्र घोशित करने का कोई प्रस्ताव नही है।

श्री मूल चन्द मंगला: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि तहसील पलवल, नूंह तथा फिरोजपुर झिरका के 21 गांव को बैकवर्ड करार दिया हुआ है। लेकिन मै उनसे जानना

चाहता हूं कि पलवल तहसील के बाकी गांव की जिनकी हालत वाक्या ही बहुत खस्ता है, बैक वर्ड करार देने में क्या आपत्ति है?

श्री प्रीत सिंहः स्पीकर साहब, इसके लिए एक क्राइटेरिया फिक्सड है। जो गांव इस क्राइटेरिया की जद में आते है, उन्ही को ही बैकवर्ड करार दिया जाता है।

श्री अध्यक्षः मेरा सुझाव है कि आप मंत्री महोदय से अलग से मिल लें। वे आपकों सारी बात समझा देगे। अभी इन्होने जवाब दे दिया है कि सरकार ने सारी बात ऐग्जामिन करके 21 गांव को बैकवर्ड क्षेत्र घोशित किया हुआ है।

स्वामी आदित्यवे ाः क्या मंत्री जी बतायेगी कि वे इस क्षेत्र को औद्योगिक दृश्टि से बैकवर्ड घोशित करेगे?

श्री प्रीत सिंहः यह सैपरेट क्वै चन हैं इस प्र न से इसका कोई सम्बन्ध नही है।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, नारायणगढ़ काफी समय तक पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार ने हम लोगों के साथ बड़ा अन्याया किया और इस क्षेत्र को फारवर्ड घोशित कर दिया। क्या जनता पार्टी की यह सरकार दोबारा इस क्षेत्र को बैकवर्ड घोशित करेगी?

श्री प्रीत सिंहः नारायणगढ़ पहले से ही बैकवर्ड है।

Amount of loan advanced by the Cooperation Department

***1039. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister of Coorperation and Dairy Develpment be pleased to state—

(a) The total amount of loan advanced by the Cooperative Department

(b) The total amount of loan out of that referred to in para (a) above recovered up to 31-1-1979; and

(c) The total number of defaulters above Rs. 1,00,000 (One Lac) in the State as on 31-1-1979?

सहकारिता एवं दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी देवी लाल):

(क) सहकारिता विभाग द्वारा व्यक्तिगत ऋणी को सीधे कोई ऋण नही दिया जाता। 1—7—78 से 31—1—79 तक 9403.96 लाख रूपये की राि ा के अल्पकालीन, मध्यकालीन तथा दीर्घकालीन ऋण सहकारी बैकों तथा भूमि विकास बैकों द्वारा भिन्न—भिन्न उद्दे यों के लिए दिए गए है।

(ख) उपरोक्त समय में दिया गया ऋण 28 फरवरी और उसके बाद देय होगा परन्तु 1—7—78 से 31—1—79 तक अल्पकालीन तथा मध्यकालीन ऋणों की कुल राि ा में से 6996.11 लाख रूपये की राि ा वसूली हुई है। 25—1—79 की 9625.15 लाख रूपये के ऋण खड़े थे उनमे ंसे 1534.57 लाख रूपये की राि ा अतिदेय थी। जहां तक दीर्घकालीन ऋणों की वसूली का सम्बन्ध है 31—12—78 को 859.77 लाख रूपये की देय राि ा में से 619.45 लाख रूपये की वसूली 31.1.79 तक हुई है।

(ग) भून्य।

डा० बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, मैने अपने सवाल के पार्ट 'सी' में यह पूछा था कि हरियाणा के अन्दर एक लाख रूपये से ऊपर के कितने डिफाल्टर्ज है और मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि कोई नही। क्या मै उनसे जान सकता हूं कि बेनामी लोन भी इसमें भाामिल है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसमें सारा लोन आ गया हैं बेनामी लजोन की जो भी ि ाकायत हमें मिलती है उसकी हम इंक्वायरी करते हैं इस ताह की अगर कोई बात माननीय सदस्य के नोटिस में हो तो वे उसे मेरे नोटिस में लाए, उसकी जांच करवाई जाएगी।

श्री फतेह चन्द विंजः क्या मंत्री जी बताएंगे कि जिन सोसाइटियों के जिम्मे पिछला लोन बकाया था उन्हें दुबारा लोन दिया गया या नही।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि जो सोसाइटीज डिफालट्र हो जाती है, उनकों लोन नही दिया जाता है।

चौधरी हरि चन्द हुड्डाः मै मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि जो सैन्ट्रल कोआप्रेटिव बैक कोआप्रेटिव सोसाइटीज को लोन देता है उसका प्रोडक्टिव पर्पज जीरो ंहै, इसकों कैसे उठाया जायेगा?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सहकारिता आंदोलन से जितना लोगों को भला हुआ है, इससे ज्यादा और किसी भी स्कीम से नही हुआ हैं लोन देने में सब से ज्यादा हाथ कोआप्रेटिव महकमे का है। कोआप्रेटिव सोसाइटीज की तरफ से किसान को खाद, बीज, कीटना ाक दवाइयां दी जाती है।

चौधरी हरिचन्द हुड्डाः स्पीकर साहाब, मै मिनिस्टर महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो कोआप्रेटिव सोसाइटीज डिफालटर हो गई है और नई वहां पर बनी नही है तो उन सोसाइटीज को किस तरह से लिफ्ट देगें? दूसरी बात यह है कि सरकार द्वारा कौन से ऐस स्टैप्स लिय जा रहे है जिनसे इन बैकों के थ्रू देहात वालों को फायदा दे सकेगे? इस बारें में गवर्नमैंअ को लिखा भी चुका हूं।

चौधरी भजन लालः एक सोसायटी के काफी मैम्बर होते है। जिन मैम्बर्ज की तरफ काफी रूपया खड़ा है, उन सोसाइटीज को खड़ा होने के लिए सरकार की तरफ से कोई लोन नही दिया जायेगा। जिन लोगों ने सोसाइटीज का सारा पैसा दे दिया है, वे अपनी नई सोसायटी बना सकते हैं गवर्नमैंट को कोई एतराज नही हैं सरकारी बैंक उन सोसायटीज को लोन देंगे।

तारांकित प्र न संख्या 1021

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य चौधरी राम कि ान, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Stock of medicines in Dispensary in the Haryana M.L.As' Hostel

***1003. Ch. Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) Whether the stock of medicines is complete in the Dispensary located in the Haryana M.L.As' Hotel;

(b) Whether any complaint regarding the non-availability of medicines in the said dispensary has been received by the Medical Officer of Chief Medical Officer, Ambala; and

(c) If so, the action taken so far by the Government thereon?

Health Minister (Smt. Dr. Kamal Verma):

(a) The dispensary at Haryana M.L.A. Hostel was stared to provide essential and emergency medicines to the M.L.As. Adequate quantities of essential and emergency medicines are available in the dispensary.

(b) A suggestion was received that the medicines other than the emergency and essential medicines should also be provided in the dispensary on demand.

(c) The suggestion has been accepted and necessary instructions have been issued.

चौधरी उदय सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि एम०एल०एज० होस्टल की डिस्पैन्सरी में

दवाइयों का प्रबन्ध किया हुआ है। लेकिन मै उनकों यह बता देना चाहता हूं कि क्या कोई एम०एल०ए० खड़ा हो कर यहां हाउस में कह़ सकता है कि वहां पर दवाइयां पूरी मिलती है? और डाक्टर को भी इख्तियार नही है कि वह एम०एल०ए० के लिए दवाई खरीद सके। एम०एल०ए० को दवाई खरीदने के लिए कन्जयूमर स्टोरज पर जाना पड़ता है। चार रूपये की दवाई होती है और दस रूपये स्कूटर वाला चार्ज कर लेता है। दवाई स्टोर से खरीद भी ली जाये तो उसका पैसा वापिस लेने के लिए सी०एम०ओ० अम्बाला से काउन्टर साइन कराने पड़ते है। इस तरह से बहुत परे ाानी का सामना करना पड़ता हैं तो मै मिनिस्टर महोदय से जानना चाहूंगा कि कितने दिनों तक यह समस्या हल हो जायेगी?

श्रीमती डा० कमला वर्माः इस समस्या को हल करने में ज्यादा दिन नही लगेगे। आर्डर जारी हो चुके है। डाक्टर को कह दिया गया है कि अगर किसी एम०एल०ए० के लिए दवाई चाहिए तो वह स्वयं दवाई ला कर दें।

डा० बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, पंजाब एम०एल०एज० होस्टल में जो डिस्पैन्सरी खुली हुई है, उसमें दांतों को चैक करने का इन्तजाम भी है तााि वहां एक छोटी सी टैस्टिग लेब्राटरी भी है। इसी तरह से हमारे एम०एल०एज० होस्टल में भी उसकी मांग की गई परन्तु फाइनैन्स की कमी होने की वजह से वह मांग रिजैक्ट कर दी गई है तो मै मिनिस्टर महोदया से पूछना

चाहता हूं कि इस छोटी सी लैब्रोटरी को सैक ान न करने का क्या कारण है?

श्रीमती डा० कमला वर्माः इस बारें में तो वित्त मंत्री महोदय ही बता सकते है कि क्यो रिजैक्ट की है। हमने दो बार पहले केस भेजा था और अब तीसरी बार भेज रहे है। इस बार हमें आ ाा है कि वित्त मंत्रालय से जरूर स्वीकृति मिल जायेगी।

चौधरी खुर ाीद अहमदः स्पीकर साहब जैसा कि हैल्थ मिनिस्टर महोदया ने हाउस में जवाब दिया है उसकों सुन कर क्या मै आपके द्वारा फाइनैंस मिनिस्टर महोदय से पूछ सकता हूं कि वे तीसरी बार इस डिमान्ड को स्वीकार कर लेंगे।

वित्त मंत्री (श्री मूल चन्द जैन): स्पीकर साहब, मुझे तो इसके लिए नोटिस चाहिए। (हंसी).....

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपक जरिए हाउस के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि एक एम०एल०ए० कितने लोगें को रिप्रैजेन्ट करता है लेकिन उनके लिए भी बजट में इतना थोड़ा पैसा दवाइयों के लिए रखा जाता है। इसकों क्यों नही बढ़ाया जाता है?

श्रीमती डा० कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय आम डिसपैंसरी में छः हजार की दवाइयां देने का प्रबन्ध है परन्तु एम०एल०ए० डिस्पैसरी के लिए 14 हजार की दवाइयां फरवरी मास तक खरीदी

जा चुकी है। इसक इलावा आव यकतानुसार और भी ज्यादा खर्च करने की इजाजत दे दी है।

चौधरी भले राम: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदया बतायेगी कि एम०एल०एज० को ही दवाइयं दी जाती है या दूसरे लोगों को भी दी जाती है?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: केवल एम०एल०एज० के लिए ही यह डिसपैसरी है अगर ऐसी कोई बात है तो उसक बारें में देख लेगें कि अन्य आदमी वहां से दवाई न लें।

श्री अध्यक्ष: अगर कोई ऐसा मौका हो जाये कि किसी पब्लिक के आदमी को मैडिकल एड की आव यकता पड़ जाये तो एमरजैसी में डाक्टर का भी यह फर्ज होता है कि वह उसकों अटैन्ड करे।

Water logging around Khetri Minor

***905 Swami Adityavesh:** Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state—

(a) Whether it is fact that the problem of water logging subsists in the area around the syphon on the Khetri Minor; and

(b) If so, the details of the steps proposed to be taken to combat the water logging in the said area together with the time by which these are likely to be taken?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिह):

(अ) नही, ऐसा कोई माईनर नही है।

(ब) उक्त 'ए' के सम्मुख प्र न ही नही उठता।

स्वामी आदित्यवे T: स्पीकर साहब, यह वही माईनर है जो पलवल तहसील में है जिसके सम्बन्ध में 15 जनवरी को घोशित किया गया था। यह वाटर लोगिग एरिया हैं तो क्या मंत्री जी बताएंगे कि उसके लिए सरकार क्या प्रबन्ध कर रही है?

श्री अध्यक्ष: गवर्नमैंट ने बहुत अच्छी तरह से एग्जामिन करके जवाब दिया है। इस नाम की कोई माईनर नही है।

स्वामी आदित्यवे T: अध्यक्ष महोदय, यह खतेला गांव के नजदीक हैं खतेला माईनर में साइफन गल्त बना हुआ है।

श्री वीरेन्द्र सिह: स्पीकर साहब, खेतरी माइनर कोई नही है। खतेला माइनर है।

स्वामी आदित्य वे T: अध्यक्ष महोदय, यह मेरी गल्ती नही है। यह सचिवालय की गलती है। मेरे मूल प्र न को निकाल कर देखा जाये, उसमें सही लिखा है।

श्री अध्यक्ष: आप इसकों, अमैंड करके एज अन–स्टार्ड क्वै चन दे दें तो मिनिस्टर साहब इसका जवाब दे देगें।

Enrolment with the Employment Exchanges

***882 Sh. Shamsher Singh:** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state—

(a) The number of persons possessing Matric, Graduate, Post-Graduate, Technical, JBT and B.Ed qualifaication registered with the Employment Exchanges in the State as on 31-3-1978;

(b) The total number of persons out of those referred to in part (a) above who have been provided with jobs; and

(c) The total number of persons, category-wise, as referred to in part (a) above who are still on the waiting list for employment as on 31-2-1978 in the State?

सहकारित एवं दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क), (ख) तथा (ग): अपेक्षित सूचना विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरणिका

(क) 30–6–78 हरियाणा में रोजगार कार्यालयों के संजीव रजिस्टर पर रहे निम्नलिखित क्षेणी क प्रार्थियां की संख्या इस प्रकार से है:–

क्रंमाक	कैटेगरी	30–6–78 को हरियाणा में रोजगार कर्यालय के संजीव रजिस्अर पर संख्या
1.	मैट्रिक	94366

2.	स्नातक	29728
3.	स्नातकोत्तर	3642
4.	तकनीकी	8714
5.	जे०बी०टी०	8618
6.	बी०एड०	10115

नोटः– ऊपर दी गई कैटेगरी के प्रार्थियों सम्बन्ध 31.3.78 के आंकड़े अपलब्ध नही है क्योंकि यह आंकड़े अर्ध–वार्शिक आधार पर एकत्रित किये जाते है अतः 30–6–78 से सम्बन्धी आंकड़े नही है।

(ख) 30–6–78 को समाप्त हुये अर्ध–वर्श में नौकरी पर लगे प्रार्थियों के आंकड़े भाग 'क' की कैटेगरी के अनुसार नीचे दिये जाते हैः–

क्रंमाक	कैटेगरी	30–6–78 को समाप्त हुये अर्ध वर्श में नौकरी पर लगे प्रार्थीं की संख्या
1	2	3

1.	मैट्रिक	5021
2.	स्नातक	2344
3.	स्नातकोत्तर	256
4.	तकनीकी	480
5.	जे०बी०टी०	2369
6.	बी०एड०	1484

(ग) 31–12–78 को राज्य के रोजगार कार्यालयो से संजीव रजिस्टर पर रहे प्रार्थियों की संख्या कैटगरी के अनुसार इस प्रकार है:–

क्रंमाक	कैटेगरी	31–12–78 को को संजीव रजिस्अर पर प्रार्थियों की संख्या
1.	मैट्रिक	90503
2.	स्नातक	28791
3.	स्नातकोत्तर	4581
4.	तकनीकी	8487

5.	जे०बी०टी०	6223
6.	बी०एड०	9957
नोटः– इन आंकड़ों में उन व्यक्तियेां को नाम भी सम्मिलित है जिनके नाम 1–7–78 से 31–12–78 तक की अवधि में दर्ज किये गये।		

श्री भाम ोर सिंहः मिनिस्टर महोदय ने अपने जवाब के पार्ट 'सी' में बताया है कि 31–12–78 तक मैट्रिक 90503 ग्रेजुएट्स 28791 पोस्ट ग्रेजुएट्स 4581 टैक्नीकल 8487, जे०बी०टी० 6223 और बी०एड० 9957 बेरोजगार है। मै मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि इन्हें नौकरी देने का कोई स्पैसिफाईड टाईम मुकर्रर किया है कि इतने टाईम तक नौकरियाँ दे दी जायेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि पहले भी सदन में बताया गया है कि सबको नौकरी देना तो कठिन है क्योंकि हर साल 20–22 हजार लोगों को नौकरियां दी जाती है और अगले ही साल एक लाख पढ़े–लिखे युवक और आ ाजते है ते इस समस्या का समाधान होना तो मु कल है लेकिन हमारी सरकार ने उनके लिए एक बहुत ही अच्छा प्रोग्राम बनाया है कि वे

गांवों में उद्योग धंधे लगाये। दस हजार से 1 लाख रूपये तक लोन देगें और उसमें 15 परसैन्ट तक सबसिडी भी दी जायेगी। इस तरह से पांच साल तक टैक्स में छूट दी जायेगी जिससे नौजवान नौकरी की तरफ नही जायेगे और वे अपने पांव पर खड़ें हा सकेंगे।

चौधरी गया लालः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि बल्लभगढ़ में जो डेरी प्लान्ट काफी दिनों से तैयार हो रहा है....

श्री अध्यक्षः गया लाल जी, यह प्र न डेरी से सम्बन्धित नही है.....

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी–अभी यह बताया कि पढ़–लिखे लोगों को इतनी नौकरियां तो वे नही दे सकते, वे उन्हें उद्योग धन्धे लगाने के लिये कह रहे है। क्या वे यह बताने की कृपा करेंगे कि ग्रामोद्योग खोलने की स्कीम के तहत अब तक उन्होने कितने लोगों को रोजगार दिलाया है?

श्री अध्यक्षः यह तो एक सैपरैट सवाल है, इसके लिये नोटिस चाहिए।

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि सरकार की यह योजना है कि पढ़–लिखे लोग उद्योग धन्धे लगाये क्योंकि वह इतने रोजगार तो दे नही सकते।

मै आपकी मार्फत मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज का क्या बनेगा? क्या इन एम्पलायामैंट एक्सचेंजिज को उद्योग–धन्धों में मददगार बनाने की कोई प्रोपोजल है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जहां तक एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज का ताल्लुक है, जैसे मैने बताया है वे हर साल 20–22 हजार लोगों को नौकरियां दिलाने में मदद कर रहे है।

चौधरी हर स्वरूप बूराः जैसे कि मंत्री महोदय ने यह बताया है कि हम सब को नौकरियां नही दे सकते, क्या मंत्री महोदय इस बात पर विचार करने के लिये तैयार है कि जो बी०एड० और जे०बी०टी० की ट्रेनिग है, इसकों बन्द कर दिया जाये?

Mr. Speaker: This is a separate question.

स्वामी अग्निवे I: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय की जानकारी में यह बात है कि हमारें प्रदे ा में नौकरियों के मामले में और खास कर सहकारी बैकों में रोजगार दिलाने के बारें में काफी रि वत चलती है? मै उन्हें बताता हूं कि इन बैकों में मिनी बैक के मैनेजर लगने के लिये 8–8 हजार रूपया देना पड़ता है, क्या वे इस तरफ से जो भ्रश्टाचार फैल रहा है, इसे समाप्त करने का कोई विचार रखते है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, स्वामी जी ने और पोहलू साहब ने भी बैकों की नौकरियों में कुरप ान का जिक्र किया है। पोहलू साहब ने कुरूक्षेत्र बैंक के बारें में कहा था लेकिन आज तक न तो पोहलू साहब ने ही और न स्वामी जी ने ही कुछ लिखकर दिया है। अगर कोई स्पैसिफिक इन्स्टांस दे कि फलां आदमी से पैसे लिये गये तो हम बाकायदा उसकी इन्क्वायरी करवायेगे और उसमें चाहे कोई भी बड़े से बड़ा आदमी इन्वाल्ड हो, किसी को भी माफ!? नही किया जायेगा।

श्री बेलदेव तायलः स्पीकर साहब मै मंत्री महोदय से केवल इतनी सी बात जानना चाहता हूं कि जो नौकरियां दी जाती है, जैसे मंत्री महोदय ने अभी बताया कि एक लाख व्यक्तियों में से केवल 20–22 हजार आदमियों को ही आप नौकरी दे पाते है उन नौकरियों को देने का मापदण्ड क्या होता है? क्या उनका मापदण्ड मैरिट है, योग्यताएं है या सिफारि ा है या कुछ और है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोि ा ा तो यही होती है कि योग्यता के आधार पर ही नौकरियां दी जाये और दी भी जाती है। लेकिन कई बार एम०एल०ए० साहेबान जो यहां पर सवाल पूछ रहे है। आकर यह कहते है कि नही, इस लड़के को लेना है, चाहे उसमें योग्यता है या नही है। यह मेरा लड़का तो हर हालत में लगना चाहिए।

Hospital at Sirsa

***890 Ch. Jagdish Kumar Beniwal:** Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building for Hospital at Sirsa; if so, the time by which the construction work is likely to be taken in hand?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती डाक्टर कमल वर्मा): हां, धन उपलब्धि होने पर जररल हस्पताल सिरसा के लिये नए भवन का निर्माण वर्श 1979–80 में भुरू किए जाने का प्रस्ताव है।

चौधरी जगदी ा कुमार बैनीवाल: स्पीकर साहब मै मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या धन कभी उपलब्ध भी होगा या नही?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: होगा, लेकिन जैसे मैने अभी बताया है, यह प्रोपोजल अन्डर कन्सीड्रे ान है।

श्री जय नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि धन उपलब्ध होने की कोई सीमा भी रहेगी या नही कि कब तक धन उपलब्ध हो जायेगा?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: जरूर रहेगी, हमने अपनी पांच साल प्लान के पहले साल में ही इसकी योजना का प्रस्ताव रखा हुआ है।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया: स्पीकर साहब मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहती हूं कि धन की उपलब्धि होने के प चात् कौन–कौन सी जगह अस्पताल बनाने का प्रस्ताव है?

श्री अध्यक्ष: सवाल तो अलग है, लेकिन अगर मंत्री महोदया चाहे तो जवाब दे सकती है।

श्रीमती डा० कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, ये डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर के सम्बन्ध में पूछ रही है या सब डिवीजनल लैवल पर? मै तो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टरज का ही बता सकती हूं।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया: अध्यक्ष महोदय, मै तो बावत का पूछ रही हूं।

श्रीमती डा० कमला वर्मा: वहां पर होगा।

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, मै वजीर साहिबा से यह पूछना चाहता हूं कि जो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर में अस्पताल की बिलिडंग आलरैडी बनी हुई है और उसका पूरी तरह से यूज नही हो रहा है, क्या उसका पूरा इस्तेमाल किये जाने की कोई प्रोपोजल है अगर है तो उसे कब तक इस्तेमाल किया जाएगा?

श्री अध्यक्ष: पूरे इस्तेमाल से आपका क्या मतलब है?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: स्पीकर सहाब, मै इनका मतलब अच्छी तरह से समझती हूं। इनका मतलब यह है कि कुरूक्षेत्र में जो अस्पताल की बिल्डिंग है वह 100 बैड्ज के लिये है

लेकिन वहां पर अभी 50 बैड्ज ही है। इसके बारें में मेरा कहना यह है कि वह अब डिस्ट्रिक्ट बन चुका है और ज्यो–ज्यो फाईनैसिज की पोजी ान ठीक होती जायेगी त्यो–त्यों हम इस बारें में प्रबन्ध करते जायेगे।

श्री देवेन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय क्या इसके लिये सरकार कोई टाईम लिमिट फिक्स करने के लिए तैयार है?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, पहले तो उस इलाके के अन्दर जहां पर अस्पताल बिल्कुल भी नही है अस्पताल देंगे। जहां पर आलरैडी एगजिस्ट करते है, उनकों अपग्रेड करने की बात तो बाद में सोचेगे।

श्री भले राम: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि कई बार अस्पतालों में मरीज के साथ दूसरे आदमी का रहना जरूरी हो जाता है लेकिन उसके ठहरने के लिए आम तौर पर अस्पतालों में कोई जगह नही होती है। क्या अस्पतालों के पास ही कोई उनके ठहरने के लिये सुविधा प्रदान करने की बात सरकार सोचेगी ?

श्रीमती डा० कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने अभी लोगों की भलाई के लिये एक प्रस्ताव रखा है कि वहां के लोग अगर चाहे तो पैसा इकट्ठा करें, सरकार भी उतनी ही मैचिग ग्रान्ट देगी। इस तरह से अगर लोग चाहें तो किया जा सकता है।

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि हांसी का जो प्रोपोजड अस्पताल है, उसका निर्माण कार्य कब तक पूरा कर पायेगे?

श्रीमती डा० कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, इसक लिये टैन्डर काल कर लिये गये है। भीघ्र ही काम भुरू हो जायेगा।

चौधरी ई वर सिंहः क्या मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि जहां पर 15–15 और 17–17 किलोमीटर तक कोई अस्पताल या डिस्पैंसरी नही है, वहां पर कोई सब सैंटर खोलने की सरकार की स्कीम है?

श्रीमती डा० कमला वर्माः हां जी। अध्यक्ष महोदय, यह तो कई बार कहा जा चुका है कि लोगां की जरूरत को नजर में रखते हुए वहां पर प्रायेरिटी दी जायेगी।

Trades in the Industrial Training Institutes

***1071. Sh. Devender Sharma:** Will the Minister for Industgries be pleased to state—

(a) Whether there is any trade of Hand-Composing-Cum Proof reading/Printing Machine Operators/Binding in the Industrial Training Institutions In Haryana State; if so, in which I.T.I. and since when;

(b) The number of persons imparted training in the above said trades during the year;

(c) The steps being taken to given publicity to the benefits of the above said trades;

(d) Whether any representation was received from the owners/associations of Printing Press in Haryana State regarding

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

Reservation of posts for Ex-servicemen in Haryana

***941. Ch. Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister be pleased to state—

(a) The quota of posts reserved in class I, II and III posts for ex-servicement in the state of Haryana, at present;

(b) Whether the reserved posts as mentioned in part (a) above have been filled by the ex-servicemen at present; if not, the reasons therefore; and

(c) Whether there is any proposal under consideration of the Government to increase quota in reservation of posts for the ex-servicement in class I, II and III. if so, the time by which it is likely to be increased?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल):

(ए) हरियाणा राज्य में भूतपूर्व सैनिकों क लिए श्रेणी I तथा II पदो/रिक्तियों में 5 प्रति ात तथा श्रेणी III के पदों/रिक्तियेां में 25 प्रति ात आरक्षण किया गया है।

(बी) अद्यतन उपलबध सूचना सदन की मेज पर रखी जाती है। आरक्षित पदों/रिक्तियों के विरूद्ध भूतपूर्व सैनिकों की कम भर्ती का कारण यह है कि वांछित योग्यताएं तथा अनुभव रखने वाले भूतपूर्व सैनिक काफी संख्या में उपलब्ध नही है।

(सी) नही।

विवरणिका

हरियाणा राज्य के कर्मचारियों की कुल संख्या तथा भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों की संख्या देखते हुए विवरणी–31–3–77 की विवरण स्थिति अनुसारः–

कर्मचारियों की श्रेणी	कर्मचारियों की कुल संख्या	भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों की संख्या	भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों की कुल कर्मचारियों के विरूद्ध प्रति ातता
श्रेणी I	875	19	2.2
श्रेणी II	3,231	37	1.1
श्रेणी III	1,17,280	3855	3.3
श्रेणी IV	28,223	1877	6.7

जोड़	1,49,609	5788	3.9

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जो जगह खाली पड़ी है उनकों कब तक भर लिया जाएगा?

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्अर साहब ने बताया है कि जगह खाली पड़ी हुई है लेकिन सफिसेंट ऐक्सीपीरीसेंस और क्वालिफिके ान्ज वाले आदमी नही आ रहे है।

राव वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब वेकेन्सी ऐडवरटाइज होती है और भरी जाती है और सही क्वालिफिके ाज के फौजी नही आते है, क्या मुख्य मंत्री महोदय बतायेगें कि उन रिजर्वड कोटै की वेकेन्सीज को होल्ड ओवर किया जाता है या दूसरी कैटेगरीज से भर ली जाती है?

चौधरी देवी लालः जितनी काबलियत या क्वालिफिके ांज की जरूरत होती है अगर उस क्वालिफिके ांज का आदमी नही मिलता तो वह पोस्ट खाली नही रखी जाती थी और उसकों भर लिया जाता था लकिन 20.08.1978 को एकस सोलजर्ज सेलर्ज एण्ड एयरमैन बोर्ड की मीटिग हुई थी। उस मीटिग हुई थी। उस मीटिग में यह फैसला किया गया था कि ट्रेनिग सैन्टर्ज खोले जाएं जिनमें इस किस्म की ट्रेनिग दी जाए ताकि यह कमी पूरी की जा सकें।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, उसमें तो क्वालिफिके ान कम नही की जा सकती है क्योंकि कुछ इस किस्म की कैटेगरीज है जैसे टाईपिस्ट चाहिए और क्वालिफिके ान कम करें तो काम ठीक से नही हो सकेगा। इसी तरह से वेक्सीनेटर है अगर उसकी क्वालिफिके ान कम कर दें तो टीका ठीक से नही लग पाएगा। इसी तरह से स्टेनों टापिस्ट है। इस किस्म की कमी को दूर करने के लिये हमने उसकी सर्विस खत्म होने से एक साल पहले आन दि जौब प्री रिलीज ट्रेनिग स्कीम तैयार की है जिसमें इस स्कीम की ट्रेनिग दी जाती है ताकि यह कमी पूरी हो सके।

Tubewells in the state

***1035. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Irrigfation and power be pleased to state—

(a) The district wise number of Irrigation tube wells which have been installed by the Government in the State during the period from 4-7-1978 to 31-1-1979;

(b) The total number of tube wells in the State as on 31-1-1979;

(c) the total number of tubewells out of those referred to in part (b) above which are in working order at present; and

(d) The number of irrigation tube wells which are proposed to be installed up to 31-3-1979 in each district and each Assembly Constituency in the State?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह):–

(क) जिला	नलकूपों की संख्या
अम्बाला	14
सिरसा	1
गुडगांव	5
	20
(ख) 2425 नं०	
(ग) 2233 नं०	

(घ) जिला	विधान सभा हल्का	नलकूपों की संख्या
अम्बाला	नारायणगढ़	17
	सढ़ौरा	4
	अम्बाला	3
	बराड़ा	3
गुडगांव	फरीदाबाद	7

	पलवल	3
सिरसा	रोड़ी	30
सिरसा	ऐलनाबाद	12
भिवानी	लोहारू	5
	कुल जोड़	84

डा० बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीयुऐंसी जगाधारी में थोड़ा सा इलाका ऐसा है जहां पर टयूबवैल काफी गहरे लगते है और वहां पर प्राइवेट आदमी और म ीन के ट्यूबवैल नही लगा सकता, बोर नही कर सकता हैं यह कलावाड़ के साथ का इलाका है जहां पर पानी काफी गहरा हैं बाकी तो भगवान की कृपा है। कि अम्बाला जिला में काफी पानी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस इलाकें में एक दो टयूबवैल लगाने की कृपा की जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसकों एग्जामिन करवा लेगे और अगर लगने की सम्भावना होगी तो लगवा देगे।

Transfer of Teachers

***1022. Ch. Ram Krishan:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) Whehter it is a fact that theachers belonging to Safidon constituency have been posted in the schools of District Kurukshetra;

(b) Whehter it is also a fact that Teachers belonging to Sonepat District have been posted in Safidon Consituency; and

(c) If so, whether Government intends to transfer the said teachers to their home District, if not, the reasons therefor?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरानन्द आर्य): अध्यक्ष महोदय, श्री रामकि ान जी का जो सवाल है वह पिछले दिनों जो जे०बी०टी० टीचर्ज की सिलेक्शन हुई है उससे सम्बन्धित हैं उस सिलेक ान में जींद जिले के लिये 236 स्थानों के लिये नाम रिकमैन्ड किये गये थे तो इसलिये सोनीपत के आदमियों को सफीदों में भेजने का सवाल ही पैदा नही होता। आपस में मिल कर म्यूचल ट्रान्सफर की कोई बात हागी तो उस पर विचार कर लिया जाएगा।

चौधरी राम कि ान: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में केवल यह कह कर टाल दिया है कि सवाल ही पैदा नही होता। मै उनके इस जवाब को चैलेन्ज करता हूं कि मेरी कांस्टीचुऐंसी के अन्दर कब भी सोनीपत के 30–35 जे०बी०टी० और बी०एड० टीचर्ज लग हुए है लकिन इन्हांने अपने जवाब में कह दिया है कि कोई नही है। यह गलत कह रहे है यू, ही हाउस को गुमराह कर रहे है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरेा पास जो सूचना थी, वह मैने इस हाउस के सामने रख दी है। अगर आनरेबल मैम्बर के पास कोई ऐसी कोई ि ाकायत हो तो वह मुझे लिखकर भिजवा दें, मै इंकवायरी करवा लूंगा।

श्री अध्यक्षः मै आनरेबल मैम्बर को सुजेस्ट करूंगा कि ऐसा कोई नाम उनके पास हो तो वह लिखकर आनरेबल मिनिस्टर साहब के पास भिजवा देवे, और मुझे पक्की उम्मीद है कि आनरेबल मिनिस्टर उस पर जरूरी कार्यवाही करेगे।

Mr. Speaker: Questio Hour is over.

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, क्या कल इस सवाल पर सप्लीमैन्टरी हो जाएंगी।

Mr. Speaker: कल के लिए, there is not rule to carry over the supplementaries इस सवाल का जवाब आ चुका है।

नियम 45 अे अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

***1004 Ch. Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Home be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to bring the grades of D.S.Ps. at par with H.C.S. Officers?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): उप पुलिस अधीक्षकों के वेतनमाना सं ाोधित करने के लिये प्रस्ताव पर

सरकार द्वारा विचार किया गया था और और निर्णय लिया गया था कि वेतन आयोग की सिफारि ाों की प्रतीक्षा की जाए।

Subsidy of Farmesrs

***1052. Ch. Har Swarup Bura:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to grant subsidy to the Farmers who get their water courses lined; if so, the amount of subsidy proposed to be given to them?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): मोगे के चक के सारे भागीदारों को खालों के पक्क करने के खर्च पर सहायता करने की कोई प्रयोजना नही है किन्तु लघु तथा सीमांतक किसानों को एस०एफ०डी०ए० तथा एम०एफ०ए०एल० वाले खण्डों में तथा इनके इलावा उन खण्डों में जहां एस०एफ०डी०ए० आदि का प्रोग्राम अभी तक लागू नही, वहां सहायता की प्रयोजना है।

भारत सरकार की एस०एफ०डी०ए० तथा एम०एफ०ए०एल० के बिना खण्डों में लघु तथा सीमांतक किसानों से वसूली होने वाले खर्चे का 50 प्रति ात सहायता देने की प्रयोजना है।

जूई उठाना सिंचाई योजना के क्षेत्र में एस०एफ०डी०ए० तथा एम०एफ०ए०एल० से मिलने वाली मदद से अलावा सी०ए०डी०ए० ने 10 खालों पर सारे भागीदारों को वि ोश रूप से

सहायता दी है। भविश्य में यह सहायता केवल लघु तथा सीमांतक किसानों तक ही सीमित रखी जायेगी।

अतारांकित प्र न उत्तर

Country liquor and Indian make Foreign liquor shops

240. Swami Adityavesh: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) The total number of vends of country liquor and Indian made foreign liquor shops at present in the state;

(b) Whether there is any proposal under consideration of the Government to close the Indian made foreign liquor shops in the State; and

(c) If so, the details thereof?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(ए) (i) देसी भाराब की दुकानें	312—13 थोक की दुकानों सहित
(ii) भारत में बनी विदे ाी भाराब (आई०एम०एफ०एल०) की दुकानें	497—45 थोक की दुकानों साहित
(बी तथा सी) वर्श 1979—80 में भारत में बनी विदे ाी भाराब की 40 प्रति ात दुकानों को बन्द करने का निर्णय लिया गया है।	

Allotment of Nazool Land

241. Swami Adityavesh: will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Whether the lease holders of the Nazool for Revenude be pleased to state—

(a) Whether the Nazool land is auctioned by the Government in open auction?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह):

(ए) नजूल भूमियां दो प्रकार की होती है। एक नजूल भूमि (एसचीटिड) तथा दूसरी भूमि (नान–एसचीटिड)। नजूल भूमि (एसचीटिड) लैण्ड (हस्तातरण) नियम, 1956 के अधीन केवल अनुसूचिज जाति तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को अलाट की जाती है। अलाटमैन्ट के सम्बन्ध में इन जातियों के पट्टेदारों को प्राथमिकता दी जाती हैं रिहाय ाी प्लाट खुली बोली द्वारा बेचे जाते है।

(बी) जैसा कि ऊपर (ए) के अधीन बताया जा चुका है। कि नजूल भूमि (एसचीटिड) का नीलामी द्वारा निपटाना नही यिका जाता है। नजूल भूमि (नान–एसचीटिड) का निपटान खुली बोली द्वारा अथवा आपसी बातचीत द्वारा किया जाता है। इन भूमियों को निपटान उप मडल स्तर पर सरकार द्वारा गठित नजूल भूमि

(नान–एसचीटिड) निपटाना कमेटियों की सिफारि ा अनुसार किया जाता है।

Compensation for the construction of Mirka Minor

242. Swami Adityaves: Will the Minister for Irriagation and Power be pleased to state—

(a) Whether the comp-ensation has so far been paid to the farmers in respect of Mirka Minor constructed during the year 1961, in Nuh Tehsil of Distrct Gurgaon; and

(b) If reply to part (a) above be inthe negative, the reasons there for and the timeby which the compensation is likely to be paid?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(अ) मिर्का माईनर से सम्बन्धित भूमि के मुआवजा की आदयगी की स्थिति निम्नलिखित है:–

कुल मुआवजा अदायगी करने वाली रकम 11615–97 रूपये थी जिसमें से जमीदारों को रूपये 88291–91 को अदायगी 25–1–1962 तथा 1–3–1962 को की गई थी बकाया रूपये 2786–06 की रकम भूमि अभिग्रहरण अधिकारी, अम्बाला के हवाले कर दी गई थी ताकि जो भी जमीदार मुआवजा लेने आवे तो उन्हें अदायकी कर दी जाये। इस बकाया रूपये 2786–06 में से भूमि अभिग्रहरण अधिकारी अम्बाला ने रूपये 2400–11 की रकम जमीदारों को अदा कर दी है। अब केवल 385–95 की रा ि ा

बकाया है जोकि जमींदारों को देनी है। जैसे कि भूमि अभिग्रहण अधिकारी रोहतक ने सूचित किया है कि अभी तक जमीदार उपर्युक्त बकाया रकम को लेने नही आए है। यह बकाया रकम भूमि अभिग्रहण अधिकारी ने पलवल खजाना में जमा करवा रखी है और अभी तक वही जमा पड़ी है।

(ब) केवल रूपये 385–95 नाम मात्र रकम है जोकि जमीदारों को अब जब भी वे आएंगे उन्हें अदा कर दी जाएगी।

ध्यानकर्शण सूचनाए

(i) उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों मैं वृद्धि सम्बन्धीः–

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैने कंज्यूमर्ज गुड्ज की जो कीमतें बढ़ी है, उसके बारें मं एक काल अटेन ान मो ान दिया था.....

Mr. Speaker: Hon. Members, I have received a notice of a Call Attention Motion from Sh. Shamsher Singh Surjeala, M.L.A. concerning the rise in prices of certain consumer goods after the presentation of the Central Budget. I have disallowed it on two counts. Firstly, this is a subject matter for the Central Government and, as such, the Lok Sabha is the prover forum for this subject and not the Haryana Vidhan Sabha. Secoundly, Vide Practice and Procedure of Parliamnent by Kaul and Shakdher page 618, the provision of the Finacne Bill relating to the imposition or increase in dutes of custom of excise come into force

immediately on the expiry of the day on which the bills is introduced.

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैने बजट के खिलाफ कोई एतराज नही किया था कजूंमर गुड्ज पर जो बजट के बाद कीमते बढ़ी है उन कीमतों को मेनटेन करने के लिये स्टेट गवर्नमैंट को कुछ कदम उठाने चाहिए।

श्री अध्यक्षः सैन्ट्रल बजट के कुछ आधारों की वजह से प्राईसिज बढ़ी है जो आपने लिखा है। They come into force with immediate effect.

(i) हरियाणा के डाकखानों मे बेनामी जमा रा ियों सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon. Members, I have received a notice of Call Attention Motion from Swami Aditya Vesh, M.L.A. concerning the deposits in benamis in Post Offices in Haryana. I have disallowed the same as it concerns the department of Posts and Telegarph which is a Central Government subject and as such cannot be discussed in the Haryana Vidhan Sabha. Further, a question on this subject has been discussed in the Lok Sabha and, therefore, undoubtedly the Central Government must be seized of the problem.

(iii) टपरीवासियों तथा विमुक्त जातियों को अनुसूचित जन जातियों की सूची में भामिल करने सम्बन्धी।

श्री अध्यक्षः मुझे सर्वश्री अग्निवे ा, आदित्यवे ा, भांकर लाल, गया लाल जगन नाथ, सुमेरचन्द भट्ट तथा श्रीमती सुशमा स्वराज, एम०एल०एज० की तरफ से टपरीवास तथा विमुक्त जााति को ि ाडयूल्ड कास्ट की लिस्ट में से निकाल कर ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज की लिस्ट में भाामिल करने और उनकों कुछ सहूलियतें देने के बारें में एक ध्यान दिलाओं प्रस्ताव का नोटिस मिला है और मै उसकों मन्जूर करता हूं। स्वामी अग्निवे ा जी अपने प्रस्ताव का पढ़ दे और अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के कल्याण सम्बन्धी मंत्री जी अब अपना ब्यान दे सकते है या कुछ समय मांग सकते है।

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, पहले तो आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आप ने मेरा ध्यानाकर्शण प्रस्ताव स्वीकार किया। अध्यक्ष महोदय मैं सदन का ध्यान लोक महत्व के इस आव यक मामले की ओर दिलाना चाहता हूं कि यह हम सबके लिए बहुत खेद की बात है कि विमुक्त जाति, टपरीवास जैसये पिछड़े वर्ग सदियों से पिछड़द्ये हुए चले आ रहे है। इन विमुक्त जातियों का प्रस्ताव नं. 22 सन् 1793 और 1871 के अनुसार विभिन्न कबीलों का नाम देकर जुरायन पे ाा जैसा कठोर कानून लगा दिया गया था और इन जातियों को अपराधी कबीले, नोमेडिक ट्राईब, डिनोटिफाईड ट्राईब सिकलीगर ट्राईब, बाजीगर ट्राईब इत्यादि के नाम से पुकारा गया और इसी प्रकार इन कबीलों

का नाम 31 अगस्त 1952 तक रहा और 31 अगस्त, 1952 तक जुरायन पे ा जैसा कठोर कानून भी लागू रहा।

हरियाणा राज्य में विमुक्त जाति टपरीवास जैसे इतने बड़े वर्ग जिसमें 32 जातियां आती हैं, जैसे सहांसी, बाजीगर, सीकलीगर, कुचबन्दे, नट, डेह भेडकुट, सपेले, बोरिये और सिंगीकार इत्यादि का एक भी एम.एल.ए., एम.पी., आई.ए.एस., आई. पी.एस. तथा एच.सी.एस. अधिकारी नहीं है।

31 अगस्त, 1952 से पहले इन जातियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में रखा हुआ था। परन्तु उसके बाद इन जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में रख दिया गया। जिसका लाभ कुछ एक वि ोश जातियां ही उठा रही है और इन विमुक्त जातियों को हर क्षेत्र में हानि उठानी पड़ रही है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 339(2), 15(4), 16(4) और 46 के अनुसार राज्य सरकारों का विमुक्त जाति जैसे पिछड़े वर्ग को वि ोश सुविधाएं देने का अधिकार हैं। ऊपर लिखित संविधानिक धाराओं और जनता पार्टी के चुनाव घोशणा पत्र और भारत के प्रधान मंत्री व गृह मंत्री के चुनाव घोशणा के अनुसार विमुक्त जातियों जैसे पिछड़े वर्ग को राजनैतिक दिया जाना चाहिए। अतः हरियाणा सरकार से अनुरोध है कि निम्नलिखित मांगों को अविलम्ब पूर्ण करने की कृपा करें:—

(1) राज्य सरकार केन्द्रीय सरकार से सिफारि ा करती है कि टपरीवास तथा विमुक्त जातियों को अनुसूचित जातियों की सूची में से निकाल कर अनुसूचित जनजातियों की सूची में भाामिल किया जाए।

(2) इन जातियों का एक अलग निदे ाालय खोला जाए।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो जगह खाली पड़ी हैं उनको कब तक भर लिया जाएगा ?

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया है कि जगह खाली पड़ी हुई है लेकिन सफिसेंट ऐक्सपीरीयेंस और क्वालिफिके ान्ज वाले आदमी नहीं आ रहे है।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब वेकेन्सी ऐडवरटाइज होती हैं और भरी जाती हैं और सही क्वालिफिके ांज के फौजी नहीं आते हैं, क्या मुख्य मंत्री महोदय बतायेंगे कि उन रिजर्वड कोटे की वेकेन्सीज को होल्ड ओवर किया जाता है या दूसरी कैटेगरीज से भर ली जाती हैं ?

चौधरी देवी लालः जितनी काबलियत या क्वालिफिके ांज की जरूरत होती है अगर उस क्वालिफिके ांज का आदमी नहीं मिलता तो वह पोस्ट खाली नहीं रखी जाती थी और उसको भर लिया जाता था लेकिन 20–8–1978 को एक्स

सोलजर्ज सेलर्ज एण्ड एयरमैन बोर्ड की मीटिंग हुई थी। उस मीटिंग में यह फैसला किया गया था कि ट्रेनिंग सैन्टर्ज खोले जाएं जिनमें इस किस्म की ट्रेनिंग दी जाए ताकि यह कमी पूरी की जा सके।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो क्वालिफिके ांज उन्होंने रखी हैं और उस क्वालिफिके ान्ज के आदमी अगर नहीं मिलते हैं तो क्या क्वालिफिके ान्ज को लिबरल करने की कृपा करेंगे ?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, तो क्वालिफिके ान कम नहीं की जा सकती हैं क्योंकि कुछ इस किस्म की कैटेगरीज हैं जैसे टाईपिस्ट चाहिए और अगर क्वालिफिके ान कम करें तो काम ठीक से नहीं हो सकेगा। इसी तरह से वेक्सीनेटर है अगर उसकी क्वालिफिके ान कम कर दें तो टीका ठीक से नहीं लगा पाएगा। इसी तरह से स्टेनो टाईपिस्ट हैं। इस किस्म की कमी को दूर करने के लिए हमने उसकी सर्विस खत्म होने से एक साल पहले आन दि जॉब प्री रिलीज ट्रेनिंग स्कीम तैयार की है जिसमें इस स्कीम की ट्रेनिंग दी जाती है ताकि यह कमी पूरी हो सके।

Tubewells in the State

***1035. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the district wise number of Irrigation tubewells which have been installed by the Government in the State during the period from 4-7-1978 to 31-1-1979;

(b) the total number of tubewells in the State as on 31-1-1979;

(c) the total number of tube wells out of those referred to in part (b) above which are in working order at present; and

(d) the number of irrigation tube wells which are proposed to be installed upto 31-3-1979 in each district and each Assembly Constituency in the State?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क)

जिला	नलकूपों की संख्या
अम्बाला	14
सिरसा	1
गुडगांव	5
कुल जोड़	20

(ख) 2425 नं.

(ग) 2233 नं.

(घ)

जिला	विधान सभा हल्का	नलकूपों की संख्या
अम्बाला	नारायणगढ़	17
	सढ़ौरा	4
	अम्बाला	3
	बराड़ा	3
गुड़गांव	फरीदाबाद	7
	पलवल	3
सिरसा	रोड़ी	30
सिरसा	ऐलनाबाद	12
भिवानी	लोहारू	5
	कुल जोड़	84

डा. बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीचुऐंसी जगाधरी में थोड़ा सा इलाका ऐसा है जहां पर ट्यूबवैल काफी गहरे लगते हैं और वहां पर प्राईवेट आदमी बगैर म ीन के ट्यूबवैल नहीं लगा सकता, बोर नहीं कर सकता है। यह कलावड़ के साथ का इलाका है जहां पर पानी काफी गहरा है बाकी तो

भगवान की कृपा है कि अम्बाला जिला में काफी पानी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस इलाके में एक दो ट्यूबवैल लगाने की कृपा की जाएगी ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसको एग्जामिन करवा लेंगे और अगर लगने की सम्भावना होगी तो लगवा देंगे।

Transfer to Teachers

***1022. Chaudhri Ram Kishan:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that teachers belonging to Safidon Constituency have been posted in the Schools of District Kurukshetra;

(b) whether it is also a fact that Teachers belonging to Sonepat District have been posted in Safidon Constituency; and

(c) if so, whether Government intends to transfer the said teachers to their home District, if not, the reasons therefore?

ि ाक्षा मंत्री(श्री हीरानंद आर्य): अध्यक्ष महोदय, श्री रामकि ान जी का जो सवाल है वह पिछले दिनों जो जे0बी0टी0 टीचर्ज की सिलेक ान हुई है उससे संबंधित है। उस सिलेक ान में जींद जिले के लिये 236 स्थानों के लिये नाम रिकमैंड किये

गये थे लेकिन रिक्त स्थान नहीं थे जिसके कारण 189 नाम कुरूक्षेत्र के लिये रिकमैंड किये गये थे तो इसलिये सोनीपत के आदमियों को सफीदों में भेजने का सवाल ही पैदा नहीं होता। आपस में मिल कर म्यूचल ट्रांसफर की कोई बात होगी तो उस पर विचार कर लिया जाएगा।

चौधरी राम कि ानः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में केवल यह कह कर टाल दिया है कि सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं उनके इस जवाब को चैलेन्ज करता हूं कि मेरी कास्टीच्युएंसी के अन्दर अब भी सोनीपत के 30–35 जे0बी0टी0 और बी0एड0 टीचर्ज लगे हुए है, लेकिन इन्होंने अपने जवाब में कह दिया है कि कोई नहीं है। यह गलत कह कर यूं ही हाउस को गुमराह कर रहैं है।

श्री हीरा नंद आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जो सूचना थी, वह मैंने इस हाउस के सामने रख दी है। अगर आनरेबल मैम्बर के पास कोई ऐसी ि ाकायत हो तो वह मुझे लिखकर भिजवा दें, मैं इंक्वायरी करवा लूंगा।

श्री अध्यक्षः मैं आनरेबल मैम्बर को सुजैस्ट करूंगा कि ऐसा कोई नाम उनके पास हो तो वह लिखकर आनरेबल मिनिस्टर साहब के पास भिजवा देंवे, और मुझे पक्की उम्मीद है कि आनरेबल मिनिस्टर उस पर जरूरी कार्यवाही करेंगे।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, क्या कल इस सवाल पर सप्लीमैंटरी हो जाएगी।

Mr. Speaker: कल के लिये, there is no rule to carry over the supplementaries. इस सवाल का जवाब आ चुका है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Grades of D.S.Ps.

***1052. Chaudhri Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Home be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to bring the grades of D.S.Ps. at par with H.C.S. Officers?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(श्री वीरेंद्र सिंह): उप पुलिस अधिक्षकों के वेतनमान सं ाोधित करने के लिये प्रस्ताव पर सरकार द्वारा विचार किया गया था और निर्णय लिया गया था कि वेतन आयोग की सिफारि ाों की प्रतीक्षा की जाएं।

Subsidy to Farmers

***1052. Chaudhri Har Swarup Bura:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to grant subsidy to the Farmers who get their water courses lined; if so, the amount of subsidy proposed to be given to them?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(श्री वीरेंद्र सिंह): मोगे के चक के सारे भागीदारों को खालों के पक्का करने के खर्च पर सहायता करने की कोई प्रयोजना नहीं है किन्तु लघु तथा सीमांतक किसानों को एस0एफ0डी0ए0 तथा एम0एफ0 वाले खंडों में तथा इनके इलावा उन खंडों में जहां एस0एफ0डी0ए0 आदि का प्रोग्राम अभी तक लागू नहीं, वहां हायता की प्रयोजना है।

भारत सरकार की एस0एफ0डी0ए0 तथा एम0एफ0ए0एल0 के बिना खंडों में लघु तथा सीमांतक किसानों से वसूली होने वाले खर्चे का 50 प्रति ात सहायता देने की प्रयोजना है।

जूई उठान सिंचाई योजना के क्षेत्र में एस0एफ0डी0ए0 तथा एम0एफ0ए0एल0 से मिलने वाली मदद के अलावा सी0ए0डी0ए0 ने 10 खालों पर सारे भागीदारों को वि ोश रूप से सहायता दी है। भविश्य में यह सहायता केवल लघु तथा सीमांतक किसानों तक ही सीमित रखी जायेगी।

अंतारांकित प्र न एवं उत्तर

Country liquor and Indian made Foreign liquor Shops

240. Swami Adityavesh: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) the total number of vends of country liquor and Indian made foreign liquor shops at present in the State;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to close the Indian made foreign liquor shops in the State; and

(c) if so, the details thereof?

आबकारी तथा कराधान मंत्री(चौधरी भोर सिंह):

(ए) (I)	देसी भाराब की दुकानें	312–13 थोक की दुकानों सहित
(II)	भारत में बनी विदे ी भाराब (आई0एम0एफ0एल0) की दुकाने	497–45 थोक की दुकानों सहित

(बी तथा सी) वर्श 1979–80 में बनी विदे ी भाराब की 40 प्रति ात दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

Allotment of Nazool Land

241. Swami Adityavesh: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether the lease holders of the Nazool land only are entitled to its allotment or it can be allotted to other persons also; and

(b) whether the Nazool land is auctioned by the Government in open auction?

राजस्व मंत्री(श्री प्रीत सिंह):

(ए) नजूल भूमियां दो प्रकार की होती है। एक नजूल भूमि (एसचीटिड) तथा दूसरी भूमि (नान–एसचीटिड)। नजूल भूमि (एसचीटिड) नजूल लैंड (हसतांतरण) नियम, 1956 के अधीन केवल अनुसूचित जाति तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को अलाट की जाती है। अलाटमैंट के संबंध में इन जातियों के पट्टेदारों को प्राथमिकता दी जाती है। रिहाय ाी प्लाट खुली बोली द्वारा बेचे जाते है।

(बी) जैसा कि ऊपर (ए) के अधीन बताया जा चुका है कि नजूल भूमि (एसचीटिड) का नीलामी द्वारा निपटान नहीं किया जाता है। नजूल भूमि (नान–एसचीटिड) का निपटान खुली बोली द्वारा अथवा आपसी बातचीत द्वारा किया जाता है। इन भूमियों का निपटान उप मंडल स्तर पर सरकार द्वारा गठित नजूल भूमि (नान–एसचीटिड) निपटान इन कमेटियों की सिफारि ा अनुसार किया जाता है।

Comepensation for the construction of Mirks Minor

242. Swami Adityavesh: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether the compensation has so far been paid to the farmers in respect of Mirka Minor constructed during the year 1961, in Nuh Tehsil of District Gurgaon; and

(b) if reply to part (a) above be in the negative, the reason therefor and the time by which the compensation is likley to be paid?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(श्री वीरेंद्र सिंह):

(अ) मिर्का माईनर से संबंधित भूमि के मुआवजा की अदायगी की स्थिति निम्नलिखित है:–

कुल मुआवजा अदायगी करने वाली रकम 11615–97 रूपये थी जिसमें से जमींदारों को रूपये 8829–91 को अदायगी 25–1–1962 तथा 1–3–1962 को की गई थी बकाया रूपये 2786–06 की रकम भूमि अधिग्रहण अधिकारी अम्बाला के हवाले कर दी गई थी ताकि जो भी जमींदार मुआवजा लेने आवे तो उन्हें अदायगी कर दी जाये। इस बकाया रूपये 2786–06 में से भूमि अभिग्रहण अधिकारी अम्बाला ने रूपये 2400–11 की रकम जमींदारों को अदा कर दी है। अब केवल रूपये 385–95 की रा ि ा बकाया है जोकि जमींदारों को देनी है। जैसे कि भूमि अभिग्रहण अधिकारी रोहतक ने सूचित किया है कि अभी तक जमींदार उपर्युक्त बकाया रकम को लेने नहीं आए है। यह बकाया रकम भूमि अभिग्रहण अधिकारी ने पलवल खजाना में जमा करवा रखी है और अभी तक वही जमा पड़ी है।

(अ) केवल रूपये 385–95 नाम मात्र रकम है जोकि जमीदारों को जब भी वे आएंगे उन्हें अदा कर दी जाएगी।

ध्यानाकर्शण सूचनाएं

1. उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि सम्बन्धीः–

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैंने कंज्यूमर्ज गुड्ज की जो कीमतें बढ़ी हैं, उसके बारे में एक काल अटेन् ान मो ान दिया था .....

15.00 बजे

Mr. Speaker: Hon. Member, I have received a notice of a Call Attention Motion from Sh. Shamsher Singh Surjewala, M.L.A. concerning the rise in prices of certain consumer goods after the presentation of the Central Budget. I have disallowed it on two counts. Firstly, this is a subject matte for the Central Government and, as such, teh Lok Sabha is the proper, forum for this subject and not the Haryana Vidhan Sabha. Secondly, vide Practice and Procedure of Parliament by Kaul and Shakdher page 618, the provision of the Finance Bill relating to the imposition or increase in duties of custom or excise come into force immediately on the expiry of the day on which the Bill is introduced.

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैंने बजट के खिलाफ कोई एतराज नहीं किया था कज़ूमर गुड्ज पर जो बजट के बाद कीमतें बढ़ी है उन कीमतों को मेनटेन करने के लिए स्टेट गवर्नमैंट को कुछ कदम उठाने चाहिएं।

श्री अध्यक्षः सैन्ट्रल बजट के कुछ आधारों की वजह से प्राईसिज बढ़ी है जो आपने लिखा है। They come into force with immediate effect.

(ii) **हरियाणा डाकखानों में बेनामी जमा राि ायों सम्बन्धी**

Mr. Speaker: Hon. Members, I have received a notice of Call Attention Motion from Swami Aditya Vesh, M.L.A. conncerning the deposits in benamis in Post offices in Haryana. I have disallowed the same as it concerns the department of Posts and Telegraph which is a Central Government subject and as such cannot be discussed in the Haryana Vidhan Sabha. Further, a question on this subject had been discussed in the Lok Sabha and, therefore, undoubtedly the Central Government must be seized of the problem.

(iii) **टपरीवासियों तथा विमुक्त जातियों को अनुसूचित जन जातियों की सूची में भाामिल करने सम्बन्धी।**

श्री अध्यक्षः मुझे सर्वश्री अग्निवे ा, आदित्यवे ा, भांकर लाल, गया लाल जगन नाथ, सुमेरचन्द भट्ट तथा श्रीमति सुशमा स्वराज, एम.एल.एज. की तरफ से टपरीवास तथा विमुक्त जाति को ि ाड्यूल्ड कास्ट की लिस्ट में से निकाल कर ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज की लिस्ट में भाामिल करने और उनको कुछ सहूलियतें देने के बारे में एक ध्यान दिलाओं प्रस्ताव का नोटिस मिला है और मैं उसको मन्जूर करता हूं। स्वामी अग्निवे ा जी अपने प्रस्ताव को

पढ़ दें और अनुसूचित जाति और पिछड़ी जातियों के कल्याण सम्बन्धी मंत्री जी अब अपना ब्यान दे सकते हैं या कुछ समय मांग सकते हैं।

स्वामी अग्निवे ा: अध्यक्ष महोदय, पहले तो आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मेरा ध्यानाकर्शण प्रस्ताव स्वीकार किया। अध्यक्ष महोदय मैं सदन का ध्यान लोक महत्व के इस आव यक मामले की ओर दिलाना चाहता हूं कि यह हम सबके लिए बहुत खेद की बात है कि विमुक्त जाति, टपरीवास जैसे पिछड़े वर्ग सदियों से पिछड़े हुए चले आ रहे हैं। इन विमुक्त जातियों का प्रस्ताव नं. 22 सन् 1793 और 1871 के अनुसार विभिन्न कबीलों का नाम देकर जुरायन पे ाा जैसा कठोर कानून लगा दिया गया था और इन जातियों को अपनाधी कबीले, नोमेडिक ट्राईब, बाजीगर, ट्राईब इत्यादि के नाम से पुकारा गया और इसी प्रकार इन कगीलों का नाम 31 अगस्त 1952 तक रहा और 31 अगस्त , 1952 तक जुरायन पे ाा जैसा कठोर कानून भी लागू रहा।

हरियाणा राजय में विमुक्त जाति टपरीवास जैसे इतने बड़े वर्ग सिमें 32 जातियां आती है जैसे सहांसी,, बाजीगर, सीकलीगर, कुचबन्दे, नट, डेह भेडकुट, सपेले, बोरिये और सिंगीकार इत्यादि का एक भी एम0एल0ए0 एम0पी0 , आई0ए0एस0, आई0पी0एस0 तथा एच0सी0एस0 अधिकारी नहीं है।

31 अगस्त 1952 `स पहले इन जातियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में रखा हुआ था। परन्तु उसके बाद इन जातियो को अनुसूचित जाति की सूची में रख दिया गया। जिसका लाभ कुछ एक वि ाश जातियाही उठा रही है। और इन विमुक्त जातियों को हर क्षेत्र में हानि उठानी पड रही है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 339(2), 15(4), 16(4) और 46 के अनुसार राज्य सरकारो का विमुक्त जाति जैसे पिछडे वर्ग को वि ोश सुवधिायें देने का अधिकार है। उपरलिखित संविधानिक धाराओं ओर जनता पार्टी के चुनाव घोशणा–पत्र और भारत के प्रधान मंत्री व गृह मंत्री के चुनाव घोशणा के अनुसार विमुक्त जातियो जैसे पिछडे वर्ग को राजनैतिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिये। अतः हरियाणा सरकार से अनुरोध है कि निम्नलिखित मांगो को अविलम्ब पूर्ण करने की कृपा करे।

(1) राज्य सरकार केन्द्रीय सरकार से सिफारि ा करती है कि टपरीवास तथा विमुक्त जातियों को अनुसूचित जातियों की सूची में से निकाल कर अनुसूचित जनजातियों की सूची मे ाामिल किया जाये।

(2) इन जातियों का एक अलग निदे ाालय खोला जाए।

पकड़ लेगें दूध कभी पकड़ा नहीं जाता और बाद में गाय भी गई और बछडा भी गया। चौधरी देवी लाल जी ने 40

केलोमीटर का रकबा दिल्ली के आस–पास निर्धारित कर दिया और अच्छे किस्म के बीज, सबसिडी सब्जियों के लिये , मुर्गीपालन के लिये और डेरी डिवैल्पमेंट के लिये सरकार जो हैल्प देगी उससे दूध अधिक उत्पन्न होगा। यह चीज राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में कही है।

अध्यक्ष महोदय, पहली बार इस दे ा में जो सबसे अच्छा काम हुआ है वह है खेलकूद के मैदान में प्राथमिकता लेना। खेालकूद के मैदान मे हरियाणा इस दे ा मे अग्रणी रहा है और जब देश में एि ायाई टूर्नामेंट में हरियाणा प्रथम रहा तो उनको प्राइज देने के लिये 57 हजार रूपये की रा ि ा अनुदान के रूप मे दी गई और हर ब्लाक में दो खेलकूद के सैन्टर खोलने का फैसला किया गया है ताकि हरियाणा के बच्चों का भविश्य निःसन्देह सराहनीय बन सके। अध्यक्ष महोदय, मैं एक छोटा सा सुझाव दूंगा कि एग्रीकल्चरल प्रोडयूस की कम्पलसरी इन् ाोरेसं की जाये। किसन की फसल खलियान में पडी रहती है उसकी कम्पलसरी इन् ाोरेंस कर दी जाये। सोहना में इस साल बड़ी अच्छी फसल थी लेकिन बाई चांस कल भााम को इतना ओला पडा कि 80 प्रति ात फसल का लौस किसान को हो गया। इसलिये सरकार से मेरी प्रार्थना है कि किसान को राहत पहूंचानें के लिये सरकार पूरा जोर लगा दे औरइसके साथ ही साथ किससान की फसल की कम्पलसरी इन् ाोरेंस भी जरूर कर दी जाए।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि सरकार की 195 करोड रूपया ग्रामीण विकास पर खर्च कयरने की योजना हैं इसमें मेरा एक छोटा सा सुझाव है कि हर एक गांव में लैटरिन की बड़ी दिक्कत आती है खासतोर पर बरसात के दिनों मै भाौचालय की बडी दिक्कत होती है और वि ोशतौर पर बहनोंको ज्यादा कठिनाई का सामना करनार पडता हैं आज के युग में जहां हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है, गोबर गैस प्लांट के लिये कर्जा दे रहे है सबसिडी दे रहे है इसी प्रकार बनवाने के लिये एक वि ोश रा ि। निर्धारित की जानी चाहिये और हर ब्लाक को आदे ा जारी किये जायें कि ज्यादा रूपया लैटरिन बनाने पर खर्च किया जाये। अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी का प्रबन्ध करने के लिये सरकार ने वचन दिया है कि पांच साल के अन्दर हरियाणा में जितनले गांव है, उन सब को पीने का पानी दिया जाएगा। यह बक बहुत बडा काम होगा। अध्यक्ष महोदय, बुद्धिजीवी वर्ग, जो फिफथ एस्टेट कहलाता है, इस वर्ग से मै निवेदन करूंगा कि सरकार की जो उपलब्धियौं है और जो नई योजनाये है उनको प्रैस मेंविस्तारपूर्वक दिया जाये ताकि गरीब जनता उसका पूरा फायदा उठा सके। ये लोग जो बुद्धिजीवी है, भारत के बदलते हुये नक ो को बनाने में अपना हाथ बटायें। जनता सरकार की जो उपलब्धियों है।, जैसे सरकार ने कोटा परमिट को समाप्त किया। कोटा परमिट के तहत पहले हम एक जगह से दूसरी जगह चावल नही ले जा सकते थे, गेहूं नहीं ले जा सकते थे , लेकिन आज कोटा परमिट खत्म करने से आप ट्रक भर कर जहां मर्जी चाहें, कोचीन तक ले जा सकते कोई

रोकने वाला नहीं है। सरकार ने कोटा परमिट खत्म किया, सवा छः एकड़ तक जमीन पर मालिया खत्म किया। गांव में जाकर आप देखे। कितने छोटे–छोटे जमीदार है और अगर उनसे जाकर पूछे तो कि कितने छोटे जमीदार है तो 80 परसैंट लेाग अपना हाथ खडा करते है। इन 80 परसैंट लोगों के लिये सवा छः एकड़ पर मालिया माफ, टोकन टेक्स जो ट्रैक्टर पर लगता था वह माफ कर दिया गया है ओर खाद की कीमत कम , तेल की कीमतें कम कर दी गयी है। हम पहले 12–13 रूपये किलो तेल खरीदा करते थे, अब 9 रूपये किलो मिल रहा है.....

श्री अध्यक्षः आप वाइंड–अप करे।

कंवर विजय पाल सिंहः अभी खत्म कर रहा हूं जी। इसी प्रकार से जबरदस्ती नसबन्दी करना भी बन्द कर दिया गया है, गवर्नर साहब के अभिभाशण के मुताबिक नसबन्दी स्वेच्छा से की जाएगी, फैमिली पलांनिग स्वेच्छा से की जाएगी। इसी तकरह बिजली पर फलैट रेट लागू करना सटूडैंटस के लिये बसों में चलने की अधिक सुविधा प्रदान करने का काम और इसी प्रकार केक कई अन्य सराहनीय काम इस जनता सरकार ने किये है।

श्री भाम ोर सिंह (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा का आज तीसरा और अन्तिम दिन है। अभिभाशण के पैरा न0 4 में लिखा हुआ है कि सरकार द्वारा आर्थिक व्यवस्था के ढांचे कोमजबूत करने के लिये अधिक बिजली

पैदा करना, देहातों में सडको का निर्माण करना और यातायात के साधनों को सुदृढ़ करने का खास तौर पर जिक्र किया गया है। स्पीकर साहब,पैरा न0 4 में इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की जा`बात कही गई है उसके सम्बन्ध मे आपके द्वारा इस सदन को यह बात याद दिलाना चाहता हूं कि जनाता पार्टी की सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर क्या बनायेगी,यह तो पहले ही बना हुआ है ं। अध्यक्ष महोदय, आज से सात आठ साल पहले, जब हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल थे, हरियाणा में कांग्रेस पार्टी का राज था, उसने न सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर ले किया था ?बल्कि इकोनामी को भी टेक–आफ कर यिलाथा, लेकिन आज जनता सरकारने उसको कै ा लैण्ड कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आकंडे देकर यह बात साबित करता हूं। इस अभिभाशण में दिय गये आकंडे इल्लयूजनरी है,भ्रामक है। दरअसल हरियाणा कीापोजी ान कांग्रेस राज मेा क्या थी, यह आपके सामने आंकडे देकर रखना चाहताहूं। अध्यक्ष महोदय, 1071 की सैसिंज के मुताबिक हरियाणा में 6731 गांव थे । 1971 में कांग्रेस सरकार ने सैन्ट परसैंट गांवो को बिजली दी, सारे गांवो को इलैक्ट्रिफाई किया। (इस समय श्री उपाध्यख पदासीन हुये) इसके साथ ही साथ उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 1971, में टोटल इलैट्रिसिटी लोड एग्रीकल्चर सेकटर में 45 परसैंट था जो सारे हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादाथा, इस क्षेत्र में हरियाणा पहले नम्बर पर आता था। इसक`बाद मैं सडको की बात करूं तो डिप्टी स्पीकर साहब, 1975 तक 73 परसैंट गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ दिया गया था, इसके मुकाबले में जब 1 नवम्बर, 1966 में

हरियाणा बना था, उस वक्त केवल 5100 किलोमीटर पक्की सडके थी और 1386 गावेां की सडकों से जोड़ा गया था जो कुल गांवों का 20 परसैट बनता है। काग्रेस सरकार ने 31 मार्च, 1979 तक 9800 किलोंमीटर सड़के हरियाणा में बनाई और 4890 गांवों को सड़कों से जोड़ा गया जों कुल गांवों का 73 परसैंट बनता है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ में हरियाणा में बस–सर्विस का जिक्र भी करना चाहता हूं। मार्च, 1975 में बसों की तादाद 2000 थी और हिन्दूस्तान के प्लानिग कमी ान की एक रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा की बस सेवा सारे हिन्दुस्तान के मुकाबले में पहले नम्बर पर थी, सबसे ज्यादा कामयाब थी, हरियाणा की इस बात का श्रेय दिया था। इसके साथ ही साथ में आपकों यह बता देंता हूं कि जिस वक्त हरियाणा बना था, उस वक्त पर–कैपिटा इन्कम के लिहाज से हरियाणा हिन्दुस्तान में 11 वा नम्बर की स्टेट थी, लेकिन जब कांग्रेस पार्टी ने राज छोड़ा उस वक्त हरियाणा का नम्बर, पर–कैपिटा इन्कम के लिहाज से दूसरे नम्बर पर था और आज भी हरियाणा दूसरो नम्बर की स्टेट है। उपाध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से इस बारें में कुछ नही कहना चाहूंगा। सारे हरियाणा के लोग बसों या रेलों में सफर करते हुए या गांव में हुक्के के ऊपर जो बात कहते है वही मै आपके सामने अर्ज करना चाहता हूं। लोग आज कहते है कि कांग्रेस सरकार ने जो सड़कें बनाई थी जनता पार्टी की सरकार उगर उनकों ठेगली भी लगा दें तो इसकी मेहरबानी है। इसी तरह से वह कहे हैं कि कांग्रेस सरकार द्वारा बिछाई गई बिजली की तारों में से टूटी हुई तारों

को भी यदि जनता पार्टी की सरकार जोड़ दे ाते इनकी मेहरबानी है। यही नही, वे यह भी कहते है कि कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए हस्पताल आदि के भवनों, रैस्ट हाउसिज और टूरिज्म वगैरा के भवनों में अगर यह सरकार सफेदी भी करवा दे तो इनकी बहुत मेहरबानी है।

स्वामी अग्निवे ा: उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। यह जो अभी कहा जा रहा है कि जनता ऐसा कहती है या वैसा कहती है यह गलत बात है। जनता तो यह कहती है कि बंसी लाल ने जो कुछ किया है उसके लिये यदि देवी लाल जी उनकों जेल में ठोक दे बड़ी मेहरबानी होगी। (ाोर)

श्री भाम ोर सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, स्वामी जी की कौनसी बात पर यकीन किया जाए। कांग्रेस राज में तो स्वामी जी चौधरी बंसी लाल जी को कृश्ण का अवतार बताते थे और बीस सूत्री कार्यक्रम को गीता का उपदे ा बताते थे लेकिन आज चौधरी देवी लाल जी को खु ा करने के लिये ये ऐसी बातें करते है पता नही इनकी कौनसी बात ठीक है?

स्वामी अग्निवे ा: यह बिल्कुल गलत बात है। मै इसकों प्रिवलेज कमेटी में ल जाऊंगा। मैने कभी यदि इस प्रकार की बात कही हो तो मेरे खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है और यदि इनकी बात गलत हो तो इनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। (विध्न एवं भाोर)

चौधरी वीरेन्द्र सिहः मै इस बात का गवा हूं। जिस मीटिंग में आपने यह कहा था वहा मै भी था।

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर के इस अभिभाशण में अनाज की पैदावार का हरियाणा के गांव का और किसान का बहुत बढ़ चढ़ कर जिक्र किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन का कोई भी सदस्य यह नही चाहता कि किसान की हालत अच्छी न हो, गांव की हालत अच्छी न हो लेकिन असलियत जो है वह इसके उलट हैं उपाध्यक्ष महोदय, आंकड़ों के द्वारा मै यह बात सिद्ध कर सकता हू। 1966–67 में हरियाणा में अनाज को पैदावार 25 लाख टन थी लेकिन कांग्रेस राज आने के बाद 1970–71 में यह बढ़ कर 48 लाख टन हो गई और जब कांग्रेस ने सत्ता छोड़ी 1976–77 में उस वक्त यहां अनाज की पैदावार 52 लाख 50 हजार टन हो गई थी। हरियाणा सरकार के एग्रीकल्चर डिपार्टमैट के इस पैम्फपैट के अनुसार 1977–78 में यह पैदावार 53 लाख 61 हजार टन बताई है। मै सदन को यह बताना चाहता हूं कि जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद लगभग एक लाख टन अनाज की पैदावार बढ़ी हैं उपाध्यक्ष महोदय, पैदावार की इस बढ़ौतरी की औसत पर अगर हम नजर डाले तो पिछले दस साल में यह सबसे कम पैदावार बनती हैं उपाध्यक्ष महोदय, सिर्फ अनाज की अधिक पैदावार का सवाल नही है, सवाल इस बात का है कि जो अन्न पैदा करते है उनको इसकी तिनी कीमत मिलती है। कांग्रेस राज में आप जानते है गन्ने को 14 रूपये से

लेकर 16 रूपये क्विटल तक मिल खरीदती थी और क्रै ार्ज आठ रूपये में दस रूपये क्विटल तक खरीदते थे। इसी तरह से गुड़ की कीमत 250 रूपये क्विटल, सरसों की कीमत 450 रूप्ये क्टिटल, बाजरें की कीमत 125 रूपये क्विटल, कोटन 500 रूपये क्विटल और आलू का भाव 60 रूपये प्रति बैग था। लेकिन आज जनता पार्टी के राज में क्या हुआ? इसमें कोई भाक नही कि हरियाणा सरकार ने मिलों के लिये गन्ने का भाव साढ़े बारह रूपये क्विटल मुकर्रर किया हैं लेकिन मिलों का एरिया 10 परसैन्ट से ज्यादा नही है। 80 परसैन्ट एरिया में तो क्रै ार्ज है। उनके बारें में अभी मेरी बहिन भाान्ति राठी जी ने बताया कि उस एरिया में तो दो या तीन रूपये से ज्यादा कीमत किसान को नही मिलती। मिलों की हालत भी आप देख लीजिए। 20 फरवरी तक यमुनानगर की सरस्वती मिल ने नौ रूपये और दस रूपये प्रति क्विटल के हिसाब से गन्ना खरीदा है, बारह रूपये और साढ़े बारह रूपये क्विटल के हिसाब से उसने गन्ना नही खरीदा उसके बाद भी और आज भी जमनानगर मिल दस रूपये से ज्यादा भाव किसान को नही दे रही हैं इसकी वजह से आज सारे हरियाणा में गन्ना पैदा करने वाले किसान की हालत बड़ी खराब हैं दूसरी चीजों को भी यही हाल हैं आज गुड़ का भाव 60 रूपये और 70 रूपये क्विटल हैं बाजरा 60 रूपये क्विटल से फालतू नही हैं अब उपाध्यक्ष महोदय, मै केवल हरियाणा की नही नही बल्कि सारे हिन्दूस्तान की बात करता हूं क्योंकि हरियाणा अलाहिदा आंकड़े उपलब्ध नही है। सारे हिन्दुस्तान में 70 लाख गांठ कपास की पैदा होती है। एक गांठ में

170 किलों कपास होती है। कपास का पहले 500 रूपये प्रति क्विटल भाव था लेकिन आज भाव 250 रूपये क्विटल हैं लगभग 250 रूपये क्विटल का फर्क है। अगर हम किसान को मिली इस घट कीमत का हिसाब लगाएं तो 3 अरब 97 करोड़ रूपये का लौस हिन्दुस्तान के किसान को जनता पार्टी की सरकार के राज में हुआ है, जिसमें हरियाणा पंजाब और यू०पी० का ज्यादातर एरिया भाामिल है। इतना घाट अकेली कपास में हुआ हैं इसी तरह अरबों का नुक्सान गुड और गन्ने में हरियाणा और पंजाब के किसानों को हुआ हैं उपाध्यक्ष महोदय, मै गन्दम और जीरी की भी बत करना चाहता हूं डेढ–दो साल पहले गन्दम का भाव 112 रूपये 50 पैसे क्विटल मुकर्रर किया गया लेकिन रिकार्ड की बात है कि 108 रूपये क्विटल से ज्यादा गन्दम का भाव किसान को नही मिला। मेरे पास अखबारों की कटिग्ज है। जिनके मुताबिक हरियाणा की गन्दम पंजाब की मंडियों में बिकती रही क्योंकि वहां 112 रूपये 50 पैसे क्विंटल का भाव किसान को मिलता था। जीरी का भाव 85 रूप्ये क्विटल सरकार ने मुकरर्र किया था लकिन 70 रूपये क्विटल से फालतू का भाव हरियाणा के किसान को नही मिला। दो दो हफ्तों तक लोग जीरी लेकर मंडियों में पड़े रहते थे। इसमें पिलफ्रेज जो हुई उसका कोई हिसाब किताब ही नही है। उपाध्यक्ष महोदय, यही बस नही पिछले नवम्बर–दिसम्बर में जब गन्दम की बिजाई का वक्त था तो हरियाणा के किसान को 1 रूपये 40 पैसे लीटर वाला डीजल दो रूपये से लेकर दो रूपये पच्चास पैसे प्रति लीटर ब्लैक में खरीदना पड़ा। यह भी तब जब 15 दिन

तक उसका ट्रैक्टर और आदमी पैट्रोल पम्प पर बैठा रहा। उपाध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें होने के बावजूद भी यह सरकार हरियाणा के किसान का हमदर्द होने का दावा करती है जबकि सचाई यह है कि इस सरकार के राज में बहुत माली नुकसान किसान को हुआ।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके बाद मै रूरल इंडस्ट्रिययलाइजे ान के बारें में, जिसकी बड़ी भारी चर्चा है, कहना चाहता हूं। ये कितने झूठे आंकड़े है और कितनी बोगस बात है। उपाध्यक्ष्पा महोदय, इसी ऐड्रैस में आंकड़े दिये गये हैं इस चालू साल में 330 यूनिटस खोलने का सरकार का लक्ष्य है। एक यूनिट को चार आदमी इकट्ठे मिल कर चालू कर सकते है। इस तरह कुल 1320 आदमियों को रोजगार मिल सकता है। अगले पांच सालों में 1900 ऐसी यूनिटस खोलने का सरकार का विचार है। 1900 यूनिट्स अगर सरकार लगाती है तो केवल साढ़े सात हजार व्यक्तियों को रोजगार मिल सकता है लेकिन जो सरकार ने आंकड़े दिये है उनके अनुसार डेढ़ लाख बेंरोजगार मौजूद है।

श्री उपाध्यक्षः आपकों बोलते हुए 33 मिनट हो गये है इसलिए आप वाइंड–अप करे।

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अीाी तो मुझे तीन मिनट भी नही हुए है मुझे वाइंड–अप करने के लिये भी तो टाईम चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय मै आप के जरिए हाउस क नोटिस में लाना चाहता हूं कि हरियाणा में सन् 1978 में मैन डेज लोस्ट की

तादाद 470189 है जो स्ट्राईक की वजह से हुई है और लोंक आउट के कारण 1,13,534 मैन डेज लोस्ट हुए है। हरियाणा इन आंकड़ो ंके हिसाब से हिन्दुस्तान में दूसरे नम्बर पर है। हरियाणा के अन्दर लेवरर्ज में भी बड़ा अन–रैस्ट रहा है। डालमिया दादरी फैक्टरी, हिसार टैक्सटाइल मिल्ज, जिन्दल पाईप फैक्टरी हिसार, एटलस फैक्टरी सोनीपत, एच०एम०टी० मैटल वर्क्स जगाधरी के मजदूरों में बड़ा भारी अन–रैस्ट रहा हैं इसी तरही से फरीदाबाद मे ंभी मजदूरों ने हड़ताल की हैं उन लोगों की नौकरिया छीनी गई, हरियाणा सरकार ने मिल मालिकों से मिल कर पुलिस से रिप्रे ान करवाया, कई जगहों पर गोलिया चलाई गई, मजदूरों पर झुठे मुकदमें बनाये गये। इस सरकार के आने के बाद मजदूरों में आंतक फैला हुआ है और सारे हरियाणा में त दूद का वातावरण बना हुआ है।

उपाध्यक्ष महोदय, मै आप के जरिए हाउस को यह भी बताना चाहता हूं कि हरियाणा के गवर्नमैंट मुलाजमों की आज क्या हालत है? पिछले दिनों स्कूल टीचर्ज, कालेज टीचर्ज हैल्थ वरकर्ज, तीसरी और चौथी श्रेणी के छोटे कर्मचारी, बिजली बोर्ड के कर्मचारी, लैन्ड मार्गेज बैंक और एग्रो इन्डस्ट्रीज के कर्मचारी हड़ताल और धरने पर बैठे हुए थे। यह डेढ़ साल से स्थिति चली आ रही है। इसी तरह से हरियाणा मिल्क प्लांट एम्पलाईज असोसिए ान के कर्मचारी भी पिछले डेढ़ साल से हड़ताल और धरने पर बैठे हुएहैं उनकी मांगे पूरी नही की जा रही है। उनकी

मांग है कि इस पे–कमी ान को स्क्रेप किया जाये और जो पंजाब पे–कमी ान की रिपोर्ट अभी आने वाली है उसी की सिफारि ाात के आधार पर हरियाणा गवर्नमैंट मुलाजिमों को भी रिलीफ दिया जाये क्योंकि अब जो पे–कमी ान बैठा है यह तो कम से कम दो साल में अपनी रिपोर्ट पे ा करेगा। इस लिय वहां पर बहुत पहले से कमी ान बैठा हुअ है उसी के आधार पर हमें भी रिलीफ मिलना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय इस ऐड्रेस के पैरा 37 मे जन–वितरण प्रणाली का जिक्र किया गया है। इसमें कहां गया है कि अनुज्यूमर स्टोर्ज के द्वारा कपड़ा और दूसरी जरूरियाते–जिन्दगी की चीजें दी जायेंगी। जैसे मिट्टी का तेल, कपड़ा आदि चीजें दी जायेगी। उपाध्यक्ष महोदय इससे बड़ा झूठ और कोई नही हो सकता हैं तमाम हरियाणा में किसी भी गांव में कोआपरेटिव सोसाइटीज से कोई चीज नही मिलती हैं जो भी कन्जयूमर गुड्स सप्लाई करते है उसकी कीमत मनमाने ढंग से चार्ज की जाती है।

हरियाणा में सरकारी खर्चे मे ंभी कमी करने की बात कही गई हैं इस बारें में तो कहूंगा कि यह सबसे बड़ा मजाक है क्योंकि हमारे उद्योग मी जी का टेलीफोन का ही खर्च 1 लाख 93 हजार रूपये 17 महीने का है और एक लाख पंचास हजार रूपये पैट्रोल का खर्चा है।

श्री उपाध्यक्षः इस बारें में हाउस में जवाब आपके सवालसे आ चुका हैं इसको आप रिपीट न करे।

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मकसद यह है कि हरियाणा सरकार का मन ाा अपने खर्चे में कमी करने का नही है। मन्त्रियों को तौ और भी बुरा हाल है, उनके बराबर तो कोई नमूना पे ा नही कर सका।

उद्योग मंत्री (डा० मंगल सैन): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भाम ोर सिंह जी ने एक लाख 93 हजार रूपया जो बताया है, यह गलत बताया है क्योंकि चौधरी देवी लाल जी ने ठीक ही कहा है कि इनकों गलीत बोलने और * * * * बोलने का लाइसेंस मिला हुआ है। (विध्न)

श्री भाम ोर सिंहः यह * * * * अन–पालियामेंटरी भाब्द है, इसको एक्सपंज कराना चाहिए। (ाोर)

चौधरी राजेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, बहुत से सदस्यों ने बोलना है इसलिए टाईम का ख्याल रखते हुए दूसरों का भी ख्याल रखा जाये।

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सच तो यह है कि डा० मंगल सैन जी 352 दिन टूर पर रहे हैं (ाोर)

डा० मंगल सैनः जनता की सेवा के लिए जितना भी हम टाईम लगा सकते है, जरूर लगायेगे और इसी सेवा के लिये हम चुन कर आये है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप लोग क्या हाउस का समय जाया कर रहे है। आप भाान्त रहे।

डा० मंगल सैनः जनता की सेवा न करने के कारण ही तीन चुन कर आये ही (विघ्न)

श्री भाम ोर सिंहः डाक्टर साहब आपके लिये तो हम तीन ही काफी है। (विघ्न)

डाक्टर मंगल सैनः आप तो तीस भी आ जाते तो भी काफी नही होते। आप तो पुरानी बातों को याद करके रो रहे हो।

श्री भाम ोर सिंहः डाक्टर मंगल सैन जी ने तीन बात की है। * * * * को पकड़ने क लिये तो एक ही चौकीदार काफी है।

डाक्टर मंगल सैनः * * * * ये होगे। इसी लिये तो इनकों हथकड़िया लग रही है। आपने नेता जो प्राईममिनिस्टर बनना चाहते थे उनकों ही पकड़ा जा रहा है। वहां सैन्टर में संजय गांधी था और यहां पर सुरेन्द्र अपने बराबर किसी को भी नही समझता था। इनकों * * * * आनी चाहिए। * *

* * दो दो साल की सजा हो रही है। (विध्न) आप

लोगों के खिलाफ ही कमी ान बैठे हुए है। (विघ्न) आप लोगों के खिलाफ ही कमी ान बैठे हुए है। (विध्न)

चौधरी लाल सिंह (सढ़ोरा): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका बड़ा आभारी हूं कि इतने बड़े संघर्श के बाद आपने मुझे टाईम दिया है, इसके लिए मै आपका बड़ा आभारी हूं। राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण सदन क सम्मुख पे ा किया है मै अउसका समर्थन करने की हिम्मत नही है लकिन इतना जरूर कहूंगा कि जिस राम राज की सदियों से तला ा थी वह आज हरियाणा में आ गया हैं जो आदमी अपने हकों के लिये सदियों से लड़ रहे थे आज उनकों वह हक प्राप्त हो गया हैं उस टाईम पर किसी भी व्यक्ति की बोलने की हिम्मत नही थी कि किसी के बारें में कोई बात कहे दे लेकिन आज हम सदन में और बाहर भी अपने विचार प्रकट कर सकत है लकिन ये लोग फिर भूल जाते है और हमारे मिनिस्टरों का आज पहले के मिनिस्टरों से मुकाबला करते है। 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'। मेरे जैस आदमी को 19–19 महीने तक अपने बच्चो से भी मिलने नही दिया गया। कम्बल भी फटे हुए दिये गये। सरदार लछमन सिंह जी जैसे भारीफ आदमी को लड़की की भाादी में नही आने दिया गया। अब किसी कातिल की लड़की की भी भाादी होती है तो उसे भी भाादी में जाने देते है। चौधरी देवी लाल जैसे देवता आदमी को कच्ची रोटियां खाने को दी गयी और सूजी हुई टांगे होने के बावजूद डाक्टर को अटैन्ड नही करने दिया गया। आज वे अपने जुल्म भूल

गये। डिप्टी स्पीकर साहब, इस राम राज्य वाली सरकार ने आते ही क्या किया। इसके आते ही पहले तो दो फ्लड आ गये। एक फ्लड तो ऐसा आ गया था कि उससे सारा हरियाणा ही पानी में डूब गया था। उसके बाद हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल, डाक्टर मंगल सैन जी और दूसरे हमारे सारे नेता गांव–गांव में गये और लोगों की जाने बचायी। हमारे अफसर जिन्हें पिछली सरकार ने खराब बना दिया था उन्होने इतने–इतने पानी में जाकर लोगों की मदद की। लोगों को दुबारा जन्म मिला। यह सब को पता है कि हमारे यहां फ्लड आया। इसके बाद दूसरा फ्लड आया जिसके बारें में सिर्फ उन भाईयों को पता है जो इसे लाये यह फ्लड आया जिसके बारें में सिर्फ उन भाईयों को पता है जो इसे लाये थे। ये कांग्रेसियों का काम था जो इस सरकार को खत्म करकने के लिये वह फ्लड लाये थे चौधरी देवी लाल ने इस फ्लड को जो पोलिटीकल हमले का था, रोका और उसमें भी कामयाब हुए। तो इस तरह से दो तो असली फ्लड आये थे और तीसरा पोलिटीकल हमले का फ्लड आया था जिन्हे यह सरकार रोकने में कामयाब रही है।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल की सरकार को अनस्टेबल बनाने वाले डाक्टर मंगल सैन जी है और कोई नही। (विघ्न)

डाक्टर मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी अभी तो मेरे भाई मुझे लौबी में कुछ और ही कर रहे थे। यह अब यहां पर आते ही बदल गये है।.....

चौधरी जगजी सिंह पोहलूः आपने इस्तीफा नही दिया था?

डाक्टर मंगल सैनः पोहलू साहब, मेरे से सारी बाते–क्यों कहलवाते हो? यह कोई एक ान नही लेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, इस संबंध में मैने गवर्नर साहब को भी लिख कर भेज रखा है और मुख्य मंत्री जी को भी और होम मिनिस्अर को भी लेकिन उस पर कोई एक ान नही हुआ। जहां तक एम०एल०एज० की बात करते है, यहां हमारे आदरणीय साथी कहते है.....

श्री उपाध्यक्षः मांगे राम जी, बोलने वाले काफी मैम्बर साहेबान है और समय कम है इसलिए आप पांच मिनट तक बोल ले।

श्री मांगे राम गुप्ताः डिप्टी स्पीकर साहब, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में हमारा टाईम फिक्स हो चुका है।

श्री देवेन्द्र भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, आप इनके लिये समय और क्यो नही बढ़ा लेते, क्योंकि अगर किसी मैबर को बोलने के लिये टाईम नही दिया जाएगा तो वहा अपनी बात कैसे कहेगा?

श्री मांगे राम गुप्ताः डिप्टी स्पीकर साहब, इतने समय में तो मैने अपनी कई बातें कह लेनी थी। तो मै आपसे कह रहा था कि इस राज में एम०एल०ए० की पोजी ान क्या है? मैने 15–1–79 को डी०सी० जींद को लिख कर दिया कि इस आदमी ने पचास लाख का घोटाला किया है। मैने कहां कि आप एक हफ्ते के अन्दर अन्दर इस बात का जवाब दें कि क्या यही एक आदमी है जिसने सात जगहों पर कब्जा करके 50 लाख रूपये हजम करने चाहे है लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, आज तक डी०सी० ने 15–1–79 से लेकर 6–3–79 तक का समय दो महीने से ज्यादा निकाल दिये है लकिन कोई जवाब नही आया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे पास जो प्वायंट्स है वे भी मैने रिटन में मुख्य मंत्री को भेजे है और उनक ेबारें में भी मुझे कोई जवाब नही मिला। वह प्वायंट्स मै यहां सदन की पटल पर रख देता हूं और अगर आप कह तो मै आपको दे सकता हूं।

श्री उपाध्यक्षः आप मुझे दे दें, मै एग्जामिन करवा लूंगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः डिप्टी स्पीकर साहब, इस आदमी ने पैट्रोल पम्प ले रखा है और गलत जगह पर कब्जा करके लगाया सो लगाया लेकिन पिछले दिनों जब पैट्रोल की दिक्कत थी, डीजल की दिक्कत थी और किसानों को चार चार दिन तक डीजल नही मिल रहा था तो उस आदमी ने सारे का सारा डीजल ब्लैक में बेचा। जब लोगों ने इस बात की ि ाकायत डी०सी० के पास की तो उसने भी इस चीज को रोकने के लिये कोई कदम नही

उठाया। वह आदमी यह जवाब देता था कि जो मैने पैट्रोल पम्प लगाया है वह लाईन में लगकर पैट्रोल देने के लिए नही लगाया है। जो कुछ आपने करना है वह कर लो। डिप्टी स्वीकर साहब, मैने इस बारें में मुख्य मंत्री जी यह नारा देते है कि भ्रश्टाचार को खत्म करेगे दूसरी तरफ इस संबंध में एक एम०एल०ए० लिख कर देता है तो हमें सूचना तक नही मिलती, यह भ्रश्टाचार कैसे खत्म हेागा। डिप्टी स्पीकर साहब, मै नही समझ सकता कि यह सरकार इस भ्रश्टाचार को किस प्रकार खत्म कर सकती हैं डिप्टी स्पीकर साहब, इस बारें में जब सरकार ने कोई सुनवाई नही की तब हमने लोगों को आंदोलन के लिए तैयार करके उसक खिलाफ आवाज पैदा की। डिप्टी स्पीकर साहब, उसका नतीजा यह हुआ कि अकेले मुझ पर ही नही बल्कि मेरे भाई पर, मेरे भाई के लड़के पर और चार मेरे आदमियों पर दफा 436, 452, 379, 506, 107, 147 जितनी भी दफा लगा सकती थी हमें जेल भेजने के लिए केस तैयार कर लिया, हमें जेल भेज दिया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, यह कहां का न्याया है कि चीफ मिनिस्टर के नारे को ऊंचा करने के लिए उस आदमी की मदद की जाए और उसके एवज में हमारे खिलाफ झूठे मुकद्दमें बनाये जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक बात हाउस के अंदर कह सकता हूं और आप न्याय की कुर्सी पर बैठे है, जो कुछ भी मैने लिख कर दिया है उसके बारें में आप अपने द्वारा या किसी आदरणीय एम०एल०ए० द्वारा इसकी इन्क्वायरी कराये। अगर मैने झूठा इल्जाम लगाया हो, अगर मै गल्त हूं तो जो मुकद्दमें बने है उनकी सजा तो कोर्ट देगी ही लेकिन आप इस

जगह मुझे खड़े करके मा र्ल के द्वारा 6 कोड़े मेरे भारीर पर लगवाये ताकि वे नि ाान यह बताये कि कोई बनिया एम०एल०ए० किसी आदमी के खिलाफ भविश्य में झूठे इल्जाम न लगा सके। अगर मेरी बात सच्ची है तो उस आदमी को कोई सजा आप दे सकें या न दे सकें उसके बारें में मै कुछ नही कह सकता, मै तो अपनी सफाई पे ा कर सकता हूं।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक और बात कहना चाहता हूं जिसकी कि यहां पर आजकल चर्चा चल रही है। आजकल प्राइवेट स्कूल और कालेज टीचरों और प्रोफैसर बहुत परे ाान है, उनको पूरी तनख्वाह नही मिलती है, वे हड़ताल पर बैठे है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपसे कहना चाहता हूं कि अभी तक सरकार ने इस बीमारी की सही तह पर पहुंचने की कोि ा ज्ञ नही की है कि यह बीमारी क्यों है? आज हरियाणा में जितनी प्राइवेट संस्थाए है उनमें लगभग 6 लाख लड़के ि ाक्षा प्राप्त कर रहे हैं डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार का फर्ज सब लोगों को पढ़ाना है, अगर ये सारी प्राइवेट संस्थाओं को बन्द कर दें तो सरकार के पास एकदम से इतने विद्यार्थियों को पढ़ाने का कोई साधन नही है। मै एक मिनट में बात साफ कर देता हूं कि असल बीमारी क्या है? डिप्टी स्पीकर साहब, स्कूल और कालेज दो तरीके से चल सकते है एक तरफ से सरकार की यह पालिसी है कि कोई भी प्राईवेट स्कूल या कालेज जो सरकार ने क्राइटेरिया बनाया हुआ है उससे ज्यादा फीस किसी लड़के से नही ले सकता दूसरी तरफ जब से कोठारी कमी ान की

रिक्मैडे ांज लागू हुई है तब से सरकार को यह पालिसी है कि कोई भी स्कूल या कालेज जो सरकार के ग्रेड है उनसे कम तनख्वाह नही दे सकते। डिप्टी स्पीकर साहब, कोठारी कमी ान के बाद आप प्राइवेट स्कूलों की पोजी ान को देखे, स्कूल और कालेजों की फाईनै ाल पोजी ान की रीड करें कि उनमें कितना अन्तर है, उनकों कितना फाईनै ाल घाटा होने जा रह है। आज कितनी ऐसी संस्थाएं है जहां मैनेजिंग कमेटी तो उनकों छोड़ने के लिए तैयार है लेकिन उनका घाआ पूरा नही होता। मैनेजिग कमेटीज कालेजों और स्कूलों का इंतजम करने के लिए है लेकिन अगर उनकों यह कह दिया जाये कि जो दो लाख रूपये का घाटा है वह अपने घर से पूरा करेां तो ऐसा करने के लिए कोई भी तैयार नही होगा। मै यह बिल्कुल कंकरीट बात कहता हूं। हमारे जींद के अंदर गवर्नमैंट हायर सैकेंडरी स्कूल है, उसके अंदर 1800 स्टूडैंट्स है और उनकों पढ़ाने के लिए 75 टीचर्स है लेकिन एक वहां पर एस०डी० हाई स्कूलों से बहुत अच्छा रिजल्ट है। लेकिन वहां परसात साल से टीचर्स को लगाने के लिए कोई मंजूरी नही दी गई है जबकि आज के हिसाब से वहां पर 75 टीचर्स होने चाहिये। पालिसी के हिसाब से सरकार को 75 टीचर्स की मंजूरी देनी चाहिए। उन्होने 60 टीचर्स के लिए आज से पांच साल पहले एप्लाई किया था लेकिन आज तक कोई मंजूरी नही दी गई। डिप्टी स्पीकर साहब, आप ध्यान दें कि इस वजह से कितना नुक्सान हो रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप हिसाब लगाये कि लड़कों की कितनी स्ट्रैग्थ बढ़ी उतनी फीस बढ़ाकर तो सरकार ने

स्कूल की इन्कम में भाामिल कर ली लेकिन 60 टीचर्स की जो सैक ान नही मिली और उनको तो तनख्वाह दे रहे है उस पर खर्चे को वह स्कूल के खर्चे में भाामिल नही कर रहे है। इसलिए आप अंदाजा लगाये कि उस संस्था को कितना घाटा हो रहा है। (इस समय सभापतियों की सूची मेंसे एक सदस्य, चौधरी खुर ाीद अहमद, परासीन हुए) चेयरमैन साहब, अगर आप इसकी स्टडी करेगे तो आपकों यह पता लग जायेगो कि प्राइवेट कालेज और स्कूल जो है आज उनकी बदतर हालत हो रही है, इसके लिए कसूरवार सरकार है, मैनेजिग कमेटीज नही।.....

वित्त मंत्री (श्रीमूल चन्द जैन): चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ इनफर्मे ान हैं मेरे लायक दोस्त जो सवाल उठा रहे है, उसके बारें में हरियाणा सरकार ने इस बात इजाजत दे दी है कि जो प्राइवेट स्ल्कूज में फालतु टीचर्ज लगे है और जिनकी मंजूरी पिछले कई सालों से नही मिल रही थी, अब उनकी मंजूरी दे दी है।

श्री मांगे राम गुप्ता: चेयरमैन साहब, इसके लिए मै मंत्री जी का बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं, मै तो यह कह रहा था कि इसी समस्या की वजह से प्राईवेट स्कूलों और कालेजों की बड़ी बदतर पोजी ान हो रही थी, अगर सरकार इस पर विचार कर लेगी तो ठीक हो जायेगा।

श्री सभापतिः उसकी मंजूरी हो चुकी है और विचार करने की स्टेज गुजर चुकी है।

श्री मांगे राम गुप्ताः बड़ी अच्छी बात है अगर मंजूरी हो चुकी है। चेयरमैन साहब, आज स्कूलों के बारें में, पढाई के बारें में बड़ी चर्चा चल रही है। आज कितने पढ़े लिखे बेकार है? चेयरमैन साहब, जब तक आप प्राईमरी क्लास के लड़कों की तरफ और टीचर्स की तरफ जोकि पढ़ाई की नींव है, पूरा ध्यान नही देगे, तब तक पढ़ाई का ढांचा सुधन नही सकेगा। आज का जो टीचर है वह इस बात क लिए मायूस हो चुका है। वह सिवाय अपनी ड्यूटी पूरी करने के और कुछ नही करता यानी उसका पढ़ाने की तरफ ध्यान नही रहता इसलिए आप प्राईमरी स्कूलों की तरफ भी ज्यादा ध्यान दें। मै आपके जरिये सरकार को एक और बात कहना चाहता हूं कि यहां पर बड़े जोर से नारा लगाया जाता है कि किसान के लिए यह पहली सरकार बनी है, बड़ी खु ाी की बात है लेकिन मै सरकार को एक बात बताना चाहता हूं कि जब तक किसान को उसकी उपज की पूरी कीमत नही मिलेगी तब तक उसकी तरक्की नही हो सकती। अगर किसान की तरक्की नही होती है तो सारे दे ा के लोगों की भी तरक्की नही हो सकती क्योंकि लगभग सभी लोग किसान की उपज पर निर्भर करते है। चेयरमैन साहब, इस बात पर बड़ी गहराई से विचार करना होगा। किसान की उपज के भावों के बारें में चौधरी हरस्वरूप बूरा जी ने यहां पर एक काल अटैन ान नोटिस पढ़कर सुनाया था। उसमें

था कि सरकार को यह चाहिए वह व्यापरियों को पाबंद करें कि इस कीमत से नीचे किसान की उपज कोई न खरीदे। चेयरमैन साहब, इसके ऊपर सरकार को बहुत सोचना पड़ेगा। चेयरमैन साहब, कपास का भाव 330 रूपये निकला और जब वह कपास बिकने के लिए आई तो वह व्यापारी ने ली और व्यापारी ने उसे 220 रूपये के भाव बेचा यानी उसकों सौ रूपये क्विटल के हिसार से नुकसान हुआ। बाजेरे का 90 रूपये का भाव निकला औरबाद में वह 60 रूपये का बिका, वह भी नुक्सान व्यापारी को हुआ। इसी तरह से गुड़ का भाव भी 90 रूपये निकला था लेकिन आज उसी गुड़ कोई 60 रूपये के हिसाब से खरीदने के लिए तैयार नही है, इसमें भी 30 रूपये क्विटल के हिसाब से व्यापारी को ही घाटा पड़ा। इसलिए आपकों इस तरफ विचार करना पड़ेगा कि इसका कारण क्या है? (विध्न) जहां तक स्पोर्ट प्राईस की बात है सरकार ने 85 रूपये का भाव बाजरे का बनाया हुआ है लेकिन हरियाणा की किसी भी मण्डी में सरकार ने एक क्विटल भी बाजरा नही खरीदा। मै दावे के साथ कहता हूं कि अगर सरकार किसान का बाजरा स्पोर्ट प्राईस फिक्स करने का क्या फायदा। चेयरमैन साहब, इसी तरह से जीरी की बात, इसी तरह से गेहूं की बात हैं आपने गेहूं का भाव 112.50 रूपये बनया 85–85 रूपये जीरी का भाव बनाया। चेयरमैन साहब, यह बात मै कई दफा सुना चुका हूं कि किसान को कम कीमत देने के लिए जिम्मेदार है। ये कहते है कि व्यापारी 60 रूपये के हिसाब से जीरी लेकर अगले दिन उसे 85

रूपये के हिसाब से सरकार को बेच देता है, गेहूं को 90 रूपये के हिसाब से लेकर अगले दिन 112.50 रूपये में सरकार को देता है।

चेयरमैन साहब, मै दावे के साथ कह सकता हूं और अपने तजुर्बे के साथ कह सकता हूं कि कोई ही ऐसा नीच व्यापारी होगा जो अपनी दुकान परआए हुए किसान के माल के नीचे भाव पर खरीदना चाहता हो।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड–अप कीजिये।

श्री मांगे राम गुप्ताः चेयरमैन साहब, यह बड़ी इम्पोटैंट बात है। कोई भी ठीक नियत वाला व्यापारी 80 रूपये क्विटल की जीरी 60 रूपये क्विअल में नही खरीद सकता और 112 रूपये भाव की गेहू 90 रूपये के भाव में नही खरीद सकता अगर गवर्नमैंट और उसके मुलाजिमों की नियत ठीक हो। अकेले व्यापारी की ऐसा करने की हिम्मत नही पड़ सकती। आपके एक्ट के तहत हर मंडी में मार्किट बनी हुई है और सब जगह देरी सिस्टम है। जमीदरा की जो ढेरी आती है वह इन्सपैक्टर के रजिस्टर में लिखी जातीळै। चेयरमैन साहब, आप और मंत्री जी मेरी बात को ध्यान से नोट करे लें। अगर आपकी गवर्नमैंट और सारे सरकारी अफसर इस बात की तरफ तवज्जह दें तो मै दावे के साथ कह कसता हूं कि कोई भी व्यापारी हेरा फेरी नही सकेगा। जब तक व्यापारी के साथ सरकार कर्मचारी भाामिल नही होते तब तक वह अकेला हैरा फेरी कर ही नही सकता। चेयरमैन साहब, एक सौ साढे बारह रूपये गेहूं का

भाव निि चत किया गया थ अैर 85 रूपये जीरी का भाव निि चत किया गया था लेकिन मै अपने तजुर्बे के आधार पर यह बात कहतिा हूं कि किसान को 80–81 रूपये से ज्यादा जीरी का भाव नही दिया गया। मै एक दूसरी बात कहना चाहता हूं कि जिस समय मै दुखी होकर मंडी में बोली के ऊपर चलता था और आपके अफसरों के साथ चलता था तो किसानों को दो रूपये की एवरेज से ज्यादीा भाव मिलता था। इसका आप अंदाता लगा ले कि अगर एक मंड़ी में 10 हजार क्विटल जीरी आई हो तो उस दिन किसानों को 20 हजार रूप्ये का घाटा होता था। चेयरमैन साहब, आपको पता है कि जब जीरी का भाव 85 रूपये फिक्स है तो वही जीरी 80 रूपये क्यों ली जाती है। आप हैरान होगे 80 रूपये के हिसार से जीरील लेकर करके उसी जीरों को अपने दिन पैसे लकर 85 रूपये के हिसाब से खरीदी जाती है तो किसानों से 85 रूपये क`हिसाब से वह क्यों नही खरीदी जा सकती? इसलिए आप खुद इसका अन्दाजा लगाये या आप खुद इसकी रिपोर्ट तैया करले कि जो जीरी 60 और 65 रूपये के हिसाब से बिकी या जो गेहूं 90 और 95 के हिसाब से बिकी वह कहां गई? जब आप इसकी गहराई में जाएंगे तो आपकों पता लगेगा कि अपले दिन वह सारी की सारी उपज पैसे की सेटलमैट की भरी गई। वह उपज कही आसमान मे ंनही उड़ गई बल्कि वही पर उसका घोटाला होता रहता है। चेयरमैन साहब, आप अन्दाजा लगाये कि अगर आपके अफसर ठीक हो तो यह जो भाव का जिक्र करके व्यापारियों और किसानों में फर्क करना चाहत`है यह बात साफ तौर पर सामने आ

जाएगी। मै दावे के साथ कहता हूं कि अगर आपके अफसर ठीक हों और एक भी व्यापारी इस किस्म की बदमा ाी कर जाये तो मै जो सजा चाहों भुगतने के लिए तैयार हूं। इसलिये पहले अपना ढांचा सुधारों।

श्री सभापतिः कृपा अब आप वाइंड–अप कीजिए।

श्री मांगे राम गुप्ताः चेयरमैन साहब, आप बार बार वाइंड अप करने के लिये कह रहे है इसलिये मै एक दो बातें और किसानों के बारें में कह कर समाप्त करूंगा। चेयरमेन साहब, चौधरी हर स्वरूप बूरा ने भी किसानों की उपज के भाव के बारें मे ंएक काल अटैन्ा ान मो ान पे ा किया था लेकिन चेयरमैन साहब मै सरकार को बताना चाहता हूं कि किसान की भलाई के लिये केवल मो ान पे ा करने से काम नही चलेगा बल्कि उसके लिये सरकार की कोई ठोस कदम उठाने पड़ेगे।

श्री सभापतिः गुप्ता जी अब आप बैठिये।

श्री मांगे राम गुप्ताः चेयरमैन साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि सरकार एम०एल०एज० को कारपोरे ान और बोर्डज के चेयरमैन बनाने की बजाये इनकी कमेटी बनाये जोकि इस बात की निगरानी रखे कि किसानों की दिक्कत भी दूर होगी और क्रप्शन भी दूर होगी। इन भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं। कि आपने मुझ अपने विचार रखने का समय दिया।

श्री दीप चन्द भाटिया (फरीदाबाद): चेयरमेन साहब, राजयपाल महोदय ने हरियाण विधान सभा क अधिवे ान के अवसर पर 28 फरवरी, 1979 को जो अभिभाशण दिया और जिसका आपने स्वागत किया और हमारी बहन सुशमा जी ने भी उसका समर्थनप किया मै भी उसकासमर्थन करने क लिये खड़ा हुआ है। आपको मै यह बताना चाहता हूं कि पिछले जो चीफ मिनिस्टर चौधरी बंसी लाल थे वे किसी से मिलते नही थे और एम०एल०एज० उनसे बात करने से भी डरते थे। लेकिन आज हमारे चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री है, वे आम जनता को एम०एल०एज० होस्टल में सुबह के टाईम मिलते है ओर अपने घरपर भी मिलते है। इसके इलावा मै चौधरी देवी लाल जी को बंधाई देता हूं कि जब वे पहले पहल हरियाणा के चीफ मिनिस्टर बने थे तो उन्होने एक नारा लगाया था कि ''भ्रश्टाचार बन्द पानी का प्रबन्ध'' भगवान ने उनकी बात सुनी ली। पानी का प्रबन्ध हो गया। हरियाणा के अन्दरा गांवों में बड़े जोरों का फ्लड आया। मुझू अच्छी तरह से याद है कि हम गुडगांवा के अन्दर खुद गए थे। उस समय सारा गुडगांव जिला पानी के नीचे था। उस वक्त हमन ेजहां जकर देखा कि किसानो ंकी क्या हालत थी, मुझ अच्छी तरह से याद है कि वहां देहातों मे ंएक बांध का कार्य हो रहा था अैर वहां हमारे चौधरी देवी लाल जी, बहन डा० कमला वर्मा और बहुत से दूसरे एम०एल०एज० भी गये थे। वे खुद टोकरी उठाक कर उस बांध पर ले जा रहे थे। चेयरमैन साहब, यक कांग्रेस के तीनचार मैम्बर और वि ाल हरियाणा पार्टी के 5–6 मैम्बर जो

यहां पर इकट्ठे मिल गये थे। वे उस समय अपने अपने घरों में बड़ी ए ाोइ ारत के सथ सो रहे थे। बड़े अफसोस की बात है कि आज यही लोग किसानों क लिये बात करते है तो मै कहना चाहता हूं कि पिछले दो सालों के अन्दर जब हमने बांध बांध और जिला गुडगांव के अन्दर नहर खुदवई उस वक्त ये लोग कहा थे? इसके अलावा मै भाराब के बारें मे। भी कुछ कहूंगा। हामर दे ा के प्रधान मंत्री जी कहते है कि अगर भाराब बन्दी कर दी जाए तो हमारे हिन्दूस्तान का चरित्र ऊंचा और भविश्य उज्ज्वल हो सकता है। आज जिन अफसरान को भाराब चाहिए उन अफसरान के लिये आप भाराब को प्रबन्ध न करें, जिन पोलिटिकल आदमियों को भाराब चाहिए तो उनके लिये भी भाराब का प्रबन्ध न करें। यदि भाराब खत्म हो जाए तो काम ठीक हा सकता है। तो मै आपकें बतानाचाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी ने सारे काम किसानों के हित के लिये किए है। ये सामने बैठने वाले लोग इस बात को क्यो भूल गये कि ये लोग किसानों को अमरजैंसी में काटा करते थे, उनकी नसबन्दी करते थे।

श्री सभापतिः अब आप वांइड अप कीजिए।

श्री दीप चन्द भाटियाः चेयरमैन साहब, मै वांईड अप कर रहा हूं। जिला गुडगांव के अन्दर क्या क्या नही हुआ। जब नसबन्छी हो रही थी उस वक्त यही किसान पहाड़ों के अन्दर छिपे हुए थे जिन के लिये ये रो रहे है।

श्री सभापतिः अब आप वांईड अप कीजिए।

श्री दीप चन्द भाटियाः आज ये किसानों के हित में बोल रहे है, इन्होने किसानों के लिये क्या किया है, क्या इनकों बोलते हुए भार्म नही आती? चेयरमैन साहब, फरीदाबाद में 15 हजार झुग्गी झोपड़िया है जिनमें गरीब किसान, गरीब मजदूर रहते है, उन पर इन्होने बुलडोजन चलाकर बरबाद कर दिया, उनकी जबरदस्ती नसबन्दी कर दी और जो मेरी माताएं जो बच्चे जनने वाली थी बेरी तरह से मारी गई। इनकों यह कहते हुए भार्म नही आती कि आज की हकूमत खराब है? जनता पार्टी की हकूमत खराब नही, कांग्रेस पार्टी की हकूमत खराब थी जिन्होने गरीब लोगों को उजाड़ कर रख दिया। क्या ये रिवास कांड को भूल गये? अगर रिवासकांड की कहानी कह दूं तो भार्म से हमार सर झुक जाता हैं यह किस आधार पर इस सरकार की नुक्ताचीनी करते है? (व्यवधान) चेयरमैन साहब, आज ये सदन मे ंबोलते है कि डा० मंगल सैन की कार का खर्चा बढ़ गया है, टेलीफोन पर खर्चा ज्यादा हो गया है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब, मै इनको बताना चाहता हूं कि मेरे पास दो टेलीफोन है, मेरा टेलीफोन का खर्चा 3 हजार रूपये का आया है, अगर डाक्टर मंगल सैन का इतना बिल आ गया तो कौन सी बाड़द्यी बातम है। मै इन को बताना चाहता हू कि ये काम करते है ओर जो आदमी काम करेगा उसका इतना बिल तो आयेगा ही जो लोग रात को भाराब के न ो मे ंमस्त पड़े रहत है, उनका क्या

बिल आयेगा (व्यवधान) आज हमारे सामने जो ये बोल रहे है, मुझे 25–26 जून की रात अच्छी तरह से याद है जिस दिन मेंर घर पर 28–30 आदमी मुझे पकड़ने के लिए आए थे, ठाकर मोती सिंह उनके साथ थे। मैने उन्हें कह कि पठान को पकड़ना इतना आसान काम नही हैं इन्होने मेरे घर पर छापा मार और जब कचहरी में गये तो मेरे से लोगों ने सवाल पूछा कि क्या आपकों मालूम नही कि स्टेट मे ंएमरजैसी लागू हो गइ है। मैने कहा कि मुझ पता नही था। मैने ठाकुर मोती सहि को कहा था कि मै पोलिटिकल आदमी हूं, दे ा का सेवल हूं, अगर मुझ पकड़ना ही था तो चार पांच आदमी आ जाते, इतने आदमी आने की क्या जरूरत थी? न मैनें इन्दिरा का खू किया है, न बंसी लाल का किया है, न किसी और का किया है। ये लोग जिन्होने गुनाह किए है, आज जनता पार्टी के राज में खुि ायां मना रहे है क्योंकि हमने इन तमात लोगों माफ कर दिया है (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप वाइंड अप करे।

श्री दीप चन्द भाटियाः स्पीकर साहब, मुझे मुि कल से टाईम मिला है, चौधरी खुर ाीद अहमद जी ने मुझ टाईम दे दिया। (व्यवधान) आपने तो देना नही था। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब आप खत्म करे।

श्री दीप चन्द भाटियाः मै आपके के द्वारा सदन से अर्ज करना चाहता हूं कि फरीदाबा में गरीब मजदूर, गरीब किसान

झोपड़ियों में रहते है और ये लोग मवे ियों की तरह जिन्दगी बसर कर रहे है जो कि इन्सानों की जिन्दगी नही है। इनकों कांग्रेस राज में वुल्डोजरों से काटा गया। फरीदाबाद कम्पलैक्स वाले उनको अब पानी के नलके और बिजली देने की कोि ा ा कर रहे है, लेकिन यह काम इतना आसान नही हैं मै चौधरी देवी लाल जी से और लोकल बाडीज मिनिस्टर चौधरी राम लाल वधवा से रिक्वैस्ट करूंगा कि इन गरीबों की तरफ ध्यान दें। चौधरी राम लाल वधवा बैठै है, मै इनसे रिक्वैस्ट करूंगा कि खाली बैठने से गाड़ी नही चलेगी, आपकों काम करना होगा। मै यह बात अच्छी तरह से जानता हूं कि सरकार ने किसानों के लिये पानी का प्रबन्ध किया। 45 परसैट रूपया जो भारत सरकार से मिला उसका 90 परसैंट रूपया किसानों को पानी देने के लिये खर्च कर दिया। इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं जो जिम्मेदारी आपकां मिली है। उसकों सही ढंग से सरअंजाब देना आपकी ड्यूटी बनीती है। जब कोई मी किसी कम करने के लिए किसी हलके में जाएं तो वहां का एम०एल० वहां मौजूद होना चाहिए, यह नही कि हम हलके में न हों और मंत्री मोदय वहां चले जाएं। (व्यवधान) चौधरी राम लाल जी वहां जाएं तो हम वहां मौजूद होने चाहिए। चौधरी देवी लाल जी तो सब के लीडर है, उनके दिलों दिमाग में यह बात नही है कि पार्क में जाएं और खाली पत्थर पर अपना नाम लिख कर आ जाएं क्योंकि ये समझते है कि हमारी कीमत पर ही ये लीडर बने है। (व्यवधान) मुझे चौधरी राम लाल जी के बारें में गिला नही है, मुझे गिला देवी लाल जी से है। (व्यवधान) मै इनसे

अर्ज करना चाहता हूं कि जो लोग झोपड़ियों में रहते है गरीब किसान है, उनकी हालत सुधारने के लिये लोकल बाड़ी मिनिस्टर और हाउसिग बोर्ड के मिनिस्टर सभी मिलकर कोि ा ा करें। हाउसिग बोर्ड के जो मकान बनते है वे सबि दिल्ली वाले ले जाते है, इन गरीबों के हिस्से कुछ नही आता। मै अपनी सरकार से प्रार्थना करूंगा कि आप सैन्ट्रल गवर्नमैंट से रिक्वैस्ट करें कि इन झोपड़ी वालों को मकान बनाने के लिये जगह दे और कोि ा ा करें कि ये लोग भी इन्सान की जिन्दगी बसर कर सके। एक तरफ हम कोठियों में रहते है और दूसरी तरफ गरीबों के लिये झोपड़ियों के लिये भी जगह नही दी जाती। कम से कम एक कमरे की जगह 'तो दी जानी चाहिए।

श्री अध्यक्षः आपका समय हो गया है, आप खत्म करें।

श्री दीप चन्द भाटियाः मै जनता सरकार का आभारी होऊगा अगर वह इन गरीबों की सहायता करें। इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करता हूं। जो आपने मुझे समय दिया (विध्न)

श्री अध्यक्षः अब चौधरी राजेन्द्र सिंह जी बोलेगे।

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, अब बोलने का मेरा नम्बर है (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः 5 मिनट के लिये श्री राजेन्द्र सिंह जी बोलेगे।

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, आपने मुझे टाईम देने का वायदा किया था। इसे बाद डिप्टी स्पीकर साहब ने भी वायदा किया और बाद में चेयरमैन साहब ने वायदा किया (व्यवधान) अब क्या वजह है कि मुझे टाईम नही दिया जा रहा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः श्री राजेन्द्र सिंह जी बोलेगे, श्री हरफूल सिं जी आप बैठिए। (व्यवधान)

श्री हरफूल सिंहः आपने मेरे से वायदा किया था, अब टाईम नही दे रहे, यह ठीक नही। (व्यवधान) बार बारे मेरे सो वायदे किये गये कि टाईम देगे, कम से कम चेयर को तो ऐसा नही करना चाहिए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए, वक्त जाया करने से कोई फायदा नही है।

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, मुझे टाईम मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः इसके बाद आपको ंटाईम दूंगा आप बैठ जाईए और हाउस का टाईम जाया न करें। (व्यवधान)

श्री हरफूल सिंहः पहले भी वायदा किया गया था और आपने भी चायदा कियाथा कि मुझे टाईम दिया जाएगा (विघ्न)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब असल बात यह है इन्होने टाईम मांगा था और..... (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने चौधरी राजेन्द्र सिह का काल–अपौन कर लिया है और मै अपना फैसला नही बदलता। इसके बाद अपोजी ान पार्टी के किसी मेम्बर को टाईम मिलेगा और उसे बाद इनको। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मै आपसे एक अ योरेंस लेना चाहता हूं, सिर्फ एक मिनट लूंगा..... (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप प्वायंअ आफ आर्डर पर बोले, अ येरैंस की बात न करें।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मै कह रहा हूं कि इस वक्त टाईम नही मिलता तो बजट पर बहस के मौके पर टाईम दे दें। आप हमं वि वास दिला दें कि उस वक्त टाईम या जाएगा।

Mr. Speaker: This is no point of order. Please take your seat.

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, टाईम बांटने का आपका तरीका क्या है?

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज टाईम बांटने का तरीका यह है कि अपोजी ान बैचिज और ट्रैजरी बैचिज की स्ट्रैग्थ के अनुसार तथा अन्य हालत को देखते हुए मै हर सदस्य को मैक्सिमम टाईम देने की पूरी कोि ा ा कर रहा हूं। मैने तो हर मैम्बर के बोलने के लिए पन्द्रह मिनट का टाईम फिक्स किया था और सारा हाउस उस बात पर एग्री कर गया था लेकिन उसके बावजूद बी बीस बाी पच्चीस पच्चीस मिनट माननीय सदस्य ले गए। टाईम को मै तो बढ़ा नही सकता हूं। मै बड़ी इम्पालियल्टी के साथ सै ान चला रहा हूं। लेकिन इस वक्त अगर इस तरीके से टाईम जाया किया जाएगा तो लेागों को जरूरी टाईम कम मिलेगा।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, ऐसा करे लो, कि दोनों साथ–साथ बोल लें। (हंसी)

चौधरी राजेन्द्र सिंह (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में सरकार की पिछली उपलब्धियों की चर्चा की है और सरकार का हमारे प्रदे ा में जो तरक्की का आगामी प्रोग्राम है उसकी भी रूप रेखा सदन के सामने रखी है। राज्यपाल महोदय के इसी अभिभाशण पर सदन में चर्चा चल रही है और सदन के दोनों पक्षों के आदरणीय सदस्य अपने अपने विचार रख रहे हैं विपक्ष के मेरे कई साथियों न सिर्फ सरकार की कटु आलोचना की है बल्कि गवर्नर साहब ने अब अपना अभिभाशण पढ़ना भाुरू किया उस समय डिस्टरबैस क्रिएट करने

की कोि ा ा की गई। मै सदन को अध्यक्ष महोदय से यह कहना चाहूंगा कि डैमोक्रेसी में जहां रूलिग पार्टी के कुछ कर्त्तव्य है वहां अपोजी ान पार्टी के भी कुछ कर्त्तव्य होते हैं इसलिये यहां अपोजी ान में बैठे सदस्यों को भी अपना कर्त्तव्य निभाना चाहिए। यदि अपोजी ान अपना रोल ठीक तरह से अदा न करें तो डैमोक्रेसी कामयाब नही हो सकती।

अध्यक्ष महोदय, अब मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पैरा दो और तीन की तरफ सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा। इनमें राज्यपाल महोदय ने, सारे राज्य में बाढ़ से जो बड़ा भारी नुक्सान हुआ है उसकी चर्चा की हैं अध्यक्ष महोदय, दो साल पहले गुड़गांव जिला का सोहना से लेकर के नूंह और फिरोजपुर झिरका तक का सारा इलाका हर बार बाढ़ में तबाह हो जाया करता था लेकिन पिछले दो साल से काफी ड्रेनेज और उजीना डाइव र्न आदि बनाकर सरकार ने काफी हद तक वहां के लोगों की प्रकृति के इस प्रकोप से बचाने की कोि ा ा की है। मै इसके लिये सरकार का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, राज्य पाल महोदय ने अपने अभिभाशण में और भी कई बातों की चर्चा की है। मै उसके बारें में ज्यादा नही बोलूंगा क्योंकि समय थोड़ा दिया गया है लेकिन दो तीन बातें में सरकार के ध्यान में अव य लाना चाहूंगा। ि ाक्षा पद्धति के बारें में दोनों पक्षों के साथियों ने अपने अपने विचार रखे हैं यह बहुत ही अहम मसला बनत जा रहा है। इसलिये मै सरकार से

निवेदन करूंगा कि हमारी ि ाक्षा पद्धति के अन्दर भीघ्राति ीघ्र परिवर्तन होना चाहिए ताकि आज जो हजारों ग्रेजुएटस और लाखों मैटिकुलेट्स के नाम ऐम्पलायमैन्ट ऐक्सचेंजिज में दर्ज होने के कारण समस्या पैदा हुई है वह कम हो सकें।

अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद हरियाणा का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया हैं लेकिन आज वहां पर लेबर प्रौब्लम की वजह से ला एंड आर्डर की बड़ी भारी समस्या पैदा हो गई है। मै सरकार का ध्यान उसकी तरफ दिलाना चाहता हूं। गुड इयर फैक्टरी में पन्द्रह सौ के करीब लेबर काम करती है लेकिन वह फैक्टरी एक महीने से ज्यादा अर्से से बन्द पड़ी है। केन्द्र की सरकार को और हमारी हरियाणा सरकार को इसकी वजह से करोड़ों रूपये का नुक्सान हो चुका है लेकिन आज तक सरकार उसके बारें में कुछ नही कर पाई है। मै सरकार से निवेदन करूंगा कि इस समस्या का जल्दी से जल्दी समाधान किया जाए। इसके अलावा वहां और भी कई फैक्टरीज है जैसे हैदराबाद ऐसबैस्टोज, अमरीकन युनिवर्सल ओसवाल, प्रताप स्टील आदि। इनमें भी रीजाना स्ट्राइक होती रहती है। इनके लीडर्ज जो है वे दूसरी स्टेट्स के है, उनका यही ऐम है कि किसी तरीके से ला एंड आर्डर को खराब सारे फैक्टरी एरिया के अन्दर प्रोडक ान को बन्द किया जाए।

श्री अध्यक्षः अब आप वाईन्ड अप कीजिए।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

श्री हरफूल सिंह (फतेहाबाद): स्पीकर साहब, आपकी बड़ी मेहरबानी, जो अपने मुझ बोलने के लिए टाईम दिया। मै तो इसे आपका रहम समझता हूं क्योंकि बोलने का मेरा हक बहुत पहले बनता था। खैर बात यह है कि गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बहुत से लोग बोले है और सबने अपनी अपनी राय हाउस के सामने रखी हैं अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के अभि ााण में बहुत सी बातें है जैसे कि बाढ़ की बात है, सिंचाई की बात है, सवा छः एकड जमीन पर मालिया माफ करने की बात है, ट्रैक्टरों पर टैक्स माफ करने की बात है और बेरोजगारी को दूर करने की बात हैं गांव में बेरोजगारी को दूर कने के लिए हमारे चीफ मिनिस्अर, चौधरी देवी लाल जी ने बहुत अच्छा एलान किया है कि गांव के पढ़े लिखे लड़के आपस में मिल जुल कर के अपना कोई धन्धा करें। यह इन्होने बहुत अच्छा काम किया है क्योंकि इस योजना के तहत गांव की अनेक जातियों के लड़के आपस में भाई भाई बन कर काम करेंगे। यह बहुत सराहनीय काम है।

स्पीकर साहब, बाढ़ की रोक थाम के लिये भी इस सरकार ने सिर्फ एक साल के अर्से में इतना काम किया है, जितना कांग्रेस की सरकार पिछले तीस सालों में नही कर सकी थी। यह भी बहुत तारीफ के योग्य काम है।

'अनाज के बदले मै काम' वाली स्कीम भी चौधरी देवी लाल जी की बहुत बड़ी सोच है। कितनी अच्छी बात है कि लोग अपनी ही गलियां पक्की करें, सड़के बनाएं और दूसरे काम करें और उस मजदूरी के बदले अनाज ले ले। गरीब के लिये इतना बड़ा काम मै समझता हूं कोई सरकार नही करेगी।

पानी का जहां तक ताल्लुक है, राव बीरेन्द्र सिंह जी ने तो यह कह कर अपना पीछा छुड़ा लिया कि बरसात आ गई लेकिन मै उन्हें बताना चाहता हूं कि बरसात भी अच्छी सोच का नतीजा हैं जिसकी नीयत अच्छी होगी उसी की मदद भगवान भी करते है।

मांगे राम गुप्ता जी ने भ्रश्टाचार की बात कही लेकिन मै उन्हें बताना चाहता हूं कि भ्रश्टाचार तो अब नही है। भ्रश्टाचार तो उस समय था जब कांग्रेस सरकार में चन्दा उगाहने के लिये टारगेट मुकरर्र होते थे। उस समय अफसरें से कहा जाता था कि तुम एक लाख रूपया दोगे और तुम दो लाख रूपया दोगे। बी०डी०ओ०, एम०डी०ओ० और ऐग्जैक्टिव इंजीनियर आदि हमारे सामने कहते थे कि अगर हमने कोटा पूरा नही किया तो हमें बरखास्त कर दिया जाएगा लेकिन हमने उस सारे कोटा सिस्टम को हआ दिया। यह चौधरी देवी लाल जी की महेरबानी है कि आज किसी किसम का चन्दा नही उगाहा जाता। अध्यक्ष महोदय, यही नही उस समय तो अफसरों से यह कहा जाता थाकि भाराब के मुकद्दमें जितने आपने पिछले साल बनाए थे उतने इस साल भी

बनाओं। मुकद्दमा वही बनाओं, जो सच्चा हो, झूठे मुकद्दमें न बनाओं। ऐसा करने से भ्रश्टाचार बन्द हो गया। यह सब कुछ चौधरी देवी लाल की सरकार में हुआ है।

स्पीकर साहब, मै ज्यादा टाईम नही लेना चाहता हूं लेकिन मेरी एक सुजै ान है, उसको मै चीफ मिनिस्टर साहब और सिंचाई मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं। एम०आई०टी०सी० किसानों पर बहुत बड़ा बोझ है। मै चौधरी देवी लाल जी से और सिंचाई मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वह कार्पोरे ान किसानों से खाल बनाने की साढ़े सताईस परसैन्ट डिपर्टमैंट का खर्चा चार्ज करती हैं इसको सिंचाई मंत्री महोदय ने कभी चैक नही किया है। किसानों पर साढ़े सौलह परसैन्ट ब्याज पड़ता हैं ब्याज पर ब्याज पड़ता है यानि कुल मिला कर 150 परसन्ट खर्चा देना पड़ता है अगर उनके 100 रूपये लगे है तो हमसे 250 रूपये चार्ज करते हैं तीन एकड़ जमीन पर जो का त करता है उसकें 180 रूपये देने पड़ते हैं इतना ब्याज तो कोई भी वसूल नही करता है। ज्यादा से ज्यादा 14 परसैन्ट ब्याज वसूल किया जात है परन्तु एम०आई०टी०सी० ने तो सब को पार कर दिया है। इसलिये मै मुख्य मंत्री जी से और सिचाई मंत्री से निवेदन करूंगा कि इसको कम किया जाये। हम वर्ल्ड बैंक से एक परसैन्ट ब्याज पर पैसा लेते है तो किसान से साढ़े सोलह परसैन्ट क्यो चार्ज किया जाता है? यह बन्द होना चाहिए। इसकों घटा कर एक परसैन्ट किया जाना चाहिए। किसानों से सौ रूपये

की जगह 250 रूपये वसूल नही कियो जाने चाहिए। इन भाब्दों के साथ मै एक बार फिर आपके द्वारा सरकार से निवेदन करूंगा कि जो सुझाव मैने दिए है, उन पर पूरी तरह से गौर किया जाए।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (उचानाकलां): अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के एड्रैस पर इतनी चर्चा हो चुकी है कि अब भाायद कोई और सदस्य बोलने वाला नही है। मै ही आखिरी बोलना वाला हूंगा। ट्रैजरी बैचिज के साथियों ने भी इन अभिभाशण पर अपने विचार रखे। इस अभिभाशण को सरकार तैयारकरती है, कैबेनिट या मुख्य मंत्री जी के निर्दे ा पर कैबेनिट सैक्रेटरीज उसको भाक्त दते है। ट्रेजरी बैचिज की ओर से यह बात कही गई है कि यह अभिभाशण बड़ अच्छे आंकड़ों से और बड़े अच्छे ढ़ग से पे ा किया गया। इसमें कहा गया है कि हरियाणा की जनता पार्टी गरीब आदमियों के लिये और किसानों के लिए बहुत काम करेगी। इसमें एक बात तो सही है कि एक घटक को छोड़कर मुख्य मंत्री और दूसरे मन्त्रियों की तो नीयत साफ है कि किसानों की जरूर भला हो, गरीबों का भला हो लेकिन इस घटक की नीयत साफ नही है। (विघ्न)

मै घटक के बारें में और ज्यादा एक्सप्लेन करूंगा तो ये और भी ज्यादा नाराज हो जायेगे। इनके बहुत बड़े बड़े लीडर्ज भी घटक की बातें कर रहे है। श्री मधुलिमये जैसे लीडर भी आज घटक की बातें कर रहे है मेरा कहने का मकसद यह है कि जनता पार्टी लोगों से वायदा करके आई थी कि हम कांग्रेस से अच्छा

भाासन देगे और इसी कारण से लोगों ने जनता पार्टी को वोट दिये थे लेकिन आज तक जनता पार्टी इस बात कोई सबूत जनता के सामने पे ा नही कर पाई है। केन्द्रीय सरकार ने भी कोई ऐसा कार्य जनता के लिये नही किया जिससे जनता महसूस करें कि कांग्रेस से जनता पार्टी अच्छी है।

आदरणीय राश्ट्रपति महोदय ने खुले आम रेड़ियों पर और पालियामैंट के दोनों सदनों में एड्रैस करते हुए सरकार की कमिया बताई थी लेकिन गवर्नर साहब के एड्रैस में सरकार की तारीफ करने के सिवाये कुछ भी नही हं अगर जनता पार्टी की सरकार पुराने रीति–रिवाजों को तोड़ना चाहती ह तो गवर्नर साहब के एड्रैस में यह बात आनी चाहिए थी कि हरियाणा सरकार फ्लड को रोकने में ना–कामयाब रही है, हरियाणा सरकार एस०वाई०एल० का पानी लेने में ना–कामयाब रही है और गरीब देहातियों को रोजगार देने में ना–कामयाब रही है तब यह कहा जा सकता था कि यह सही ढंग से एड्रैस तैयार किया गया हैं स्पीकर साहब बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मुख्य मंत्री जी की नीयत साफ होने के बावजूद भी वे गरीब किसानों के लिये कुछ नही कर पा रहे है। भाहरों की अपेक्षा गांवों में कोई खास तरक्की नही हो रही है।

श्री अध्यक्षः आप वाईन्ड–अप करें।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमारे आदरणीय उद्योग मंत्री जी ने यहां कहा कि तीस साल से वे स्वच्छ राजनीति में रहे है। उन्होने यहां हाउस में बहुत लान्छन लगाये कि कांग्रेस ने दे ा को लुटा। मै साफ बताउंगा कि वे कैसे स्वच्छ राजनीति में रहे है। जब डाक्टर मंगल सैन जी होम मिनिस्टर थे तो हमारे यहां लड़ाई हो गई और एक आदमी मारा गया एस०पी० को टेलीफोन किया और जब एस०पी० नही मिला तो डी०एस०पी० को टेलीफोन किया कि कांग्रेस (आई) का एम०एल०ए० भी भाामिल है, इसकों भी रगड़ो मै यह बात इसलिए कह रहा हूं कि उन्होने उत्तर दिया था कि हम जनता की सेवा के लिए टूर करत हैं मै इस बारें में यही कहूंगा कि वे 352 गांवों मं तो जरूर गये होगे लेकिन उनमें से एक का भी वे नाम बता दे तो मै तो कहे वह सजा भुगतने के लिये तैयार हूं। चौधरी देवी लाल की सरकार में पूंजीपतियां के ऐजेन्ट बने बैठे है।

सहकारिता एवं दुग्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंअ आफ आर्डर है। क्या कोई मैम्बर किसी मिनिस्टर पर इस तरह से लान्छन लगा सकता है? यह उचित बात नही हैं यह हाउस की कार्यवाही से एक्सपंज होना चाहिए।

Mr. Speaker: The hon. Member is insisting on his thing. I cannot get it expunged unless the Government benehes would like to give me anything in writing.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल की सरकार में गांव के गरीब लोगों और किसानों की भलाई के कार्य करने में सब से बड़ी अड़चन एक ही है कि यह सरकार पूंजीपतियों और सरमायेदारों और साम्प्रदायिक तत्वों से घिरी बैठीर है और वे लोग किसानों और गरीब लोगों को भला नही होने देते।

हमारे दे ा में एक लड़ाई यह चल रही थी कि भाहरों में बड़े अमीर आदमी रहते है ओर गांवों में बड़े गरीब आदमी रहते है इस अमीर और गरीब के फर्क को हम मिटाना चाहते थे लकिन इन चालाक लोगों ने उस लड़ाई को भाहर से हटा कर गांवों मैं चालू करवा दिया हैं इस बोरं में मुख्य मंत्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूं कि अगर वे गावों की भलाई चाहते है कि हरियाणा में 20 नोटिफाइड एरिया कमेटीया है.....(व्यवधान)

श्री मूल चन्द मंगलाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। हाउस में भाहरी और देहाती की बात करना भाोभा नही देता। ये तो भाहरी और देहाती को लड़ाने वाली बात कर रहे है।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः आप सदियों से उनका भाोशण करते चले आ रहे हो, इसलिये आज आप को तकलीफ हो रही है।

स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी को सुझाव देना चाहता हूं कि हरियाणा में 20 नोटिफाइड एरिया कमेटिया है।

उन नोटिफाइड एरिया कमेटियों की आबादी से ज्यादा आबादी वाले 200 गांव हरियाणा में है लेकिन सरकार की तरफ से उनकों तो सहूलियतें प्रदान की हुई है लेकिन गांवों को नही दी हुई है। इसलिए मै मुख्य मंत्री जी से रिकवैस्ट करूंगा कि जिन गांवो की आबादी पांच हजार से ज्यादा है उनकों भी वही सहूलियतें दी जाये जो उनको दी जाती है जैसे बिजली, पानी, सीवरेज, अस्पताल और स्कूल गांवों में भी माडल स्कूल के तरीके से स्कूल बनाये जाये।

श्री अध्यक्षः बिजली और पानी की सहूलियत 5,000 से कम की आबादी वाले गांव को मिलनी चाहिए, क्या आपका यह मतलब है?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः वह तो मिलनी ही चाहिए लेकिन जो टैक्स 13 म्युनिस्पिल कमेटियों को ग्रान्ट वगैरा देने की वजह से लगाना पड़ता है, इनमें वह नही लेना चाहिए साढ़े 13 परसैन्ट टोटल बजट का इन 13 म्युनिस्पिल कमेटियों को ग्रान्ट और लोन की भाक्त में जाता है। अगर यह पैसा इन्हें न देकर उन गांवों को जिनकी आबादी 5,000 से ऊपर है, उनकों दिया जाये तो वहां पर वे तमाम सहूलियात पहुंच जाये जिनकी उन्हें तमन्ना हैं उससे एक सपना जो सरकार ने देखा था, मै सरकार का सपना नही कहता, मै उसे मुख्य मंत्री महोदय का सपना कहता हूं, या उनक कुछ साथियों का सपना कहता हूं, वह साकार हो सकता है। जब किसान को यह महसूस हो कि उसके लिये यह सरकार हमदर्दी के

साथ दिल के साथ कुछ काम रही है, तभी यह सपनापूरा हो सकता है लेकिन स्पीकर साहब अफसोस है.....(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please wind up now.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः इन सार प्रयत्नों के होते हुए भी आज राज्य के अन्दर ला एण्ड आर्डर की इतनी खराब हालता हो चुकी है कि मुझे कहते हुए बड़ा अफसोस होता है। पहले तो यहां पर आदमी ही डाके डालते थे लेकिन अब औरतें भी डाके मारने लग गयी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि यहां पर इतनी खराब ला एण्ड आर्डर की हालत हो गयी है कि कोई आदमी सेफ नही रहा सकता.....

Mr. Speaker: Please have your seat and I will now request the Hon. Chief Minister to reply to the Debate.

Ch. Birender Singh: Half-a minute more, sir.

Mr. Speaker: Please take your seat now. I have already given you five minutes more.

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): मोहतरिम स्पीकर साहब, जो गवर्नर साहिब के ऐड्रस पर प्रस्ताव चौधरी खुर ाीद अहमद ने मूव किया और जिसकी बहिन सुशमा ने ताईद की, उसकी बहस के दौरान मैने अपने साथियों के विचार सुने और मुझे बड़ी खु ाी महसूस हुई कि मिले–जुले ख्यालों के साथ ही एक ख्याल चाहे वह अपोजी ान का बोलने वाला था या ट्रेजरी बैन्चिज का, यह

आया कि इस सरकार ने काफी अच्छे काम किये है (थम्पिंग).....
...मै भाई बीरेन्द्र सिंह जी को मुबारिकवाद देता हूं कि उन्होने इस चीज को तो माना कि सरकार का जो सपना है, वह पूरा होना चाहिए। हमारा सपना यह है कि हरियाणा तरक्की करें और उस तरक्की में सभी लोग फले फूलें। लेकिन अफसोस इस बात का है कि इतना कुछ करने के बावजूद अपोजी ान बैन्चिज की तरफ से कुछ एतराजात आये है, उनका जवाब देना मै कुछ जरूरी समझता हूं। राव बीरेन्द्र सिंह जी ने यह कहा कि हैड वक्सर्ज का कन्ट्रोल जो हम अभी तक नही ले पाये है। यह हैड वर्क्स का कन्ट्रोल मेरे समय का नही, मेरे से पहली जो सरकार थी, यह उसक जमाने का है। यह उसका भी काम था। हम इसके लिये पूरी जद्दोजहद करते रहे हैं मै राव साहब को यह तसल्ली दिलाना चाहता हूं कि यह अभी की बात नही, आज से बहुत दिन पहले हमारे प्राईम मिनिस्टर साहब ने एनर्जी मिनिस्टरको यह कह दिया था कि यह कन्ट्रोल जो है यह बी०एम० को दिलवाया जाये। इसके लिये हम गाफिल नही है, हम अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा कर रहे हैं एस०वाई०एल० की बाबत भी उन्होने कहा। हम एस०वाई०एल० की बाबत भी उन्हें यह बताना चाहते है कि यह बड़ी मुद्दत से चीज चल रही है, हम उसके लियेभी पूरी कोि ा ा कर रहे है। उसकी बाबत यह कहा जा रहा है कि कही दोस्ती की वेदी पर हरियाणा का इन्ट्रैस्ट कुर्बान न कर दिया जाये, आप तसल्ली रखे कि कभी ऐसा मौका आया तो मै आपसे इस मामले में आगे मिलूंगा और मेरी सरकार भी आगे मिलेगी हम इसके लिये पूरी कोि ा ा कर रहे हैं कई

दफा प्राईम मिनिस्टर साहब के नोटिस में आ चुका है, कई दफा हमारी बकायादा मीटिगं भी हो चुकी है और अभी हम सैन्ट्रल सरकार पर अपनी तरह से पूरा दवाब डालने का यत्न कर रहे है कि एस०वाई०अल० की खुदाई का काम जल्दी से जल्दी हो। इस साल हमने इस एस०वाई०एल० के लिये 16 करोड़ रूपये रखे भी है।

अब उसे बाद ला एण्ड आर्डर की बाबत मै कहना चाहता हूं। ला एण्ड आर्डर का बड़ा सवाल उठाया गया। मै समझता हूं कि इससे अच्छा ला एण्ड आर्डर हो नही सकता। आपकों हमारी इस सरकार की पुलिस की दाद देनी चाहिए कि उसने 17 लाख रूपये का स्मगलिग का सोना पकड़ा और हमारी पुलिस ने उसके साथ ही पाकिस्तान से आये हुए कुछ लोगों को जिन्होने भिवानी बैक में डाका मारा थ उसी दिन गिरफतार कर लिया। यही नही 17 गैग भी हमने पकड़ै है। इसके साथ ही यहां पर यह कहा गया कि कत्ल के केसिज बढ़ गये है। पहले यह होता था कि कत्ल हो जाता था लकिन उसकों रजिस्टर नही करते थे लेकिन अब सही मायनों में केसिज रजिस्टर होते है। पहली सरकार की तरफ हम गलत रिपोर्ट दर्ज नही करते। होता खुदक ाी का केस था, उसको कत्ल को केस बनाकर लोगों से रूपया ऐठा जाता था और उसको भी रजिस्टर नही किया जाता था। पहले होता यह था कि कत्ल हो जाते थे लेकिन केसिज को राजिस्टर नही किया जाता था। इसके अलावा 293 जो कत्ल हुए

है उनमें से 213 केसिज में मुलजिम पकड़े जा चुके है। इससे ज्यादा हमारी पुलिस और क्या कर सकती है? यही नही 107/151 दफा का पहले बहुत यूज होता था। पहले 48,000 लोगों केा इस दफा के तहत गिरफतार किया गया था। लेकिन हमने सिर्फ 24,000 लोगों को ही और वह भी अमनोअमान को कायम रखने के लिये पकड़ा था (व्यधान व भाोर).....यहां पर यह भी कहा गया कि जितने भी कमी ान बिठाये गये है उनकी रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नही हुई है। मै आपकी मार्फत राव बीरेन्द्र सिंह और चौधरीर सुरजेवाल को यह याद दिलाना चाहता हूं कि रिवासा काड जो है, इसे हमने ही उठाया था और कांग्रेस सरकार के टाईम पर यह कांड हुआ था। यह सारे हिन्दुस्तान में एक इ ा बन गय था। बार–बार हमने वहां पर पब्लिक मीटिगे की लेकिन कांग्रेस सरकर ने उस एजीटे ान की कोई परवाह नही की। हमने गवर्नमैट बनते ही वहां के लिये भी एक कमी ान बनाया कमी ान की रिपोर्ट आने के बाद हमने वहां के एस०पी० और डी०सी० के खिलाफ दफा 302 के तहत केसिज दर्ज किये है और इस वजह से अपोजी ान के बैचिज मूं भी घबराहट आयी है पिपली और नगीना कांड की रिपोर्ट आने के बाद हमें कैबिनेट लेवल पर फैसला करना पड़ा। हमने दो डी०एस०पी०, दो एस०डी०ओ० एक बी०ओ०डी० और 5 कांस्टेबल्ज सस्पैण्ड किये है और उनके खिलाफ महकमाना कार्यवाही की गयी हैं इसके अलावा यहां पर यह भी कहा गया कि मिनिस्टरी बहुत बड़ी है। यह भी कहा गया कि एम०एल०एज० को कारपोरे ानज का चेयरमैन बनाकर लालच दिया जा रहा है। यह

पोलिटीकल कुरप् ज्ञन की जा रही है। मै राव साहब से पूछना चाहता था, वह तो है नही। सुरेवाला जी भी उस समय मंत्री थे, जब इनकी वजारत थी, तो उसको छोटा करने के लिये मै लड़ाई लड़ा करता था, मुझे तभी पता लगा जब इन्होने दिल्ली जाकर 8 मिनिस्टर और बना लिय और 27 मिनिस्टर इस तरह से उनके बन गये थे। मेरी मिनिस्ट्री में तो सिर्फ 15 ही हैं स्पीकरसाहब, जहां तक मैम्ब्र्ज को चेयरमैन बनाने का ताल्लुक है मै यह समझता हूं कि जितनी भी हमारी कारपोरे ान्ज थी, उनका पहले हाल यह था कि कही कोई इन्तजाम नही था। हाउस में पिछली दफा एक सवाल भी आया था। उसके बाद पब्लिक अन्डरटेकिग्ज कमेटी भी बनाई गयी थी। उसका इलैक ान भी हुआ था। उसका चेयरमैन अब मेरे कंस्ट्रक्टिव क्रिटिक लाला बलवन्त राय तायल को बनाया गया हैं इन पिछड़े हुए हालात को देखते हुए मैने डैमोक्रेटिक ढंग से यह ठीक समझा कि एम०एसल०एज० के ऊपर जिम्मेदारी डाली जाये। मैने एम०एल०एज० के ऊपर यह जिम्मेवारी इसलिये डाली है क्योंकि वे पब्लिक के सामने जवाद देह तो है। अफसर अगर वहां पर हो तो वहा किसी के सामने जवाब देह नही है। उनकी तनुख्वाह और अलाउन्सिज के बारें में जो यहा कहा गया कि 10 हजार रूपयाएक चेयरमैन पर खर्च आता है, यह बिल्कुल गलत बात हैं उनके ऊपर सिर्फ 1000 से 2200 रूपये तक खर्च आता हैं मै आपकी मार्फत यह बात आपके नोटिस में लाना चाहता था कि इस किस्म की गलत ब्यानी करना मुनासिब नही हैं बहिन सुशमा जी ने यह कहा कि एड्रैस तो ठीक है लेकिन उसमें स्पैसिफफिक आंकड़े

नही हैं आंकड़े देने के बाद तो यह एक रिपोर्ट बन जाती है। जनरल वे में तो बहिन सुशमा जी ने भी इस गवर्नर साहब की तकरीर को पसन्द किया है। श्री सुरेन्द्र सिह जी ने यह कहा कि पैदावार की कीमते घटती जा रही हैं इसके बारें में तै सुरजेवाला जी को यह याद दिलानाचाहता हूं कि हमने जितने आंकड़े दिए है वे सही दिए है यह मै मानता हूं कि कीमतें नही बढ़ाई जा सकी है ओर मै यह भी मानता हूं कि गन्दम के भाव के बारें में हमने लड़ाई लड़ी थी और हमने मोर्चा लगाया था औरहमें पकड़ कर जेल में डाल दिया गया था। उस वक्त गन्दम का भाव 77 रूपया था। उसके बाद 105 रूप्ये हुआ और आज 112 रूपए है। भाव बढ़ता ही जा रहा है। हम गन्ने की बाबत मानते है, हम कपास की बाबत मानते है कि भाव कम है लेकिन मै सदन को बताना चाहता हूं कि हम सिर्फ कीमत ही नही बढ़ाना चाहते बल्कि पैदावार भी बढ़ाने की कोि ा ा कर रहे है और इसके साथ ही साथ भाव के लिये भी कोि ा ा कर रहे है। आज से पौने दो महीने पहले जब चौधरी चरण सिंह ने फाइनेन्स पोर्टफोलियों सम्भाला था तो पांच सूबों के चीफ मिनिस्टर मिले थे और अभी पिछले दिनों 14 तारीख को 14 चीफ मिनिस्टर इकट्ठे होकर गए थे और उन्होने कुछ सुझाव चौधरी साहब के सामने रखे थे और उनमें से कुछ सुझाव माने गए थे जिनसे इम्पोर्ट बन्द होगी और ऐक्सपोर्ट बढ़ेगी और इस तरह से कपास के भाव बढेगे और दूसरे अनाजों के भाव बड़ेगे। इसे साथ ही साथ पैदावार का जहां तक ताल्लुक है, मै कुछ आंकड़े पे ा करना चाहता हूं। इसी हाउस में कुछ आंकड़े

पढ़कर सुनाए गए। कितनी गलत रिपोर्ट उन्होने हमारे सामने पे ा की थी। स्पीकर साहब, 1965–66 में 19 लाख 85 हजार टन पैदावार थी जिसकों इन्होने 85 लाख बता दिया। उसके बाद 1966–67 में 25 लाख 92 हजार थी। 1967–68 में 39 लाख टन थी और 1968–69 में 27 लाख 64 हजार टन हुई और जब हमने जिम्मेवारी सम्भाली थी उस वक्त 50 लाख 38 हजार हजार टन थी और आज 53 लाख 61 हजार टन है और इससाल 58 लाख 78 हजार है और मै उम्मीद करता हूं कि योजना के खत्म होने तक 65 लाख का नि ाना पूरा कर पूरा कर लेगे। जहां भाव घट रहे है वहा पैदावार बढ़ा कर आमदनी बढ़ा रहे है और इस हिसाब के मुताबिक 6 लाख टन की पैदावार बढ़ी है। जिसका मतलब यह है कि तकरीबन 60 करोड़ रूपया लोगों की जेबों में गया हैं स्पीकरसाहब जहां तक किसानों की सहुलियत देने का सवाल है हमने इनकों हर किस्म की सहुलियत पहुंचाई हैं दो साल में तीन करोड़ रूपये की हमने सबसिडी दी है और इसके अलावा स्पीकरसाहब, मैने यह नारा दिया था भ्रश्टाचार बन्द पानी का प्रबन्ध। स्पीकरसहाब, इनकी तरफ से बी सूत्री प्रोग्राम का नारा लगाया गया थ अैर कहा गया था कि मेरे हाथ में राज दो मै गरीबी हाटाउंगी और मेरे से बीस सूत्र होगे। फिर इनके संजय पीछें क्यों रहने लगे। उन्होने कहा कि चार मेरे सूत्र हैं इस तरह से चार बेटे के और बीस मां के सूत्र बताए गए और ये दोनों मिलकर 420 बन गए। हमने 420 की बात नही की, हमने तो दा हरफी बात की थी पानी का प्रबन्ध करेगे और भ्रश्टाचार बन्द

करेगे और स्पीकरसाहब, पानी का प्रबन्ध इस हिसाब से किया, पिछले दिनों जींद में एक जलसे में मैने लोगों से पूछा कि चौधरियों पानी पिछले साल से अच्छा है या नही उन्होने कहा कि चोधरी साहब हुत अच्छा है ओर इस साल तो पिछले साल से अच्छा है या नही उन्होने कहा कि चौधरी साहब बहुत अच्छा है और इस साल तो पिछले साल से भी अच्छा है। स्पीकर साहब अगले साल मै तोबा करवा दूंगा और यह साबित भी कर दिया हैं आप टोहाना से लेकरबंडोपल, गोरखपुर, पाबड़ा इस नहर पर जाइए। आप मदीना, मैहम पर जाइए। आपको इसका सबूत मिल जाएगा। भिवानी ब्रान्च में सीपेज भुरू हैं हम इस सीपेज को खत्म करने के लिये कदम उठा रहे है और इसको दूर करने के लिए करोड़ो रूपया खर्च करने जा रहे हैं पहली सरकार ने जो कुछभी नही किया था। यह तो खजाना खाली करके गए थे। 48 करोड़ रूप्ए का कर्जा छोड़कर गए थे हमने सीपेज को रोकने के लिए 191 करोड़ रूपया वर्ल्ड बैंक से लेकर काम भुरू किया है। पिछले दिनों वाटर कोर्सिज को लाइनिग करने के लिए उद्घाटन किया गया है और हम इस काम पर करोड़ो रूपया खर्च कर रहे है ताकि किसान की पैदावार बढ़े। जहां पानी ज्यादा है वहां इन्तजाम कर रहे है कि सीपेज न हो। वहां सारी जगह लाइनिग का इन्तजाम कर रहे है। नई–नई स्कीमें चालू की जा रही है और उस स्कीम के मुताबिक भिवानी के इलाके में भी भुरू कर रहे है। चौधरी सुरेन्द्र सिंह तो इस काम की तारीफ कर रहे है पता नही राव बीरेन्द्र सिंह पीछे क्यो है। राव बीरेन्द्र सिह तो मुखालिफत कररहे

हैं इनके इलाकें में स्प्रीकलिंग इरीगे ान स्कीम चल रही है और वहां पर लोग वाह–वाह कर रहे है। किसान की सहुलियत के लिए हमने पानी का प्रबन्ध किया हैं पानी का ठीक प्रबन्ध होने से पैदावार बढ़ी है। पैदावार के भाव बढ़ाने की हामरी कोि ा ा है लकिन इसके साथ ही साथ यह भी जरूरी है कि किसान की ज्यो–ज्यो पैदावार बढ़े, उसको अच्छा मूल्य मिले और दूसरी सहुलियते उनकों दी जाए। स्पीकर साहब, हमने सिर्फ बात ही नही कि बल्कि हमने हर बात पर अमल कियाहैं हमने सवा छः एकड़ पर लागन माफ कर दिया भाम ोर सिंह जी, मैने इतना ही कहा था कि ट्रैक्टर किसान का गड्डा है। लोगों ने इसका मतलब यह ले लिया कि भाायद हमारा टोकन अैक्स माफ कर दिया गया हैं इस पर सवारियां जा सकती है, चालान नही हो सकता। चालान की बजाए पैनेल्टी लगने लगी तो चर्चा होने लगी कि यह तो किसानका गड्डा है पैनेल्टी क्यो लगने लगी। सुरजेवाला जी प्रजातन्त्र जो लोक राज है वह लोक लाज से चलता है। डंडे से नही चलना चाहिए। मैने 150 रूपया टोकन टैक्स का माफ कर दिया। स्पीकर साहब, खाद और बीज का मैने पहले ही कह दिया है। इसके साथ ही साथ अनाज को संभालने के लिए हमने यह इंतजाम किया है कि हर इलाकें के अन्दर गोदामहों ताकि वह अपने अनाज को रख सकें और उसकों बेचना न पड़े। जब उनकों बहुत ज्यादा जरूरत हो तो अपने अनाज का 75 परसैन्ट गोदाम मे रखकर उसके अगेन्सट 75 परसैट पैसा लेकर अपनी जिन्दगी की जरूरत को पूरा कर सके। इसके साथ ही साथ मुखतलिफ

डिवैलपमैंट के कामों की बाबत बताना चाहता हूं। मेरे साथी भांकर लाल ने यह कहा कि मेरे हल्के में कोई भी सड़क नही मिली और मेरे हल्के में कोई स्कूल अपग्रेड नही हुआ। स्पीकर साहब, इनके हल्के में चार सड़क बन चुकी है और पांच सड़क जेरे तामीर है। यही कार कौड का मिडिल स्कूल को हाई स्कूल बना दिया है। इन्होने यह भी कहा कि सिरसा में हरिजन मोहल्लों और गरीब लोगों के मोहल्लों की तरफ कोई तवज्जह नही दी गई हैं मै सदन को बतना चाहता हूं कि सिरसा, रोहतक जहां कही भी यह रूपया दिया गया है दस लाख में दो लाख उन मोहल्ले के ऊपर खर्च करने की खास आदे ा दिया है और इसके साथ ही साथ जो चालीस–चालीस साल के कब्जे थे उन्हें मालिकान हकूक देकर आया हूं। स्पीकर साहब, इनके यहां इतने काम किए है। स्पीकरसाह, उस वक्त जनता मूव थी इसलिए चुकर आ गए वरना इन्का असैम्ब्ली में क्या काम था। आगे भी खड़े थे और जमानत जब्त हुई थी और आज ये सरकार की आलोचना करते है खैर ऐसा हीवक्त है। श्री बृजमोहन जी ने कहा कि जगाधारी रोड़ पर पुल का इन्तजाम नही है। स्पीकरसाहब, जगाधारी रोड़ पर पुल बन रहा है। इसके साथ–साथ अभी पिछले दिनों अम्बाला में सत्तर लाख के पुल का उद्घाटन करके आया हूं। श्री ि ाव प्र ाद वहां पर मौजूद थे। टांगरी के पुल को भी सत्तर लाख की लागत से बनेगा, उकस भी उद्घाटन करके आया हूं और इसी तरह से अम्बाल के इलाकें में करकांडा पर पचास लाख का पुल बनाया जाएगा। अब मै चौधरी पोहलू की तरफ आत हूं। इन्होने कहा कि

मेरे यहां कोई सड़क नही बनी है और कोई स्कूल नही बना है। स्पीकर साहब, 39 गांवों में से 35 गांवों में सड़क जा चुकी है। चार बाकी रहते है। वहां पर भी काम चालू है। जहां तक स्कूल का ताल्लुक है, मेरी कोि ा ा है (व्यवधान)। राव राम नारायण ने ि ाकायत की कि मेरे इलाके को नजर अन्दाज किया जा रहा है, मेरे इलाके के साथ डिस्क्रीमिने ान की जा रही है। स्पीकर साहब, इनके 14 गांवों में से दस गांवों में तो लिक रोड़ जा रही है और जो बाकी गांव इनके इल्के में रहते है वहां पर भी काम भाुरू हैं उन्होने खु ाी जाहिर की कि चौपाल ते सब जगह बन रही है लेकिन सभी मिलजुल कर फायदा उठांए। स्पीकर साहब, मै आपकी मारफत उनके इलाके की बाबत कहना चाहता हूं कि चौपाल हम सभी इलाकां मै बना रहे है और सब को तेजी से बना रहे लकिन जहां पर हल्के के मैम्बर दिलचस्पी न ले वहां बड़ी मुि कल है। इसलिए मैने इंट्रैस्ट क्रिएट कियाथा कि वहां एम०एल० के नाम से फाउन्डे ान स्टोन रखा जाए लेकिन हमारे राव साहब को एतराज यह है कि देवी लाल का नाम क्यो आए। स्पीकर साहब, मै क्या करूं, मुझे लोगों ने चीफ मिनिस्टर बना दिया। वह तो यही कहेगे कि फला चीफ मिनिस्टर के वक्त में उद्घाटन हुआ है। इसलिए इन्होने अपने इलाके में चौपाल नही बनाई हालांकि इन हर डिप्टी कमि नर को पांच दस लाख रूपया पे ागी भेज चुके है।

स्पीकर साहब, भाई इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि फूड फार वर्क एक बेगार है, इन्हे तो सुपीरिअरैलटी कम्पलैक्स है, इन्हे तो

यह बेगार ही नजर आता है। ये बठल थोड़ा उठा सकते है ये कस्सी उठा सकते है मैने यह फैसला किया है और गांव गांव में जाकर यह कहता हूं कि आपकाम राके, आपकों अनाज मिलेगा। और वह भी 100 रूपये क्विटल के हिसाब से जबकि बाजार में गन्दम को रैट 120 से 125 रूपये क्विटल है। अगर इस हालत में भी कोई काम न करें तो स्पीकरसाहब, फिर सरकार क्या करसकती है। इसी सिलसिलें में हमारी सरकार अन–एम्पलायड एजुकेटिड के लिये रूरल इंडस्ट्रलाइजे ान का प्रोग्राम भुरू कर रही है। इसी 15 तारीख को हमरे सारे मंत्री और सभी बैकों के मैनेजर, इंडस्ट्री आफिसर, लेबर–आफिसर वहां पर होगे अैर उसी जगह पर हु एक साथ ही अपना काम भुरू करेगे और लोगों को कर्जा भी देगे। हरेक काम की सुविधा के लिए कोि ा ा की जा रही है।

स्पीकर साहब, सन्त कंवज जी ने यह मांग की थी कि जो पब्लिक स्कूलज है उन्हें बंद कर दिया जाएं। यह सवाल हामरी नै ानल कौसिल में भी आया था। उस वक्त बाबू जगजीवन राम जी ने भी यह कहा था कि स्कूल बन्द होने चाहिये क्योंकि गरीबों के लड़के वहा पर नही जा सकते। मै भी इ तजवीज का हिमायती था लेकिन यह तजवीज कामयाब नही सकती, कुछ हालात ही ऐसे है लेकिन मैने इन स्कूलों के मुकाबले में क्वालिटी स्कूलज् खोले है जिन में देहात के गरीबों के बच्चे और गरीब हरिजनों के बच्चे अपनी ि ाक्षा पा सकेंगे और उन में ि ाक्षा का स्टैन्डर्ड वही होगा जोकि पब्लिक स्कूलों मे होता है जैसा कि राई का पब्लिक स्कूल

है। राई के स्कूल में दाखिले के वक्त यह किया गया है कि मैरिट के साथ साथ स्पोटर्सको भी ध्यान में रखा जाए ताकि गरीब और हरिजन बच्चों को दाखिले के वक्त किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो और उन्हें भी उच्च ि ाक्ष प्राप्त हो सके। इसी बात को देखते हुए, मैने मास्टर चन्दगी राम जोकि भारत का नही बल्कि दुनिया का एमा माना हुआ स्पोर्टमैन है, उसको वहां का एडी ानल डायरैक्टर स्पोर्टस लगा दिया है और इस काम के लिये और ज्यादा फण्डज रख दिये है।

स्पीकर साहब, सुरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि भिवानी के ऊपर जो खर्चा हो रहा है जो काम चल रहा है, उसको बन्द किया जा रहा है। मै यह बताना चाहता हूंकि हम किसी काम को बन्द नही कर रहे, हम ऐसे खर्चे को बन्द कर रहे है जो बिल्कुल फिजूल है जैसा कि सोनीपत में 13 सैट का और भिवानी में 18 सैट का रैस्ट हाउस हैं पिछले दिनों कुदरती मुझे वहां पर ठहरना पड़ गया, वैसे मै अमूमन गांवों में ही ठहरता हूं, बारि ा की वजह से मुझे वहां पर ठहरना पड़ गया। मैने वहां का सारा हिसाब किताब मंगवाया और उस हिसाब किताब को देखकर हैरान रह गया कि इनकी मेनटीनेन्स का जा खर्चा है वह 1 लाख 30 हजार है और इनसे जो आमदन होती है वह केवल 16 हजार है। ऐसे काम जो इनक बाप ने कर रखे थे, इनकों तो जरूर रोकूंगा। इसी तरह से जितने तो तरक्की के काम होगे उनकों तो और बढ़ाया जाएगा। पानी के काम को बढ़ाया जाएगा। मै यह मानता हूं कि

भिवानी पिछड़ा हुआ इलाका है, इसके ऊपर और ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसक साथ साथ स्पीकर साहब, मै हाउस को यह बता देना चाहता हूं कि हम लिफ्ट इरीगे ान के ऊपर पूरा जोर दे रहे है और मौजूदा साल में स्प्रिकलिग इरीगे ान का काम जो है, वह पिछले साल क मुकाबले दोगुना हो चुका है।

स्पीकर साहब, अब मै चौधरी भाम ेर सिंह जी की बात का जवाब देना चाहता हूं। उन्होने बोलते हुए कहा कि पैदावार आगे से कम हुई है। पिछले कुछ सालों की पैदावार के आकड़े मै यहां पर बता देता हूं। सन् 71 में 47 लाख 71 हजार टन पैदावार थी और इस साल 61 लाख 78 हजार टन हो गई है। यह मैने मोटा–मोटा जवाब दिया हैं इसी बारें में हमारे डाक्टर मंगल सैन जी ने काफी कुछ बताया है।

स्पीकर साहब, अब मै आपकों यह बताना चाहता हूं कि हमारी अचीवमैट्स क्या है। जिन दिनों हमारी जनता सरकार ने जिम्मेवारी सम्भाली, हमारा खजाना बिल्कुल खाली था। हमारे ऊपर 48 करोड़ रूपये का कर्जा था और फिर उसक साथ साथ सारे हरियाणा में बाढ़ भी आ गई थी। एक तिहाई हिस्सा हरियाणा का बाढ़ की लपेट में था। कही पर आने जाने का कोई साधन नही था। इस काम के लिये हमने पहले के मुकाबले में कही ज्यादा रूपया खर्च किया है। पहले केवल 2 करोड़ से ज्यादा रूपया खर्च नही हुआ था और इस साल हमने 19 करोड़ रूपया खर्च किया है और यह इसी ढंग से खर्च करते रहेगे। हमने बाढ़ों के बचाव क

लिये बड़ा कुछ किया और आगे करते आएंगे इस बारे में मै अपने भाई खुर ाीद जी को बता देता हूं कि आइन्दा के लिये यह जो फलड की जहनत है, यह रहमत साबित होगी। हमने कई जगहों पर बांध भी बना दिये है। इस बार मै कई गांवों के अन्दर गया वहां देखा अब च्चे आरम से धूम फिर रहे हैं अगर इस प्रकार का प्रबन्ध सरकार की तरफ स नही होता तो सारे के सारे गांव पानी मे डूब जाते। स्पीकर साहब, हमने पानी को म ाीनों से निकाला। जैसा कि यहां पर कई साथियों ने कहा भी है। जहां पर पहल कहत पड़ता था अब वहां पर हरे भरे खेत लहरा रहे अै और मै हाउस को यह बताना चाहता हूं कि पहले से ज्यादा रिकार्ड तोड़ पैदावार होगी। मैने जहमत को रहमत में बदलकर दिखा दिया है और ज्यादा कोि ा ा की जाएगी कि पैदावार और ज्यादा हो।

स्पीकर साहब, एक बात और इस हाउस में बताना चाहता हूं जोकि खेतीबाड़ी से ताल्लुक रखती है। खेतीबाड़ी के लिए बिजली की आव यकता होती है। पिछली सरकार के वक्त में केवल 9 घण्टे बिजली मिलती थी और वह भी रात को, दिन में नहीं थी। चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला ने दिन में कही आसमान में बिजली चमकती देख ली होगी और अब हालत यह है कि 24 घण्टे बिजली मिलती है (तालियां) और इसकी बदौलत हम हर साल 18 हजार ट्यूबवैल्ज के नये कनैक ानज देते जा रहे हैं और इसके साथ साथ हमने पीने के पानी की भी मु ाकलातों को दूर किया है। मेरे बहुत सारे भाईयों को पता होगा कि पहले

हरियाणा में पीने के पानी की बड़ी भारी समस्या थी, लोग जोहड़ों का पानी पीया करते थे। भाई सुरेन्द्र ने भी भाायद जोहड़ का पानी पीया होगा, उससे कई किस्म की बीमारियां हो जाती थी, रारवा और दूसरी नाढ की बीमारियां, मैं भी इन्हीं बीमारियों का ि ाकार राह हूं लेकिन अब ऐसी हालत नहीं है, पीने के लिए स्वच्छ पानी मुहैया किया जा रहा है। अब हमारी सरकार ने यह फैसला किया है कि जहां पर चार पांच गांव हो वहां पर वाटर वर्कस का इन्तजाम किया जाए। 125 वाटर वर्कस पिछले साल बनाये गये है, इस साल और बनाने की कोि ा ा कर रहे है। सुरजेवाला जी, आपने पिंजौर गार्डन व बंगलौर का वृन्दावन गार्डन भी देखा होगा, वही नमूना हम अपने हरियाणा में अपना रहे हैं, मैं आपको बताता हूं कि हर पांच पांच गांव के बीच में छोटा सा वृन्दावन गार्डन होगा, फव्वारे चलते होंगे (तालियां) मेरे पास बड़े लायक इंजीनियर्ज हैं, उनकी काबिलियत दूर दूर तक म ाहूर है। पीछे हमारी एक चीफ मिनिस्टर्ज की कांफ्रेंस हुई थी, उसमें भोख अबदुल्ला ने मुझे कहा कि आप हमें मिस्त्री लाल को दे दो, हम भी अपने वहां खूबसूरती लाना चाहते हैं तो मै। सोचने लगा कि यह मिस्त्रीलाल कौन है, पता करने पर यह पता चला कि श्री एस.के. मिस्त्रा है। लोगों में यह गलतफहमी फैल रही होगी लेकिन मैं हाउस को बता दूं कि मैं सोहना रैस्ट हाउस में ठहरा हुआ था वहां का वातारवरण देख कर मैंने सोचा कि बनाने वाले ने भी यह जगह खूब बनाई। बाई चांस उसी समय मिश्रा साहब आ गये। कहने लगे कि मैं एक्सटैंसन के लिए आया हूं। मैंने कहा

एसक्टैं ान का क्या करोगे जाओ और अपनी जिम्मेदारी संभालो। तो मैं तो काम करने वाले आदमी की कदर करता हूं। स्पीकर साहब, मैं वाटर सप्लाई की बात कर रहा था। पिछले साल के मुकाबिले में हम इस साल वाटर सप्लाई का काम दोगुना कर रहे हैं और मैं इसके लिए सरदार लछमन सिंह को मुबारिकबाद देता हूं कि वे बहुत जोरों से इस काम में लगे हुए हैं। क्योंकि इनको इस काम में बहुत दिलचस्पी है इसलिए मैंने इनको ये दोनों महकमे दिये हैं। जहां तक सड़कों का ताल्लुक है उसके बारे में मैं सुरजेवाला जी को यह कह सकता हूं कि अगली इलैक ान में अगर हमारा कोई उम्मीदवार जीप पर, घोड़े पर या ऊंट पर आए तो वोट न देना यानी अगर वह कार पर न पहुंचे तो वह वोट का हकदार नहीं होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि हम सब जगह सड़कें बना देंगे। जब जगह जगह खु ाहाली हो जाती है तो लोगों का भाराब पीने को दिल करता है। हमने यह भी फैसला किया है कि लोगों की कमाई गलत कामों में न लगे इसलिये हमने प्रोहिब ान लागू करने का फैसला किया है। इस पालिसी के तहत हमने 20 फीसदी भाराब की मिकदार पिछले साल घटायी और 20 फीसदी इस साल घटायी। हमने एक और फैसला लिया है कि भाहरों में जो भाराब की दुकानें हैं इस साल से उनको भी कम किया जाएगा और उनको नीलामी के द्वारा दिया जाएगा। प्रोहिब ान के साथ साथ हम नये स्कूल और हस्पताल भी बना रहे हैं। लेकिन जब कहीं हस्पताल बनाने की बात आती है तो सबसे पहले यहां पर चुटाला का नाम आ जाता है। मैं सदन को बताना

चाहता हूं कि चुटाला एक हिस्टारिकल गांव है और यहां पर उस अकेले गांव के तीन एम.एल.एज. हैं। हर एक एम.एल.ए. यह मांग करता है कि मेरे हल्के में ज्यादा स ज्यादा काम हो तो अगर चुटाला में जहां तक तीन एम.एल.एज. हैं एक हस्पताल बना दिया गया है तो कोई गल्त काम नहीं हुआ है। जब एक गांव से तीन एम.एल.एज. यहां पर हैं तो इसका मतलब यह है कि लोग हमारी कदर करते हैं और वहां पर हमारा असर है। हमने सिर्फ चुटाला में ही हस्पताल नहीं खोला है इसके अलावा कलानौर में , वालू में और नारनौंद में भी बनाया है। जहां पर जरूरत है वहां पर हर जगह हम हस्पताल खोलने की कोि ा ा कर रहे हैं इसके बाद पढ़ाई के सिलसिले में हमने यह फैसला किया है और मैंने कल भी कहा था कि कहीं के लोग स्कूल खोलने के लिए अगर कन्ट्रीब्यू ान करेंगे तो उतना ही पैसा सरकार अपने पास से देगी। हर बड़े गांव में सरकार स्कूल बनाने की कोि ा ा कर रही है। जैसे जैसे हमारे फाइनैन्सिज हमें इजाजत देते हैं उसके मुताबिक हम पीछे नहीं रहेंगे। इसके साथ ही मै एक बात और कहना चाहता हूं कि लोग हमें तंग भी बहुत करते हैं। पांच पांच और दस दस सरपंच आ जाते हैं और कहते हैं वीरेन्द्र सिंह जी यह हमारा छोरा है इसको नौकरी पर लगा दो। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी मुझे कह देते हैं कि चौधरी साहब क्या करें इतने सारे सरपंच आ गये हैं, इस छोरे को लगा दो। मैंने कहा भीत में लगा दूं। अगर हम इस काम में दखल भी दे तब भी हम नहीं लगा सकते क्योंकि पांच पोस्टें खाली होती है और उनके लिए पाचं हजार

कैंडीडेट्स आते हैं। पिछली बार पुलिस में भरती हुई तो हर जिले से पांच पांच हजार कैंडीडेटस आयें। तो इस चीज को दूर करने के लिए हमने रूरल इंडस्ट्रिलाईजे ान की स्कीम भाुरू की है। इसके साथ साथ मैं आपको एक बात ओर बताता हूं कि पिछले दिनों मुझे मेरा एक साथी मिला उसने मुझे कहा कि चौधरी साहब मेरा सेल्ज टैक्स का मामला है। मैंने कहा आप मुझे एक दर्खास्त दे दो, मैं पता करवा लूंगा। फिर वह कहने लगा कि मेरी सबसिडी रूकी हुई है तो मैंने कहा कितनी है ? तो कहने लगा थोड़ी सी है सिर्फ 1 लाख 20 हजार रूपये की। मैंने यहां आते ही सारी रिपोर्ट मंगवाई और पता लगा कि किसी को 38 लाख की सबसिडी दे रखी थी और किसी को 15 लाख की दे रखी थी उसकी बजाये अब यह जो रूरल इंडस्ट्रिलाइजे ान की स्कीम भाुरू हो रही है इसके तहत हम रूरल इंडस्ट्रीज को प्रोत्साहन देने के लिए सबको 15 परसैंट पे ागी के तौर पर देंगे ताकि वे अपना काम भाुरू कर सकें। सरकार को इस काम में डाक्टर साहब का बहुत सहयोग मिल रहा क्योंकि वे बहुत लगन से इस काम को कर रहे हैं। हमारी कोि ा ा यह है जितने यूनिटस इस साल खोलने का हमारा विचार है भाायद उससे ज्यादा ही खोल पाएं। पिछले दिनों राव बीरेन्द्र सिंह ने भिवानी के एक जलसे में कहा कि मैंने किसानों का पीछा छोड़ दिया है क्योंकि किसानों ने अपना लीडर और बना लिया है इसलिए मैं तो अब गरीब हरिजनों की सेवा करूंगा। उनकी सेवा का यह सबूत है कि हरिजनों के लिए जो चौपाले हमने बनाई उसकी वे मुखालफित करते हैं जिस इलाके में

कोई चौपाल बनती है तो उद्घाटन के समय पत्थर पर उस इलाके के एम.एल.ए. का नाम आत है येइस बात की भी मुखल्फित करते हैं कि एम.एल.ए. का नाम क्यों आता है। खैर मैं यह बताना चाहता हूं कि हमारा जो नारा है यह उस किस्म का नहीं है जिस किस्म का इन्दिरा का नारा था। हम महज थोथा नारा नहीं लगा रहे हैं बल्कि हम तो हरिजनों का पूरा ख्याल रखते हैं। हमने उनके लिए बहुत कुछ करने का फैसला किया है। पिछड़ी जातियां जो हैं उनके लिए पहले 2 प्रति ात रिजर्वे ान होती थी लेकिन हमारी सरकार ने 5 प्रति ात कर दी है। यही नहीं कि हमने उनको नौकरी में लिया है बल्कि हमने सिलैक ान बोर्ड का चेयरमैन भी बैकवर्ड कलास का बनाया है और इसके अलावा चार एम.एल.एज. भी बनाए है। पिछले दिनों राव साहब ने नारनौल के इलाके में एक जलसे में कहा कि देवी लाल ने कहा है कि मैं लोगों की गर्दन सीधी करता हूं। मैंने यह नहीं कहा था मैंने तो यह कहा था कि मैं लोगों की मदद से पिछले इलैक ान में बड़ी लहर चली और मनोहर लाल सैनी जैसा एक साधारण व्यक्ति वहां से जीता और जिन लोगों की गर्दन सीधी नहीं होती थी उनकी गर्दन लोगों ने सीधी कर दी। तो मैंने तो यह कहा गर्दन लोगों ने सीधी कर दी। स्पीकर साहब, हम बैकवर्ड क्लासिज को हर किस्म की मदद देने की कोि ा ा कर रहे हैं।

एक आवाजः बैकवर्ड क्लासिज की आबादी के लिहाज से रिजर्वे ान करो।

चौधरी देवी लालः आबादी के लिहाज से रिजर्वे ान के लिए हमें थोड़ा सा टाईम दो। यह जगह बड़ी मु कल से मिलती है। चालीस साल तक जेलों में रह रह कर आज यहां पहुंचा हूं। पिछली सरकार के टाईम में चौधरी बंसी लाल ने मुझे कहा कि चौधरी साहब आपकी सीट तो फलां है तो मैंने कहा कि मेरी सीट तो गल्ती से अपोजी ान में आ गई, मेरी सीट तो यहां होनी चाहिए थीं। स्पीकर साह,ब जहां तक तालीम का तालुक है जिन कालेजों की हालत खराब है उनकी हालत सुधारने की हम को ि ा ा कर रहे हैं। एक तो जिन स्कूल कालेजों की माली हालत खराब है दूसरे उनका एडमिनिस्ट्रे ज्ञन काफी खराब है जिनके प्रोफैसर हड़ताल पर रहते हैं, बच्चे हड़ताल पर रहते हैं ऐसे स्कूल व कालेज अब 75 फीसदी से घटकर 30 फीसदी रह गये हैं जबकि कांग्रेस के जमाने में केवल 30 फीसदी कालेजों की हालत ठीक थी और ये अपने आप को बड़े तीस मारखां समझते थे। कांग्रेस सरकार के वक्त में जहां हड़ताल चलती थी वहां कानून बना दिया जाता था लेकिन आम सुधार के लिए कोई को ि ा ा नहीं की जाती थी। अब इन सारी बातों के लिए इन्क्वायरी करने की को ि ा ा की जा रही है कि प्राइवेट कालेज चल सकता है कि नहीं और उनको सुधारने की भी को ि ा ा की जायेगी। इसके साथ साथ ट्रांसपोर्ट की बाबत भी कहा गया कि अच्छा इंतजाम नहीं है और अच्छा होना चाहिए। इसके लिए मैं खुद, जहां से ि ाकायत आई वहां गया मैंने चैंकिंग करने के लिए पुलिस को भी ड्यूटी लगाई क्योंकि ट्रांसपोर्ट के इन्स्पैक्टर अच्छी

तरह से चैकिंग नहीं कर सकते, उन पर अपने यूनियन का दबाव होता है। पुलिस की डियूटीर लगाने का असार यह हुआ है कि कई जगह पोहलू साहब के कहने से या उनकी राय सुनने से मैंने मैनेजमैंट को जहां दोशी पाया उसे सजा दी जैसे पीछे जनरल मैनेजर को सस्पैंड किया। कई जगह सही मैनेजमैंट देखने के लिए छापे भी मारे जहां कई जगाहें पर चोरी का माल बरामद हुआ है। हम कोि ा ा कर रहे हैं कि प्रांत में ट्रांसपोर्ट के बारे में लोगों की जो दिक्कतें हैं उनको दूर किया जाये। मैं एक बार टूर पर गया था और रास्ते में मुलाना थाना पड़ता था उसके 30 किलोमीटर इधर और 20 किलोमीटर उधर से बसें भर कर आत हैं पर उस जगह पर सवारियां लेने के लिए बसें खड़ी नहीं होती हैं। सवारियों की दिक्कत दूर करने के लिए हमने वहां लोकल बस चलाने का फैसला किया है। ऐसे रूटों पर लोकल बसिज चलाने का इंतजाम कर रहे हैं क्योंकि इन बसों द्वारा भी सरकार का प्रचार होता है कि सरकार कैसी है। सरकार की अच्छाई का प्रचार ट्रांसपोर्ट पर भी बहुत निर्भर करता है। इसका भाासन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। हम लोग ट्रांसपोर्ट सेवा को जिसके बारे में हमारे अपोजी ान के साथियों ने हैल्दी क्रिटीसिज्म करके हमारा ध्यान दिलाया है, बहुत अच्छा बनाने की कोि ा ा करेंगे। स्पीकर साहब, राव साहब ने कहा था कि हमारे इलाके को नजर अंदाज किया जा रहा है। वे अपने इलाके के एक भी अहीरों के किसी भी बड़े गांव का नाम बता दें वहां हम लड़कियों का सरकारी स्कूल बना देंगे और जहां अस्पताल नहीं है वहां 25–25 बैड्स के

अस्पताल खोल देंगे ताकि वहां के लोग अपना ईलाज करवा सकें। आज जो अपोजी ान के सदस्यों ने सरकार की सराहना की है, मैं उनका म ाकूर हूं। इन लफ्जों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं जो चौधरी खुर ाीद अहमद ने इस हाउस में रखा और जिसकी सुशमा बहन ने ताईद की।

Mr. Speaker: Now I will put the amendment by Sarvshri Birender Singh Rao, Shamsher Singh urjewala, Dalip Singh Rao, Surrender Singh, Jagjit Singh Pohloo, Narain Singh, Inderjit Singh and Mange Ram Gupta to the vote of the House.

Dr. Mangal Sein: They are withdrawing it.

Sh. Shamsher Singh: We are not withdrawing it.

Mr. Speaker: Then I will put it to the vote of the House.

Question is:-

That in the motion, the following be added at the end, namely:-

1) but regret that it has failed to mention the deteriorating Law & Orde situation in the State resulting in sharp increase in incidents of murders, dacoities, thefts, highway robberies, rape etc;

2) but regret that it does not contain any proposal for solving the ever increasing unemployement among the

educated unemployed in teh State and failed to provide the umemployment allowance;

3) but regret that there is no mention of the serious unrest amoungst the students in the universities;

4) but regret that there is no mention of relief to the Traders in the matter of sales tax, Market Fee and to remove the rigours of Food Adulteration Act;

5) but regret that there is no mention regarding the famelioration of the lot of Harijans, including the Safai Karamcharis;

6) but regret that there is no mention of securing the transfer to control of canal Head works situated in Punjab to the Bhakra Managment Board, as decided by the Central Government;

7) but regret that there is no mention of transfer of Fazilka – Abohar and other Hindi speaking areas, left out in Punjab, to Haryana;

8) but regret that there is no mention of atrocities being committed against minority community residing in Gurgaon Distt;

9) but regret that there is no memtion of concrete proposals/steps for securing remunerative prices of agricultural produce;

10) but regret that there is no mention of the prevailing unrest and large scale retrenchement, lay-offs, lock-outs

and repression let loose on the industrial workers in the State; and

11) but regret that there is no mention of the large-scale persecutions, harassment and vicitinilsation of the political opponents by the Janta Party Government in the State;

The motion was lost.

Mr. Speaker: Now I will put the main motion to the vote of the House.

Question is:-

"That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th February, 1979."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Hon. Members, the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow, the 7th March, 1979.

18.24 Hours

(The Sabha then adojourned till 9.30 a.m. on Wednesday the 7th March, 1979)